E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com

website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -153 | प्रयागराज, गुरूवार 28 अगस्त, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प का दावा-मोदी को जंग रोकने के लिए धमकी दी,कहा- इतने हाई टैरिफ लगाऊंगा कि आपका सिर चकरा जाएगा

जर्मन अखबार का दावा-मोदी ने ट्रम्प का फोन नहीं उठायाः4 बार बातचीत से इनकार, अमेरिकी डेलीगेशन को भी दिल्ली आने से रोका

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने एक बार फिर भारत-पाकिस्तान के बीच मई में तनाव कम

करके न्यूक्लियर वॉर को रोकने का दावा किया है। व्हाइट हाउस में बुधवार को कैबिनेट बैठक के दौरान ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत को भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। साथ ही उन्होंने व्यापार समझौते को रोकने की बात कही, जब तक

भारत पर ट्रम्प का 50फीसदी टैरिफ लागू

कि दोनों देशों के बीच विवाद सुलझ नहीं जाता। ट्रम्प ने दावा किया कि उनकी बातचीत के पांच घंटे बाद ही दोनों देश पीछे हट गए। हालांकि, भारत हमेशा से ट्रम्प के बातचीत और मध्यस्थता के दावों को खारिज करता आया है। इसके बाद अमेरिका ने भारत पर 25फीसदी एक्स्ट्रा टैरिफ

लगा दिया था। जो आज से लागू हो गया है। इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं, अब भारत पर कुल टैरिफ 50फीसदी हो गया है। वहीं, ट्रम्प ने भारत पर 25फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जो 27 अगस्त यानी लागू हो गया है। अमेरिका ने इस टैरिफ के पीछे की वजह रूसी तेल खरीदने को बताया था। इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25फीसदी टैरिफ लगा चुके हैं, अब से भारतीय सामान के आयात पर अमेरिका में 50फीसदी टैरिफ देना होगा।अखबार में एक्सपर्ट्स के हवाले से लिखा है- आमतौर पर ट्रम्प का तरीका यह है कि पहले वे किसी देश पर व्यापार

घाटे को लेकर हमला बोलते हैं, फिर ऊंचे टैरिफ की धमकी देते हैं। इसके बाद डरकर बातचीत शुरू होती है और आखिरकार वह ऊंचा टैरिफ लगाकर, फिर कुछ छूट देकर खुद को विजेता बताने की कोशिश करते हैं। कई देशों के साथ ऐसा हुआ है और ट्रम्प ने यह दिखाया कि अमेरिकी बाजार

पर उनकी पकड़ कितनी मजबूत है, लेकिन मोदी ने इस बार झुकने से इनकार कर दिया। न्यूयॉर्क के न्यू स्कूल के भारत-चीन इंस्टीट्यूट के को-डॉयरेक्टर मार्क फ्रेजियर का कहना है कि अमेरिका की भारत को चीन के खिलाफ इस्तेमाल करने की रणनीति नाकाम हो रही है। भारत ने कभी भी चीन के खिलाफ अमेरिका के साथ

> अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प ने टैरिफ को लेकर प्रधानमंत्री मोदी को चार कॉल किए थे, लेकिन पीएम मोदी ने उनसे एक बार भी बात नहीं की। इससे दोनों नेताओं के बीच तनाव बढ़ गया। यह दावा जर्मन न्यूज पेपर FAZ ने किया है। हालांकि अखबार ने अपनी रिपोर्ट में यह नहीं बताया गया है कि ये कॉल कब किए गए थे। अखबार के मुताबिक ट्रम्प की आक्रामक ट्रेड पॉलिसी और भारत को 'डेड इकोनॉमी' कहने से मोदी नाराज हैं। पहले दोनों नेताओं के बीच अच्छे रिश्ते थे, लेकिन अब भारत ने अमेरिका के साथ व्यापार समझौते के लिए होने वाली बातचीत रद्द कर दी है। अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल को नई दिल्ली आने से रोक दिया गया। ट्रम्प ने भारत पर कुल 50फीसदी टैरिफ लगाया है, जिसमें से 25फीसदी टैरिफ जुर्माने के तौर पर लगाया गया है, जो 27 अगस्त कल से लागू होगा। ट्रम्प का कहना है कि भारत के रूसी तेल खरीदने की वजह से पुतिन को यूक्रेन के खिलाफ जंग जारी रखने में मदद मिल रही है.

पूरी तरह खड़े होने का वादा नहीं किया था।भारत से अमेरिका भेजे जाने वाले सामानों पर 27 अगस्त से 50फीसदी टैरिफ लागू हो गया है। ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव की रिपोर्ट के मुताबिक, यह नया टैरिफ भारत के लगभग रु5.4 लाख करोड़ के एक्सपोर्ट को प्रभावित कर सकता है।

जीटीआरआई के मुताबिक टैरिफ के कारण अप्रैल 2027 तक भारत से अमेरिका को एक्सपोर्ट रु7.5 लाख करोड़ से घटकर रु4.3 लाख करोड़ तक पहुंच सकता है। ये टैरिफ अमेरिका को भेजे जाने वाले भारतीय सामानों का करीब 66फीसदी हिस्सा कवर करता है। 50फीसदी टैरिफ से अमेरिका में बिकने वाले कपड़े, जेम्स-ज्वैलरी, फर्नीचर, सी फूड जैसे भारतीय प्रोडक्ट्स महंगे हो जाएंगे। इससे इनकी मांग में 70फीसदी की कमी आ सकती है। चीन, वियतनाम और मेक्सिको जैसे कम टैरिफ वाले देश इन सामानों को सस्ते दाम पर बेचेंगे। इससे भारतीय कंपनियों की अमेरिकी बाजार में हिस्सेदारी कम होगी।

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम से जस्टिस नागरत्ना असहमत,जस्टिस विपुल पंचोली की SC में नियुक्ति पर आपत्ति

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट की जज बीवी नागरत्ना ने मंगलवार को पटना हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विपुल मनुभाई पंचोली को

सुप्रीम कोर्ट में जज बनाने की कॉलेजियम की सिफारिश पर कड़ा विरोध दर्ज कराया। उन्होंने कहा, 'यह नियुक्ति न्यायपालिका के लिए नुकसानदायक साबित हो सकती है।' जस्टिस पंचोली अगर सुप्रीम कोर्ट में जज बनते हैं तो वे अक्टूबर 2031 में सीजेआई बन सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जस्टिस नागरत्ना ने मई में ही इस प्रस्ताव पर असहमति जताई थी। तब पहली बार जस्टिस पंचोली का नाम सामने आया था। बाद में जस्टिस एन वी अंजारिया को जस्टिस पंचोली से पहले सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त किया गया था। तीन महीने बाद जब फिर से जस्टिस पंचोली का नाम सामने आया, तो जस्टिस नागरत्ना ने

औपचारिक रूप से असहमति दर्ज की।सीजेआई बीआर गवई की अध्यक्षता में 25 अगस्त को हुई कॉलेजियम की बैठक में बॉम्बे हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस आलोक अराधे और जस्टिस पंचोली के नाम सुप्रीम कोर्ट के जज के तौर पर केंद्र को भेजे गए। 5 सदस्यीय कॉलेजियम में जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस जेके माहेश्वरी और जस्टिस नागरत्ना शामिल थीं।इस मुद्दे पर एनजीओ 'कैम्पेन फॉर ज्यूडिशियल अकाउंटेबिलिटी एंड रिफॉर्म्स' ने भी बयान जारी किया। सीजेएआर ने 25 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड कॉलेजियम के बयान को पारदर्शिता के मानकों का मजाक बताया। सीजेएआर ने कहा- जस्टिस पंचोली की नियुक्ति 4-1 के बहुमत से हुई, जिसमें जस्टिस नागरत्ना ने असहमति जताई। जस्टिस पंचोली गुजरात से सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त होने वाले तीसरे जज हैं, जो गुजरात हाईकोर्ट के आकार की तुलना में असंतुलित प्रतिनिधित्व है। साथ ही वे हाईकोर्ट जजों की ऑल इंडिया सीनियरिटी लिस्ट में 57वें नंबर पर हैं।

वैष्णो देवी में लैंडस्लाइड से मौत का आंकड़ा 31 हुआ,मृतकों में ज्यादातर श्रद्धालु, रेस्क्यू ऑपरेशन जारी,बढ़ सकता हैं मरने वालों का आंकड़ा

जम्मू। कटरा स्थित वैष्णो देवी धाम के ट्रैक पर लैंडस्लाइड ट्रेनें रद्द की हैं। इसके अलावा 27 ट्रेनों को शॉर्ट टर्मिनेट किया गया है। हालांकि,

कटरा-श्रीनगर के बीच ट्रेन सर्विस जारी है। जम्मू में मंगलवार को 11:30 से 5:30 बजे तक 6 घंटे में 22 सेमी बारिश हुई, जो अब तक की सबसे ज्यादा थी। आधी रात के बाद बारिश घटी। झेलम नदी का जलस्तर 22 फीट पार करने पर दक्षिण कश्मीर में बाढ़ अलर्ट जारी किया गया है। जम्मू शहर, आरएस पुरा, सांबा, अखनूर, नगरोटा, कठुआ, उधमपुर समेत कई इलाके बुरी तरह प्रभावित हैं। रियासी, रामबन, डोडा, कटरा, बनिहाल और आसपास हल्की बारिश जारी है। राहत बचाव में जुटी एजेंसियों ने अभी तक सिर्फ जम्मू जिले में 3500 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया है। पूरे जिले में बचाव शिविर और रिलीफ कैंप बनाए गए हैं। ज्यादातर बचाए गए लोगों को जम्मू के यूथ हॉस्टल में रखा गया है। सेना पूरे इलाके को तीन हिस्सों में बांट कर लोगों को बचा रही है। एक टीम आर्धकुमारी, एक टीम कटरा-ठक्कड़ कोट रोड और एक टीम जौरियन में काम कर रही है।

में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर बुधवार को 31 हो गया। हादसा मंगलवार को दोपहर 3 बजे पुराने ट्रैक पर अर्धकुमारी मंदिर से कुछ दूर इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ। कल देर रात तक 7 लोगों के मरने की खबर थी, लेकिन सुबह आंकड़ा बढ़ गया। प्रशासन का कहना है कि मरने वालों की संख्या और बढ़ सकती है। फिलहाल, इस इलाके में भारी बारिश की वजह से वैष्णो देवी यात्रा स्थगित कर दी गई है।मंगलवार को जम्मू शहर में 24 घंटे से भी कम समय में 250 मिमी से ज्यादा बारिश हुई। इससे कई जगहों पर बाढ़ जैसे हालात हैं। घरों और खेतों में पानी भर गया है। नॉर्दर्न रेलवे ने भी आज जम्मू-कटरा से चलने वाली और यहां रुकने वाली 22

दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट का 10वां टेस्ट कामयाब,पहली बार 8 डमी सैटेलाइट अंतरिक्ष में छोड़े, स्टारशिप की हिंद महासागर में लैंडिंग

टेक्सास। दुनिया के सबसे ताकतवर रॉकेट स्टारशिप का 10वां

टेस्ट बुधवार (27 अगस्त) को किया गया, जो कामयाब रहा। रॉकेट को सुबह 5:00 बजे टेक्सास के बोका चिका से लॉन्च किया गया। ये टेस्ट 1 घंटे 6 मिनट का था। इस मिशन में स्टारलिंक सिम्युलेटर सैटेलाइट को अंतरिक्ष में छोड़ने से लेकर इंजन चालू करने जैसे सभी ऑब्जेक्टिव पूरे हुए। स्टारलिंक सिम्युलेटर सैटेलाइट असली स्टारलिंक सैटेलाइट्स के डमी हैं। इनका इस्तेमाल स्टारशिप की सैटेलाइट डिप्लॉयमेंट क्षमता को परखने के लिए किया जाता है। दुनिया के सबसे अमीर कारोबारी इलॉन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स ने इस रॉकेट को बनाया है। स्टारशिप स्पेसक्राफ्ट (ऊपरी हिस्सा) और सुपर हैवी बूस्टर (निचला हिस्सा) को कलेक्टिवली 'स्टारशिप' कहा जाता है। इस व्हीकल की ऊंचाई 403 फीट है। ये पूरी तरह से रीयूजेबल है। जरूरी डेटा जुटाना मिशन का उद्देश्य-स्टारशिप के ऊपरी हिस्से की इंडियन ओशन कंट्रोल्ड वॉटर-लैंडिंग कराई गई। वहीं सुपर हेवी बूस्टर को लॉन्च साइट पर वापस नहीं लाया गया। इसकी अमेरिका की खाड़ी में वॉटर लैंडिंग कराई गई। ऐसा जरूरी डेटा जुटाने के लिए किया गया।स्टेज सेपरेशन के बाद बूस्टर ने एक कंट्रोल्ड दिशा में फ्लिप किया और फिर बूस्टबैक बर्न शुरू किया। इसमें कम प्रोपेलेंट रिजर्व रखने की जरूरत होती है, जिससे चढ़ाई के दौरान ज्यादा प्रोपेलेंट इस्तेमाल हो सकता है और ऑर्बिट में ज्यादा पेलोड ले जाया जा सकता है। बूस्टर के लैंडिंग बर्न के दौरान एक खास इंजन कॉन्फिगरेशन का प्रदर्शन किया गया। लैंडिंग के अंतिम चरण में तीन सेंटर इंजनों में से एक को जानबूझकर बंद किया गया, ताकि यह जांचा जा सके कि मिडिल रिंग का बैकअप इंजन लैंडिंग को पूरा कर सकता है या नहीं। मिशन में आठ स्टारलिंक सिम्युलेटर डिप्लॉय किया गया। ये सिम्युलेटर स्टारशिप के साथ सबऑर्बिटल ट्रैजेक्टरी पर है और इनके रीएंट्री के दौरान नष्ट होने की उम्मीद है। इसके अलावा अंतरिक्ष में एक रैप्टर इंजन को दोबारा चालू किया गया।इससे पहले ये टेस्ट 29 जून को होना था, लेकिन स्टैटिक फायर टेस्ट के दौरान स्टारशिप में ब्लास्ट हो गया था। इस टेस्ट में रॉकेट को जमीन पर रखकर उसके इंजन को चालू किया जाता है, ताकि लॉन्च से पहले सब कुछ ठीक हो, ये चेक किया जा सके। टेस्ट के दौरान रॉकेट के ऊपरी हिस्से में अचानक विस्फोट शुरू हुआ। देखते ही देखते पूरा रॉकेट आग के गोले में बदल गया था।

देश के आधे सांसदों-विधायकों पर क्रिमिनल केस,महिलाओं से जुड़े अपराध वाले राज्यों में पश्चिम बंगाल सबसे आगे

नयी दिल्ली।केंद्र सरकार ने हाल ही में संसद में 130वां

संविधान संशोधन विधेयक पेश किया है। इस विधेयक में प्रावधान है कि यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री किसी आपराधिक मामले में गिरफ्तार होकर 30 दिन तक जेल में रहते हैं, तो उन्हें पद से हटाया जा सकेगा। वर्तमान में स्थिति यह है कि देशभर में 45फीसदी विधायक और 46फीसदी सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। महिलाओं से जुड़े अपराधों की बात करें तो इसमें पश्चिम बंगाल सबसे आगे है। आंध्र प्रदेश का दूसरा नंबर है। देशभर में 45फीसदी विधायकों ने अपने ऊपर क्रिमिनल केस घोषित किए हैं, जबकि 29फीसदी गंभीर मामलों का सामना कर रहे हैं। विधायकों पर क्रिमिनल केसों में आंध्र प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। इसके बाद केरल, तेलंगाना और बिहार का स्थान है। चुनाव सुधार के लिए काम करने वाले एनजीओ एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स की एक रिपोर्ट से यह जानकारी सामने आई है। देश में 15 साल में आपराधिक रिकॉर्ड वाले सांसद 16फीसदी बढ़े संसद में समय के साथ यह आंकड़ा लगातार बढ़ रहा है। 2009 में 30फीसदी सांसदों पर आपराधिक मामले और 14फीसदी पर गंभीर मामले दर्ज थे। 2014 में सांसदों पर आपराधिक मामले का आंकड़ा एक-तिहाई और गंभीर मामले एक-पांचवां हो गए। 2019 में 43फीसदी सांसदों पर आपराधिक मामले और करीब 29फीसदी पर गंभीर आरोप थे। 2024 के चुनावों के बाद गठित संसद में यह संख्या और बढ़ गई। अभी 46फीसदी सांसद आपराधिक मामलों और 31फीसदी गंभीर मामलों का सामना कर रहे हैं।

दहेज-रील या अफेयर, विपिन ने निक्की को क्यों जलाकर मारा:पीड़ित परिवार बोला- फांसी हो

ग्रेटर नोएडा। 'शादी के बाद से ही दिक्कत चल रही थी। पैसे और गाड़ी दोनों की डिमांड की जा रही थी। निक्की का पति (विपिन) ज्यादा परेशान कर रहा था। कंचन का पति (रोहित) भी मारपीट करता था। 16 अगस्त की रात दोनों बहनों को मारा-पीटा गया था। मैं बस यही चाहती हूं कि दोनों भाइयों को आग लगाई जानी चाहिए, दोनों को उम्रकैद हो। हमारी बच्चियों को हक मिलना चाहिए।' संजू देवी बेटी निक्की को याद करते ही रो पड़ती हैं। वो अब भी बदहवास हालत में हैं। 21 अगस्त को ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में रहने वाली निक्की की आग से झुलसकर मौत हो गई। परिवार वालों का आरोप है कि पति विपिन ने दहेज के लिए उसे जलाकर मार डाला। इसमें ससुराल वालों ने भी साथ दिया। विपिन पर दूसरे आरोप भी हैं। निक्की के परिवार का कहना है कि वो नशे का आदी है और कोई काम नहीं करता। निक्की से पैसे न मिलने पर उससे मारपीट करता था। उसके दूसरी लड़कियों से भी संबंध हैं। निक्की उसकी अय्याशियों का विरोध करती थी, इसलिए दोनों में झगड़े होते थे। विपिन उसे रास्ते से हटाना चाहता था। परिवार की शिकायत पर पुलिस ने निक्की के पति विपिन भाटी, सास-ससुर और जेठ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। वहीं विपिन के चचेरे भाई देवेंद्र का कहना है कि दहेज के आरोप झूठे हैं। अब घटना के बाद बेवजह ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं। पहले निक्की के परिवार की बात- निक्की के घर पर तरफ मातम का माहौल मिला। मां संजू देवी पांच दिन बाद भी

बदहवास हालत में हैं। लोगों के आने पर बार-बार रो पड़ती हैं और बेटी के लिए इंसाफ मांगने लगती हैं। 21 तारीख की घटना के बारे में पूछने पर वे बताती हैं कि निक्की ने उन्हें कुछ नहीं बताया था। निक्की घर में तीसरे फ्लोर पर रहती थी, घटना भी वहीं हुई थी। हमने पूछा उस दिन क्या हुआ था? इस पर वो बताती हैं, 'कंचन की तबीयत खराब थी। निक्की ने उसे पानी दिया और कहकर गई कि 5 मिनट में ऊपर से आ रही है। ऊपर से विपिन उसे आवाज दे रहा था। इसके बाद मुश्किल से 5 मिनट में ही सारा खेल हो गया। वो ऊपर से आग में लिपटी हुई नीचे की ओर भागी। वो बुरी तरह चिल्ला रही थी कि मुझे बचा लो।कंचन उसकी आवाज सुनकर कमरे से बाहर आई, तब उसने आग में झुलसती निक्की को सीढ़ी से नीचे आते देखा। कंचन ने पानी डाला और तौलिए से लपेटकर आग बुझाने की कोशिश की। मदद के लिए विपिन और सास-ससुर को भी आवाज दी, लेकिन कोई नहीं आया। मेरे पास शाम 7 बजे सीधे फोन आया कि निक्की हॉस्पिटल में है।विपिन के परिवार की बात- ग्रेटर नोएडा के सिरसा गांव में आरोपी विपिन के घर पर ताला लगा मिला। घर के ठीक बगल में उसके परिवार की किराने की दुकान भी बंद थी। निक्की की मौत के मामले में विपिन, उसके मां-बाप और भाई सभी गिरफ्तार हो चुके हैं। इसके बाद हमने उनके कुछ रिश्तेदारों से बात करने की कोशिश की। विपिन के चचेरे भाई देवेंद्र भी पास में दुकान चलाते हैं। वो हमें मौके पर नहीं मिले, लेकिन फोन पर हुई बातचीत में वो दहेज या दूसरे आरोपों को खारिज करते हैं। देवेंद्र दावा करते हैं, 'जब ये हादसा हुआ, विपिन दुकान के बाहर घूम रहा था। अचानक घर से आवाज आई, तो सब भागकर अंदर गए।' 'विपिन ने बाहर आकर बताया कि निक्की ने खुद को आग लगा ली।अंकल (निक्की के ससुर) भी दुकान पर थे, आंटी (सास) भी नीचे थीं। निक्की को देखकर विपिन की हालत खराब थी।'पुलिस ने केस दर्ज कर अगले ही दिन 23 अगस्त को आरोपी विपिन को गिरफ्तार कर लिया था। इस घटना के बाद 24 अगस्त को मुख्य आरोपी विपिन की पुलिस के साथ एक कथित मुठभेड़ भी हुई, जिसमें वो घायल हो गया।

काम के बहाने कौशांबी बुलाकर 3 युवकों ने किया गैंगरेप,प्रयागराज की रहने वाली है लड़की

प्रयागराज। कौशांबी में 3 युवकों ने धूमनगंज प्रयागराज की युवती के साथ गैंगरेप किया। काम दिलाने के बहाने उसे कौशांबी बुलाया फिर बाड़े

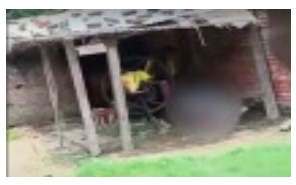

में ले गए। वहां बारी-बारी उसके साथ रेप किया। युवकों के पड़ोसी ने इस पूरी घटना के वीडियो बना लिए। अब कुल तीन वीडियो सामने आए हैं। इनमें से एक वीडियो में युवती अपनी मजबूरी बयां कर रही है। पुलिस का कहना है कि ये वीडियो एक महीने पुराने हैं। मंगलवार को इस मामले में 2 युवकों को गिरफ्तार किया गया है। युवती प्रयागराज के धूमनगंज थाना क्षेत्र की बताई जा रही है। युवकों की पहचान चायल कस्बे के रहने वाले दीपक सोनी, मयंक साहू और राहुल के रूप में हुई है। पुलिस ने राहुल यादव और दीपक सोनी को गिरफ्तार कर लिया है।उसे कौशांबी के चायल में रहने वाले 3 युवक काम दिलाने के बहाने ले आए। वहां उसके साथ फिजिकल रिलेशन बनाए। इसी दौरान पड़ोसी युवक ने 3 वीडियो शूट कर लिए। इसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस बुला ली। पुलिस तीनों युवकों और युवती को चौकी ले गई। लेकिन, वहां समझौता कर छोड़ दिया गया। इस मामले में उस समय कोई एफआईआर भी दर्ज नहीं की गई। अब एक महीने बाद तीन वीडियो सोशल मीडिया पर वायर हुए, तो पुलिस फिर से हरकत में आई।सीओ चायल अभिषेक सिंह का कहना है कि सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहे थे। इनकी जांच की गई। दो युवकों राहुल यादव और दीपक सोनी को गिरफ्तार किया गया है। जिस पशु बाड़े में गैंगरेप की घटना हुई, वह राहुल यादव का है। पूछताछ में दोनों युवकों ने बताया कि एक महीने पहले वो लोग एक युवती को कुछ रुपए देकर ले आए थे। फिजिकल रिलेशन बनाने के दौरान आसपास के लोगों ने वीडियो बना लिया। कुछ लोगों ने उसे ब्लैकमेल भी किया गया था। सीओ ने बताया कि इस संबंध में किसी ने कोई शिकायत नहीं की थी। अचानक से वीडियो सामने आया। इसे लेकर चौकी प्रभारी चायल की शिकायत पर थाना पिपरी में मुकदमा दर्ज किया गया है।गैंगरेप की घटना जिस युवती के साथ हुई, वह प्रयागराज जिले धूमनगंज थाना इलाके की बताई जा रही है। वहीं, चौकी में समझौते को लेकर चायल चौकी प्रभारी विनोद यादव ने बताया कि वे हाल ही में आए हैं। उनके समय यह मामला सामने नहीं आया था।

पलट कर वापस आई बाढ़,राहत शिविरों में पहुंचने लगे लोग,डेंजर लेवल के करीब गंगा-यमुना

प्रयागराज। गंगा और यमुना फिर अपने रौद्र रूप में दिखने लगी हैं। बाढ़ का खतरा फिर बढ़ गया है। शहर के 7 ऐसे इलाके हैं जहां बाढ़

का पानी पहुंच गया है। इसमें कछार मऊ, मऊ सरैया, राजापुर देह माफी, बघाड़ा, नेवादा, सोनौटी व बदरा शामिल हैं। इस इलाके के लोग अब बाढ़ राहत शिविरों में पहुंचने लगे हैं। शहर के 2 राहत शिविरों को मंगलवार से ही सक्रिय कर दिया गया है जिसमें करीब 50 परिवार पहुंच भी चुके हैं। पूरे जनपद की बात की जाए तो कुल 97 बाढ़ राहत शिविर बनाए गए थे जिसे सक्रिय करने का आदेश जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की ओर दिए गए हैं। कंट्रोल रूम बनाया गया है। इसका नंबर जारी किया गया है। 0532-2641577, 0532-2641578, 0532-2641597, 0532-2641598 व 1077 है। इस नंबर पर 24 घंटे टीमें उपलब्ध मिलेंगी। अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) ने बाढ़ के दौरान एवं बाढ़ के पश्चात्त क्या करें और क्या ना करें के संबंध में एडवाइजरी जारी किया है। उन्होंने बताया- बाढ़ के दौरान पानी में ना जाये, किसी भी प्रकार की जल क्रीड़ा न करें। किसी भी जल प्रपात में न जाए, बाढ़ के दौरान नहाना एवं नदी, तालाब, घाटों के किनारे जाने से बचें। जलप्रपात में कोई भी वाहन न चलाएं। बाढ़ की चेतावनी प्राप्त होते ही खुद को और अपने पड़ोसियों को सतर्क करते हुए पूर्व से चिह्नित ऊंचे स्थानों व प्रशासन द्वारा स्थापित बाढ़ शरणालयों में निवास करें। सबसे पहले गर्भवती महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, दिव्यांगों और बीमार व्यक्तियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने पर ध्यान दें। घर छोड़ने से पहले बिजली का मुख्य स्विच और गैस रेगुलेटर को बंद कर दें, शौचालय सीट को बालू से भरी बोरी से ढक दें, अन्य कीमती सामान को ऊंची जगहों जैसे टांड़ या अटारी पर रख दें एवं इमरजेंसी स्टॉक, फर्स्ट ऐड किट और जीवन रक्षक उपकरण वाली इमरजेंसी किट ले जाना न भूलें। बच्चों को बाढ़ के पानी में या उसके पास खेलने न दें। पानी उबाल कर ही पीयें तथा क्लोरीन का उपयोग करें। बासी व खुले भोजन का सेवन न करें। बिजली के खंभों, तारों और ट्रांसफॉर्मर से दूर रहें। क्षमता से अधिक लोग नाव पर न बैठें। सांप, बिच्छू और घातक जीव-जंतुओं से सतर्क रहें, यदि किसी को सांप काटता है, तो प्रभावित व्यक्ति को तुरंत निकटतम स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। अफवाहों पर ध्यान न दें और न ही किसी झूठी बातों को फैलाएं। सही जानकारी के लिए स्थानीय समाचार और स्थानीय अधिकारियों या ग्राम प्रधान से संपर्क कर सही जानकारी प्राप्त करें।

प्रयागराज में भाजपा नेता का अपहरण,चित्रकूट में मिली स्कॉर्पियो,सर्च ऑपरेशन जारी

प्रयागराज। पूर्व जिला पंचायत सदस्य और भाजपा नेता रणधीर यादव का अपहरण हो गया। उनकी स्कॉर्पियो कार चित्रकूट में लावारिस

हालत में खड़ी मिली। अपहरण और हत्या की आशंका के मद्देनजर पुलिस रविवार से चित्रकूट के जंगल में सर्च ऑपरेशन चला रही है। ड्रोन से सर्चिंग कराई जा रही है। बीजेपी नेता 22 अगस्त को अचानक लापता हो गए थे। उनके 2 साथी भी लापता हैं। तीनों के फोन बंद आ रहे हैं। भाजपा नेता की पत्नी जिला पंचायत सदस्य बबली यादव ने सोमवार को नवाबगंज थाने में दोनों साथियों के खिलाफ अपहरण का केस दर्ज कराया है।मोहम्मदपुर हथिगंहा निवासी सेवानिवृत्त सूबेदार राम अभिलाष यादव के पुत्र रणधीर यादव कौड़िहार के पूर्व जिला पंचायत सदस्य हैं। उनकी पत्नी बबली यादव वर्तमान में जिला पंचायत सदस्य हैं। शुक्रवार रात पूर्व जिला पंचायत सदस्य रणवीर यादव नवाबगंज बाजार में एक ढाबे पर देखे गए थे। उसके बाद से रणधीर को किसी ने नहीं देखा। तब से उनका मोबाइल बंद है। रणधीर यादव की तलाश के दौरान पुलिस को पता चला कि उसका साथी राम सिंह भी लापता है। राम सिंह पीडब्ल्यूडी कर्मी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी थी। तभी रविवार को प्रयागराज पुलिस को जानकारी मिली कि रणधीर की स्कॉर्पियो चित्रकूट के देवांगना के पास लावारिस हालत में खड़ी है। स्कॉर्पियो में नंबर प्लेट नहीं था। गाड़ी में पूर्व जिला पंचायत सदस्य के कागजात मिले हैं। स्कॉपियो मिलने के बाद एसीपी के नेतृत्व में नवाबगंज पुलिस चित्रकूट पहुंच गई। रविवार से पुलिस जंगल में भाजपा नेता की तलाश में सर्च अभियान चला रही है। इधर भाजपा नेता की पत्नी बबली यादव ने रणधीर के दो दोस्तों राम सिंह और उदय को नामजद करते किडनैपिंग का केस दर्ज करा दिया।पुलिस ने लापता रणधीर यादव और राम सिंह के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस की। जांच में राम सिंह की लास्ट लोकेशन चित्रकूट मिली। जबकि रणधीर यादव की लास्ट लोकेशन फाफामऊ प्रयागराज है। ऐसे में आशंका है कि प्रयागराज में अपहरण होने के बाद रणधीर यादव का मोबाइल बंद कर दिया गया।

बाढ़ से श्मशान घाट डूबे,सड़कों पर हो रहा शवदाह

प्रयागराज। गंगा-जमुना का जलस्तर खतरनाक स्तर तक पहुँच गया है। जिसके कारण दारागंज, रसूलाबाद, फाफामऊ, झूंसी और अरैल जैसे सभी प्रमुख श्मशान घाट पूरी तरह जलमग्न हो गए हैं। ऐसी स्थिति में मृतकों के परिजनों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। घाटों पर जगह न मिलने से लोग मजबूरन सड़कों और ऊँचे स्थानों पर चिताएं जलाने लगे हैं। हालात इतने गंभीर हैं कि सड़कों पर शवदाह के कारण बड़ी संख्या में शवों की कतारें लग गई हैं। परिजनों को घंटों तक इंतजार करने के बाद अंतिम संस्कार करने का मौका मिल रहा है। शवदाह की असुविधा और विपरीत व्यवस्थाओं के बीच परिवारों की पीड़ा और बढ़ जाती है।वहीं दारागंज में मौजूद विद्युत शवदाह गृह में भी लोगों को 3 सं 4 घंटे इंतजार के बाद अंतिम संस्कार का नंबर मिल रहा है। कई बार यह वेटिंग टाइम ज्यादा भी हो जाता है।

विशेष साक्षात्कार- साक्षात्कारकर्ताः रचना त्रिवेदी, चैनल हेड - आधुनिक समाचार, प्रतिनिधिः श्री शरद टंडन, संयुक्त आयुक्त, जिला उद्योग केंद्र, प्रयागराज

प्रयागराज। **प्रश्न 1 (रचना त्रिवेदी)- शरद जी, जिला उद्योग**

रचना त्रिवेदी चैनल हेड आधुनिक समाचार

केंद्र की भूमिका को आप कैसे परिभाषित करते हैं? उत्तर (शरद टंडन)- जिला उद्योग केंद्र (डीआईसी) का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमईएस) को प्रोत्साहित करना है। हम उद्यमियों को पंजीकरण, प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता, और बाज़ार उपलब्ध कराने जैसे कई मोर्चों पर मदद करते हैं। यह केंद्र सरकार की 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' योजनाओं के अंतर्गत भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। **प्रश्न 2- क्या प्रयागराज में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए कोई विशेष योजनाएं चल रही हैं?** उत्तर- जी हां, फिलहाल कई योजनाएं सक्रिय हैं। इनमें प्रमुख हैं - प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम (PMEGP), एक जनपद एक उत्पाद (ODOP), मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना इन योजनाओं के अंतर्गत नई इकाइयों को सब्सिडी, ऋण सुविधा और तकनीकी सहायता मिल रही है। ODOP के अंतर्गत प्रयागराज में फूड प्रोसेसिंग और मूँज हस्तशिल्प को चुना गया है। **प्रश्न 3- नवीन उद्यमियों के लिए कौन-कौन सी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं?** उत्तर- हम नए उद्यमियों के लिए कई स्तरों पर सहायता देते हैंः उद्योग स्थापना की प्राक्रिया में मार्गदर्शन बिजली, भूमि और लाइसेंस संबंधित मदद, बैंक ऋण हेतु अनुशंसा स्वरोज़गार मेले और प्रशिक्षण कार्यशालाएं हमारी कोशिश रहती है कि किसी भी युवा को सिर्फ कागजी कार्यवाही के कारण उद्योग शुरू करने से न रुकना पड़े। **प्रश्न 4-क्या आपको लगता है कि प्रयागराज में एमएसएमई सेक्टर को और मजबूती की आवश्यकता है?** उत्तर- बिल्कुल, एमएसएमई सेक्टर किसी भी क्षेत्र की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। प्रयागराज में इसमें अभी और संभावनाएं हैं, खासकर हस्तशिल्प, हर्बल उत्पाद, खाद्य प्रसंस्करण, और घरेलू निर्माण इकाइयों में। हम निवेशकों के लिए सिंगल विंडो सिस्टम और ऑनलाइन पंजीकरण सुविधा जैसी सेवाओं को और मजबूत कर रहे हैं। **प्रश्न 5- आप जिले के युवाओं को क्या संदेश देना चाहेंगे?** उत्तर- मैं यही कहना चाहूंगा कि आज का युग स्वरोज़गार का है। सरकार द्वारा उपलब्ध योजनाओं का लाभ उठाकर युवा न सिर्फ खुद के लिए, बल्कि औरों के लिए भी रोज़गार पैदा कर सकते हैं। अगर आपके पास कोई विचार है, तो हम उसे

शरद टंडन,संयुक्त आयुक्त,जिला उद्योगकेंद्र

ज़मीन पर लाने में पूरी मदद करेंगे। जिला उद्योग केंद्र आपके साथ है।समाप्ति टिप्पणी (रचना त्रिवेदी):- 'श्री शरद टंडन से हुई यह बातचीत यह दर्शाती है कि प्रयागराज न केवल आध्यात्मिक नगरी है, बल्कि यहां उद्योग की भी अपार संभावनाएं हैं। आवश्यकता है तो सिर्फ सही दिशा, जानकारी और एक पहल की।'

अधीनस्थ कृषि सेवा संघ ने डिजिटल क्रॉप सर्वे का किया बहिष्कार...मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन सौपा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। बीते सोमवार को अधीनस्थ कृषि सेवा संघ उत्तर प्रदेश के आह्वाहन पर जनपद शाखा प्रयागराज एवं राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद प्रयागराज के बैनर

तले प्राविधिक सहायको द्वारा माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार को संबोधित ज्ञापन द्वारा जिला अधिकारी प्रयागराज को सौपा गया त जिसमें राजस्व विभाग के मूल कार्य खसरा पड़ताल की वर्तमान डिजिटल क्रॉप सर्वे प्रक्रिया से लेखपालों को मुक्त रखते हुए कृषि विभाग के प्राविधिक सहायकों को इस वर्ष खरीफ 2025 सर्वे के लिए निर्देशित किया जा रहा है जबकि खसरा पड़ताल मूल कार्य राजस्व विभाग का है विगत वर्षों में इस कार्य को राजस्व विभाग द्वारा किया जाता रहा है लेकिन इस वर्ष उनको मुक्त रखते हुए प्राइवेट सर्वेयरो के चयन के लिए शासन ने निर्देशित किया है विशेष परिस्थिति में विभिन्न विभागों के संविदा कार्मिको जैसे पंचायत सहायको, ग्राम रोजगार सेवको, कृषि विभाग एटीएम/ बीटीएम, प्राविधिक सहायक ग्रुप सी एवं अन्य विभाग के क्षेत्रीय कर्मचारियों का चयन किया जा सकता है.कृषि विभाग के प्राविधिक सहायकों (राज्य कर्मचारी) की मांग है कि यदि लेखपालों को उनके मूल कार्य से मुक्त रखा गया है तो शासनादेश के अनुसार प्रथम वरीयता पर प्राइवेट सर्वेयरो का चयन किया जाए एवं आवश्यकता पड़ने पर विभिन्न विभागों के संविदा कार्मिकों का चयन कर लिया जाए त कृषि विभाग के प्राविधिक सहायकों को मुक्त रखा जाए क्योंकि उनके ऊपर शासन की शीर्ष प्राथमिकता की योजनाओं जैसे प्रधानमंत्री किसान सम्मन निधि, कृषि यंत्रीकरण, सोलर पंप, विभिन्न योजनाओं में लाभार्थी किसको का पंजीकरण एवं देय अनुदान धनराशि की डीबीटी करना, किसान पाठशाला एवं कृषक गोष्ठियों आदि कृषि विभाग की समस्त योजनाओं का प्रचार प्रसार करना होता है जिसके माध्यम से कृषि विकास एवं किसानों की आय बढ़ाकर आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए दृढ संकल्पित है। यदि प्राविधिक सहायकों की ड्यूटी सर्वेयरो के रूप में लगाई जाएगी तो उपरोक्त कार्य अवश्य बाधित होगा त जिसका असर किसानों की आय पर पड़ेगा,साथ कृषि विभाग की प्रगति भी खराब होगी त वैसे भी कृषि विभाग के प्राविधिक सहायक लेखपालों से अधिक पे स्केल की श्रेणी में आते हैं जिनको संविदा कार्मिकों एवं प्राइवेट सर्वयरों के समतुल्य रखते हुए यदि ड्यूटी लगाई जाती है तो उनका मनोबल अवश्य गिरेगा, जिसका परिणाम कुछ भी हो सकता है. इस मौके पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद से मंडल अध्यक्ष श्याम सूरत पांडे जी, उपाध्यक्ष प्रयागराज अरुण पांडे जी, जिला उप मंत्री शुभम त्रिपाठी जी रहे त अधीनस्थ कृषि सेवा संघ प्रयागराज के जनपद अध्यक्ष सत्य प्रकाश यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष धीरेंद्र सिंह, जिला मंत्री जयवीर सिंह, सहायक संगठन मंत्री पूनम वर्मा, कोषाध्यक्ष सूरजपाल एवं अधिक संख्या में प्राविधिक सहायकों ने बढ़-चढ़कर ज्ञापन सौपा और अपना विरोध दर्ज करवाया।

सुहाग को प्राप्त करने हेतु ग्रहणियों द्वारा सबसे कठिन व्रत हरतालिका (कजरी तीज) व्रत पर भगवान भोलेनाथ की पूजा अर्चना की

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को सर्वेश्वर

मंदिर ,आचार्य द्विवेदी नगर रायबरेली में सुहागिनें एवं कुंवारी लड़कियों द्वारा सबसे कठिन व्रत हरतालिका(कजरी तीज़)व्रत को रखा एवं भगवान भोलेनाथ को प्रसन्न करने के लिए निर्जला उपवास रहकर स्थानीय सर्वेश्वर मंदिर, आचार्य द्विवेदी नगर में आसपास की बहुत सी महिलाओं एवं कुंवारी लड़कियों द्वारा भोलेनाथ के जैसे पति को प्राप्त करने तथा अपने सुहाग को सुरक्षित बनाए रखने हेतु व्रत रखा। सुहागिनों द्वारा संपूर्ण श्रृंगार करते हुए भोलेनाथ को गंगाजल, दूध ,बेलपत्र, चंदन तथा रोली लगाकर पूजा की। मंदिर के पुजारी अक्षत तिवारी द्वारा विधिवत सबको पूजा अर्चना कराई गई।और प्रसाद वितरण किया गया। सभी व्रत रखने वाले लोग रात्रि भर भोलेनाथ एवं माता पार्वती के मिलन की कथाएं और भजन गाकर बिताएंगी।

कंप्यूटर शिक्षक प्रशिक्षण (CTT) कौशल के महत्व पर कॉमिक्स

मंडलायुक्त ने कलेक्ट्रेट सभागार में की समीक्षा बैठक,भिक्षावृत्ति कार्यों में लगे लोगों को चिन्हित कर स्वाबलम्बी बनाया जाएः डॉ0 रोशन जैकब

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को मंडलायुक्त लखनऊ डॉ0 रोशन जैकब की

अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में मंडलीय समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में सीएम डैशबोर्ड (विकास एवं राजस्व)एवं विभागीय फ्लैगशिप योजनाओं की प्रगति की बिंदुवार समीक्षा की गई। मंडलायुक्त महोदया ने निर्देशित किया कि शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं एवं कार्यक्रमों के प्रभावी क्रियान्वयन में किसी भी स्तर पर शिथिलता न बरती जाए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर अंकित प्रगति ही वास्तविक उपलब्धि का दर्पण है, अतः प्रत्येक विभाग यह सुनिश्चित करे कि अद्यतन प्रविष्टियाँ समयबद्ध ढंग से दर्ज हों। बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी/ ग्रामीण), आयुष्मान भारत योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, जल जीवन मिशन, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना,ओडीओपी, नंद बाबा प्रोत्साहन योजना, अमृत योजना, पीएम सूर्य घर योजना आदि की गहन समीक्षा की गयी। मंडलायुक्त ने निर्देश दिए कि लाभार्थीयों तक शत-प्रतिशत लक्ष्यों की पूर्ति कराते हुए पारदर्शिता एवं गुणवत्तापूर्ण कार्य सुनिश्चित किया जाए। मंडलायुक्त ने स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी सीएचसी, पीएचसी और स्वास्थ्य केन्द्रों पर मूलभूत सुविधाएं अवश्य उपलब्ध कराई जाए। इसके अलावा उन्होंने कहा कि आशा,आशा संगीनी,एएनएम व स्वास्थ्य कर्मियों की समय-समय पर ट्रेनिंग भी कराई जाए। उन्होंने कहा कि सभी स्वास्थ्य केंद्र में एंबुलेंस,औषधि, बैठने की व्यवस्था,पेयजल,प्रकाश व साफ सफाई की व्यवस्था आदि सुनिश्चित कराया जाए। विद्यालय की छात्राओं के अलावा स्कूल न जाने वाली बालिकाओं को भी एनीमिया की औषधियां उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने मॉडर्न आंगनवाड़ी में अभी तक हुए कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में स्मार्ट टीवी, पेयजल और बच्चों के खेल कूद के समान के साथ-साथ एक गार्डन भी डेवलप करवाया जाए। मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना के अंतर्गत उन्होंने निर्देश दिया कि ऐसे आवेदक को प्राथमिकता दी जाए जो रोजगार करने के इच्छुक हैं। उन्होंने जल जीवन मिशन, पर्यटन, नई बिल्डिंगों की निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा प्रोजेक्ट अलंकार एक बहुत अच्छी योजना है इसमें संस्कृत विद्यालयों को भी शामिल किया जाए। साथ ही जो विद्यालय अच्छा कार्य कर रहे हैं उनको प्राथमिकता पर आगे बढ़ाया जाए। इन विद्यालय में सोलर लाइट की भी व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने कहा कि महिला कल्याण से संबंधित जितनी भी योजनाएं चल रही है। उनके लाभार्थियों को शत प्रतिशत योजनाओं का लाभ पहुंचाया जाए। बिजली विभाग को निर्देश दिया कि कंट्रोल रूम में आने वाली शिकायतों का समयान्तर्गत निस्तारण कराने के उपरांत शिकायतकर्ता की फीडबैक भी ली जाए। दिव्यांगजनों को मानक के अनुसार उपकरण उपलब्ध कराया। पुनर्वास केन्द्रों का समय समय पर निरीक्षण भी किया जाए। वहाँ रहने वाले लोगों के भोजन, स्वास्थ्य, पेयजल, मनोरंजन आदि की व्यवस्था भी सुनिश्चित कराई जाए। चरागाहों से कब्जा हटवाया जाए। इन जगहों पर पशुओं के लिए हरे चारे की व्यवस्था कराई जाए। भिक्षावृत्ति में लगे हुए लोगों को भी पहुंचाया जाए सरकारी योजनाओं का लाभ- मंडलायुक्त ने कहा कि ऐसी बस्तियों का चयन किया जाए जहां पर युवा स्वरोजगार करने के इच्छुक हैं। ऐसे युवाओं को ट्रेनिंग देकर स्वावलंबी बनाया जाए। उन्हें ट्रेनिंग देकर ड्राइवर,ड्यूटी पार्लर, स्वास्थ्य सेवाओं में स्वावलंबी बनाकर रोजगार भी दिलाया जाए। इसके अतिरिक्त उन्होंने निर्देश दिया कि जो लोग भी भिक्षावृत्ति कार्यो में लगे हुए हैं उन लोगों को चिन्हित करते हुए उन्हें भी सरकारी योजनाओं का लाभ दिया जाए। इस कार्य में गैर सरकारी संगठनों का भी सहयोग लिया जाए। जनपद में चल रहे नवाचार कार्यों की भी की समीक्षा- मंडलायुक्त ने जनपद में चल रहे नवाचार कार्यों की भी समीक्षा की। जिसके अंतर्गत मनरेगा, राजस्व विभाग व मत्स्य विभाग द्वारा तालाबों के जीर्णोद्धार के लिए किए जा रहे कार्यों की उन्होंने प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इसके लिए ग्राम पंचायत स्तर पर बीडीओ की अध्यक्षता में बैठक भी कराई जाए। स्थानीय लोगों को भी इसमें शामिल किया जाए। बैठक के अंत में उन्होंने बेहतर कार्य करने के लिए जिलाधिकारी हर्षिता माथुर,मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, जिला विकास अधिकारी अरुण कुमार ,उपायुक्त उद्योग परमहंस मौर्य तथा एलडीएम रूपेश दुबे को प्रशस्ति पत्र प्रमाण पत्र भी दिया। बैठक में डीएफओ मयंक अग्रवाल, ज्वाइंट मजिस्ट्रेट प्रफुल्ल शर्मा,अपर जिलाधिकारी (वि) अमृता सिंह, मुख्य चिकित्साधिकारी नवीन चंद्रा, एडीएम न्यायिक विशाल यादव, सहित सभी सम्बन्धित विभागों के मंडलीय व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम आवास योजना

मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में क्लस्टर में भी दिए गए आवास, मुख्यमंत्री आवास योजना-ग्रामीण में 3लाख 73हजार से अधिक आवासों का किया गया आवंटन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य

के नेतृत्व और निर्देशन में उत्तर प्रदेश में बेघरों को उनका अपना पक्का घर होने के सपनों को साकार किया जा रहा है। उत्तर प्रदेश में प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण में तो 36. 56 लाख से अधिक आवासों का आवंटन किया ही गया है,लेकिन जिनका लोगो का नाम प्रधानमंत्री आवास योजना -ग्रामीण की पूर्व की सूची मे किन्ही कारणों से नहीं था, ऐसे लोगों को पक्का आवास देने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 2018 में मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण संचालित की गयी। इस योजना मे 3.73 लाख से अधिक आवास आवंटित किये जा चुके है, जिसके सापेक्ष 3.40 लाख से अधिक(91.15फीसदी) आवास पूर्ण हो गये है। इस योजना में ग्रामीण क्षेत्र में प्राकृतिक आपदा से प्रभावित, कुष्ठरोग आदि से प्रभावित, तथा वनटांगिया, मुसहर, कोल, सहरिया एवं थारू एवं नट, चेरो,पछइया, लोहार/गढ़इया, बैगा एवं दिव्यांगजन के आवास विहीन या कच्चे/जर्जर आवास में निवास कर रहे परिवारों, पति के मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला (आयु 18 वर्ष से 50 वर्ष आवासहीन परिवार की पात्रता की प्राथमिकता श्रेणी मे निराश्रित महिला की आयु 18 से 50 वर्ष की गयी है, हलांकि पहले यह आयु सीमा 18 से 40 वर्ष निर्धारित की गयी थी। उप मुख्यमंत्री श्री मौर्य की पहल व प्रयासों के फलस्वरूप दिव्यांगजनो को प्राथमिकता श्रेणी में सम्मिलित कराया गया और बड़ी संख्या मे दिव्यांग जनो को आवास आवंटित किये गये हैं। उप मुख्यमंत्री के निर्देशों के क्रम मे पति के मृत्यु के उपरान्त निराश्रित महिला (निर्धारित आयु)आवासहीन परिवार को इस योजना की प्राथमिकता श्रेणी मे शामिल किया गया और आवास भी आवंटित किये गये। मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण की खास बात यह है कि मुख्यमंत्री आवास योजना -ग्रामीण में गरीबों को क्लस्टर में भी आवास दिये गये हैं। प्रदेश के जनपदों, लखीमपुर खीरी, प्रयागराज, जौनपुर, वाराणसी, मिर्जापुर, बलरामपुर, कानपुर नगर, कानपुर देहात एवं सोनभद्र में क्लस्टर में आवास बनाये गये हैं, जिनमें सीसी रोड, इन्टरलाकिंग, पेयजल, सोलर लाइट, खेल मैदान आदि जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध करायी गयी हैं।

प्रयागराज। के सिविल लाइंस में पत्थर गिरजा के पास शूटिंग के बाद आयुष्मान खुराना और सारा अली खान कार में घूमते नजर आए।

पार्किंग व्यवस्था का सर्वे शुरू-9 प्रमुख मार्गों का निरीक्षण करेगा नगर निगम, 25 दिन में करना होगा काम

प्रयागराज। संगमनगरी में पार्किंग व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए नगर निगम में बैठक हुई। नगर आयुक्त की अध्यक्षता में

हुई इस बैठक में पार्किंग नीति पर चर्चा की गई। नगर निगम और यातायात विभाग के अधिकारी 25 दिन में संयुक्त रूप से संभावित पार्किंग स्थलों का सर्वे करेंगे। सर्वे में प्रत्येक स्थल की क्षमता का आकलन किया जाएगा। सर्वे के लिए 9 प्रमुख मार्गों को चुना गया है। इनमें एम.जी. मार्ग, डूमंड रोड, सरदार पटेल मार्ग शामिल हैं। साथ ही बीएचएस स्कूल के पास, पी.डी. टंडन मार्ग, थॉर्नहिल रोड का भी सर्वे होगा। स्वरूप रानी मार्ग, कचहरी रोड और सेंट जोसफ स्कूल मार्ग भी इसमें शामिल हैं। इसके अलावा ट्रैफिक की समस्या वाले अन्य क्षेत्रों का भी चयन किया जाएगा। नगर आयुक्त ने बताया कि यातायात विभाग को नो-ट्रैफिक जोन की सूची बनाने के निर्देश दिए हैं। बेहतर पार्किंग से यातायात व्यवस्था सुधरेगी। जिसके लिए प्रयास शुरू किया जा रहे हैं। बैठक में एडीसीपी ट्रैफिक कुलदीप सिंह, अपर नगर आयुक्त अरविंद राय और दीपेंद्र यादव मौजूद थे। संभागीय परिवहन अधिकारी आनंद, प्रभारी प्रवर्तन दिनेश तनवर भी शामिल हुए। जोनल अधिकारी अशोक कुमार, श्याम कुमार, नवनीत संख्यावार और अखिलेश त्रिपाठी ने भी हिस्सा लिया। सिटी ट्रांसपोर्ट के राजमणि यादव और यातायात निरीक्षक अमित कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

प्रेमी जोड़े का विवाद,परिवार वालों के बीच तनाव, दो महिलाओं समेत पांच लोग जेल भेजे गए

प्रयागराज। उतरांव थाना क्षेत्र के आरा कलां गांव में प्रेमी युगल के

मामले में तनाव उत्पन्न हो गया है। एक विवाहित युवती अपने सजातीय बचपन का प्यार प्रेमी के साथ परदेश भाग गई थी। युवती ने अपने माता-पिता, भाई-बहन, पति और ससुराल को छोड़ दिया। पिता की शिकायत पर दोनों पक्षों को थाने बुलाया गया। युवती ने प्रेमी का साथ छोड़ने से इनकार कर दिया। बालिग युवती के बयान के कारण पुलिस प्रेमी पर कोई कार्रवाई नहीं कर सकी। दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ और प्रेमी युगल को साथ रहने की अनुमति दी गई। हालांकि, जब प्रेमी युगल परदेश से वापस गांव आए, तो दोनों पक्षों के बीच फिर विवाद शुरू हो गया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस ने युवती के पिता और प्रेमी व उसके भाई समेत कुल पांच लोगों को शांति भंग के आरोप में जेल भेज दिया।थानाध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी के अनुसार, वीडियो रिकॉर्डिंग के आधार पर कुछ लोगों को चिह्नित किया गया है जो विवाद को बढ़ा रहे थे। इन लोगों पर भी कार्रवाई की जाएगी।

मुठभेड़ में सर्राफा लूट का आरोपी अरेस्ट,पैर में गोली लगने से घायल, एक किलो चांदी के जेवर बरामद

प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई। सैफ खानपुर गांव के लिलहट नहर रोड

पर हुई इस मुठभेड़ में एक बदमाश के पैर में गोली लगी। उसका साथी अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला। घायल बदमाश की पहचान रमेश सरोज के रूप में हुई है। वह प्रतापगढ़ के जेठवारा थाना क्षेत्र का रहने वाला है। घटना सुबह करीब 4 बजे की है। फूलपुर थाना प्रभारी और एसओजी टीम गश्त कर रही थी। इसी दौरान मोटरसाइकिल पर सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। बदमाशों ने रुकने की बजाय पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश को घायल कर लिया। डीसीपी गंगानगर कुलदीप गुनावत के अनुसार, घायल बदमाश के पास से एक किलो वजन के सफेद धातु के जेवरात बरामद हुए हैं। डीसीपी कुलदीप गुनावत ने बताया, पूछताछ में बदमाश रमेश ने कबूल किया है कि 24 अगस्त की रात 8:30 बजे उसने तीन साथियों के साथ फूलपुर में सर्राफा व्यापारी शिवशंकर सोनी से लूट की थी। बरामद जेवरात उसी घटना के हैं। पुलिस ने मौके से एक मोटरसाइकिल, एक अवैध तमंचा, दो जिंदा कारतूस और एक खोखा कारतूस बरामद किया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है। पुलिस ने मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

पूजा पाल के निष्कासन पर नाराजगी जताई,पाल समाज के लोगो ने बोला- पूजा पाल हमारी बेटी- अखिलेश का पीडीए फॉर्मूला खोखला

प्रयागराज। स.पा से विधायक पूजा पाल के निष्कासन ने प्रदेश ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय सियासत में भी हलचल मचा दी है। पार्टी अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कौशांबी की चायल सीट से सपा विधायक पूजा पाल को विधानसभा के मानसून सत्र में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की तारीफ करने पर अनुशासनहीनता का आरोप लगाते हुए पार्टी से निकाल दिया। पूजा पाल ने सदन में कहा था कि 'सीएम योगी ने माफिया को मिट्टी में मिला दिया और उन्हें भी लंबे संघर्षों के बाद न्याय मिला है।' उनके इस बयान को पार्टी लाइन से अलग बताते हुए सपा मुखिया ने सख्त रुख अपनाया। लेकिन यह कदम अखिलेश यादव के लिए अब राजनीतिक संकट में बदल रहा है। पाल समाज खुलकर पूजा पाल के समर्थन में आ गया है और अखिलेश यादव के पीडीए (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) फार्मूले को कटघरे में खड़ा कर रहा है। प्रयागराज के एयरपोर्ट थाना क्षेत्र के कटहुला गौसपुर गांव में पाल बिरादरी ने बैठक कर अखिलेश यादव के फैसले का विरोध किया। समाज का कहना है कि अखिलेश यादव पीडीए की राजनीति की बात करते हैं, लेकिन पीडीए समाज से आने वाली महिला विधायक को निकालकर उन्होंने न केवल समाज का अपमान किया बल्कि महिला नेतृत्व का भी सम्मान नहीं किया। पाल समाज के वरिष्ठ सदस्य राम अवध पाल ने कहा कि पूजा पाल उनके समाज की बेटी हैं और जिस भी दल में जाएंगी, पूरा समाज मजबूती से उनके साथ खड़ा रहेगा।

युवा क्रांति सेना ने दिल्ली मेट्रो किराया बढ़ोतरी पर जताई आपत्ति, छात्रों के लिए रियायत की मांग

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) द्वारा हाल ही में किए गए किराया बढ़ोतरी के निर्णय के खिलाफ युवा क्रांति सेना ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। सेना के अध्यक्ष अविनाश सिंह ने इस संबंध में मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता को एक पत्र भेजा है, जिसकी प्रतियां डीएमआरसी के प्रबंध निदेशक, दिल्ली सरकार के मुख्य सचिव और परिवहन मंत्री को भी प्रेषित की गई हैं। युवा क्रांति सेना ने अपने पत्र में कहा है कि दिल्ली मेट्रो राजधानी की जीवनरेखा है, जिससे प्रतिदिन लाखों लोग सफर करते हैं, जिनमें बड़ी संख्या छात्रों की होती है। संगठन ने यह भी उल्लेख किया कि डीएमआरसी पहले से ही यात्रियों से प्राप्त किराए और विज्ञापन राजस्व के कारण लाभ की स्थिति में है, ऐसे में यह किराया बढ़ोतरी पूरी तरह अनावश्यक है और छात्रों पर अतिरिक्त बोझ डालती है। संगठन ने मांग रखी है कि छात्रों को राहत देने के लिए तुरंत विशेष रियायत नीति बनाई जाए, जिसमें छात्रों के लिए निःशुल्क यात्रा सुविधा, या कम से कम 50फीसदी किराया छूट, या रियायती पास उपलब्ध कराए जाने का आग्रह किया गया है। युवा क्रांति सेना के अध्यक्ष ने कहा कि हमें आशा है कि सरकार और डीएमआरसी निश्चित ही इस मुद्दे पर संवेदनशीलता दिखाते हुए तत्काल सकारात्मक कदम उठाएगी अन्यथा हम कोर्ट का सहारा लेंगे।

मैहर कोतवाली में शांति समिति की बैठक में गणेश एवं दुर्गा एवं ईद मिलादुन्नवी उत्सव मनाने दिए गए दिशा निर्देश

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। कोतवाली प्रांगण में आज शांति समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में नगर पुलिस अधीक्षक महेंद्र सिह चौहान,

मैहर टीआई अनिमेष द्विवेदी, मैहर तहसीलदार जितेन्द्र पटेल, जे ई शिवनारायण त्रिपाठी, रवि सर्राफ, विनोद चौरसिया, हीरा चौरसिया, वीरेंद्र सिह सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। बैठक में क्षेत्र की शांति व्यवस्था, आपसी सौहार्द और सुरक्षा को बनाए रखने पर विशेष चर्चा की गई। अधिकारियों ने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या या विवाद की स्थिति में तुरंत पुलिस प्रशासन से अवगत कराएं। मैहर सिटी कोतवाली में गणमान्य नागरिकों एवं गणेश उत्सव कमेटियों की बैठक आयोजित कर दिए गए दिशा निर्देश। इस अवसर पर पुलिस के द्वारा बताया गया कि गणेश एवं दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना परंपरागत स्थान पर ही हो। गैर पंरपरागत स्थान पर स्थापना न की जाएं। इसी प्रकार आयोजक, अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव एवं अन्य सदस्यों का नाम एवं मोबाइल नंबर, प्रतिमा स्थापित करने वाली जगह परंपरागत स्थान है या नहीं इसकी समस्त जानकारी रजिस्टर पर दर्ज की जाएं। आयोजको के द्वारा मूर्ति की सुरक्षा दिन और रात यानि 24 घंटे करने हेतु स्वंय की डियूटी लगाए जिसे रजिस्टर में दर्ज किया जाए साथ ही किस समय कौन डियूटी किया है मोबाइल नंबर सहित भी दर्ज किया जाए। आयोजकण विद्युत सुरक्षा के मापदण्डों को पूरा करेंगे साथ ही अस्थाई विद्युत कनेक्शन लिए जाए। इसी तरह ध्वनि प्रदूषण में उच्चतम न्यायालय के दिशा निर्देश का पालन किया जाए। इस अवसर पर भड़काऊ संगीत, नारे एवं भाषण आदि का उपयोग न किया जाए। गणेश प्रतिमा के पास फायर ब्रिगेड नंबर 101 आवश्यक रूप से चस्पा किया जाए। आयोजक के द्वारा यदि गरबा व अन्य कार्यक्रम आदि का आयोजन करते है तो थाना व संबंधित वीट प्रभारी को सूचित करें।

हरितालिका तीज बड़ी धूमधाम से मनाई गई

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। सेक्टर 82 पाकेट 7 के शिव

मंदिर पर हरतालिका तीज को बड़ी धूमधाम से मनाई गई। सभी महिलाओं ने मिलकर पूरे मंदिर को फूलों से सजाया एवं सभी व्रती महिलाएं पार्थिव शिवलिंग बनाकर भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया।यह व्रत भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की तृतीया को हस्त नक्षत्र के दिन होता है। इस दिन कुमारी और सौभाग्यवती स्त्रियाँ गौरी-शङ्कर की पूजा करती हैं। विशेषकर उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल और बिहार में मनाया जाने वाला यह त्योहार करवाचौथ से भी कठिन माना जाता है क्योंकि जहां करवाचौथ में चन्द्र देखने के उपरांत व्रत सम्पन्न कर दिया जाता है, वहीं इस व्रत में पूरे दिन निर्जल व्रत किया जाता है और अगले दिन पूजन के पश्चात ही व्रत सम्पन्न जाता है। इस व्रत से जुड़ी एक मान्यता यह है कि इस व्रत को करने वाली स्त्रियां पार्वती जी के समान ही सुखपूर्वक पतिरमण करके शिवलोक को जाती हैं।हरतालिका तीज- सौभाग्यवती स्त्रियां अपने सुहाग को अखण्ड बनाए रखने और अविवाहित युवतियां मन अनुसार वर पाने के लिए हरितालिका तीज का व्रत करती हैं। सर्वप्रथम इस व्रत को माता पार्वती ने भगवान शिव शङ्कर के लिए रखा था। इस दिन विशेष रूप से गौरी-शंकर का ही पूजन किया जाता है। इस दिन व्रत करने वाली स्त्रियां सूर्योदय से पूर्व ही उठ जाती हैं और नहा धोकर पूरा श्रृंगार करती हैं। पूजन के लिए केले के पत्तों से मंडप बनाकर गौरी-शङ्कर की प्रतिमा स्थापित की जाती है। इसके साथ पार्वती जी को भजन, कीर्तन करते हुए जागरण कर तीन बार आरती की जाती है और शिव पार्वती विवाह की कथा सुनी जाती है। इस मौके पर श्रीमती विभा शुक्ला, श्रीमती रीता मिश्रा, श्रीमती विनीता, श्रीमती शीतल सिंह, श्रीमती सीमा शुक्ला, श्रीमती मंजू गुप्ता, श्रीमती सचिता राय, श्रीमती वंदना पाठक, कुछ श्वेता शुक्ला, श्रीमती सुमन, श्रीमती मंजू वर्मा, श्रीमती ज्योति तिवारी, श्रीमती गीता शर्मा, श्रीमती रेनू भगत, श्रीमती नेहा मिश्रा, श्रीमती सुधा सिंह, श्रीमती भावना पांडेय, श्रीमती मंजू पाठक, श्रीमती निक्की मिश्रा आदि गणमान्य भक्त गण मौजूद रहे।

नोएडा मीडिया क्लब में गूंजा भक्ति भाव, हुआ सुंदरकांड का पाठ

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। मीडिया क्लब में मंगलवार

को सुंदरकांड का पाठ बड़े ही श्रद्धाभाव से आयोजित किया गया। क्लब के अध्यक्ष आलोक द्विवेदी और महासचिव जयप्रकाश सिंह के नेतृत्व में हुए इस आयोजन में प्रभु श्रीराम और हनुमानजी की आराधना करते हुए रामचरितमानस के सुंदरकांड का पाठ किया गया। पंडितों द्वारा किए गए इस पाठ में प्रत्येक प्रसंग का वर्णन भक्तिमय ढंग से किया गया, जिससे पूरा वातावरण आध्यात्मिक और भक्ति रस से सराबोर हो गया। आयोजन में कृषि अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष कैप्टन विकास गुप्ता, भाजपा महानगर अध्यक्ष महेश चौहान, वरिष्ठ भाजपा नेता चन्दगीराम, अमित त्यागी, सुमित्रा हॉस्पिटल के चेयरमैन डॉ. वीके गुप्ता, सपा नेता बबलू चौहान, एवं जिला अस्पताल की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय राणा समेत अनेक गणमान्य लोग और मीडिया क्लब के सदस्य मौजूद रहे। इस अवसर पर युवा शक्ति संगठन के प्रदेश अध्यक्ष सुनील शर्मा और उनकी पूरी टीम ने भी विशेष सहयोग किया। पाठ के उपरांत प्रसाद वितरण किया गया और सभी ने हनुमानजी से सुख-समृद्धि व प्रगति की कामना की। नोएडा मीडिया क्लब का यह आयोजन भक्ति और सामाजिक समरसता का अद्भुत संगम बन गया।

राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने कृषि,सहकारिता और पीसीएफ सहित विभागीय अधिकारियों के साथ की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। मंगलवार को राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार

दिनेश प्रताप सिंह ने जिला पंचायत सभागार में जिले के किसानों को उपलब्ध कराई जा रही खाद की स्थिति की समीक्षा बैठक की। बैठक में कृषि, सहकारिता, पीसीएफ सहित संबंधित विभागों के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार वित्तीय वर्ष में अब तक किसानों को कुल 49,791 मीट्रिक टन खाद उपलब्ध कराई जा चुकी है, जबकि पिछले वर्ष यह मात्रा 40 हजार मीट्रिक टन रही थी। अनुमान है कि खरीफ सत्र 2025 में किसानों को लगभग 66 हजार मीट्रिक टन खाद की आवश्यकता होगी। वर्तमान में जनपद के भंडारण गृहों में 06 हजार मीट्रिक टन खाद उपलब्ध है तथा 11 हजार मीट्रिक टन खाद की रेक शीघ्र ही जनपद में पहुँच रही है। इस प्रकार जनपद के किसानों के लिए कुल 66 हजार मीट्रिक टन खाद की उपलब्धता सुनिश्चित की जा रही है। इससे स्पष्ट है कि खरीफ सत्र में खाद की कोई कमी नहीं होगी। उन्होंने किसानों से अपील की गई है कि वे किसी भी प्रकार की अफवाहों पर ध्यान न दें तथा सरकार एवं प्रशासन पर विश्वास बनाए रखें। परिवहन संबंधी कुछ असुविधाएँ अवश्य थीं, जिनके निराकरण हेतु उच्चाधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। किसानों की सुविधा हेतु जिला मुख्यालय कलेक्ट्रेट में कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। इस कंट्रोल रूम में खाद आपूर्ति से जुड़े सभी विभागों के प्रतिनिधि प्रतिदिन प्रातः 10:00 बजे से सायं 6:00 बजे तक उपस्थित रहेंगे, जहाँ खाद संबंधी किसी भी समस्या का तत्काल समाधान किया जाएगा। इसके उपरांत उद्यान मंत्री ने हाथी पार्क चौराहे पर स्थापित बाबा साहब भीमराव आंबेडकर जी की प्रतिमा पर छतरी और चौराहे के सौंदर्यीकरण कराए जाने की प्रगति कार्यदायी संस्था आरईडी के अधिकारियों से जानी। उन्होंने निर्देश दिया कि जो भी कार्य शेष हैं या मानक के अनुरूप नहीं हुए हैं उन्हें यथाशीघ्र पूरा कर लिया जाए।

स्कूल के बाथरूम में मिली जली हुई छात्रा,क्या 5वीं की छात्रा कर सकतीं हैं सुसाइड! परिवार वाले बोले- किसी ने जलाया है,तोड़फोड़ व पुलिस से मारपीट

पटना। बुधवार को गर्दनीबाग इलाके के आमला टोला कन्या

विद्यालय के बाथरूम में 5वीं की छात्रा जलकर मौत हो गई। घटना के बाद गुस्साए परिजन और छात्रों ने स्कूल में तोड़फोड़ की है। स्कूल के बाहर जाम लगाया, आगजनी भी की गई। हंगामा रोकने आए पुलिस वालों को लोगों ने जमकर थप्पड़ मारे। परिजन का आरोप है कि बच्ची को कैरोसिन डालकर जलाया गया है। वो सुसाइड नहीं कर सकती है। छात्रा की पहचान दमडीया की रहने वाली जोया परवीन के रूप में हुई है। छात्रा के शरीर का ऊपरी हिस्सा बुरी तरह से झुलसा था सेंट्रल एसपी दीक्षा ने बताया कि मौके पर केरोसीन तेल का डिब्बा मिला है। जिसमें करीब आधा लीटर तेल बचा है। बाथरूम को सील कर दिया गया है। एफएसएल की टीम ने मौके से सबूत इकट्?ठे किए हैं। भाई शहबाज ने बताया कि 'हम लोग क्लास में बैठे थे, पता चला आग लगी है। वो वॉशरूम में थी। गेट बंद था। केरोसिन तेल छिड़का गया है। मैंने सर से कहामुझे जाकर देखने दीजिए। मैंने देखा कि मेरी बहन का बैग ले जा रहे थे।' 'बाद में मुझे बताया गया कि वो मेरी बहन थी। सर मुझे जाने नहीं दे रहे थे। मैं अपनी बहन को देख नहीं पाया। बहन को केरोसिन तेल से जलाया गया है। उसकी किसी से दुश्मनी नहीं थी।' सेंट्रल एसपी दीक्षा ने बताया कि 'बच्ची का इलाज पीएमसीएच में चल रहा है। परिवार ने स्कूल में तोड़फोड़ की है। आसपास के लोगों ने भी तोड़फोड़ की है। टीचर्स के साथ बदतमीजी की है। इसमें पुलिस के साथ धक्का-मुक्की हुई है। घटना का कारण पता लगाया जा रहा है।' '5 दिन से बच्ची स्कूल नहीं आई थी। आज आई और सीधा बाथरूम में चली गई। डीवीआर खंगाला जा रहा है। एक्सपर्ट्स को बुलाकर पता लगाया जा रहा है। दूसरे पड़ोसी ने बताया- 'किसी ने बच्ची को जलाया है। वो कभी सुसाइड की कोशिश नहीं कर सकती है। स्कूल की सुरक्षा ठीक नहीं है। सीसीटीवी दिखाना चाहिए। बच्ची की मौत कैसे हुई ये साफ करना चाहिए। यहां सुरक्षा नाम की कोई चीज नहीं है। यहां जब किसी को बाहर जाना है वो जा सकता है। जिसे अंदर जाना है वो जा सकता है। कोई पूछने वाला नहीं है।'स्कूल पहुंची बच्ची की पड़ोसी ने बताया- 'वो बहुत मासूम बच्ची थी। बहुत प्यारी थी। हमें जानकारी मिली तो हम स्कूल पहुंचे। हमने टीचर्स से पूछा कि क्या हुआ उन्होंने जानकारी नहीं दी। कहा कि हमें अटेंडेंस से मतलब है। बच्चा क्या करता है हमें नहीं पता।' 'बच्ची के सारे कपड़े जल चुके थे। सिर्फ पैर में जूते थे। हमारे पहुंचने से पहले स्कूल वालों ने उसे हटा दिया। स्कूल के आसपास लड़के नशा करते हैं। कई बार हमने शिकायत की, लेकिन कभी किसी ने कार्रवाई नहीं की।'

शाहजहांपुर में 4 साल के बेटे को दिया जहर, फिर दम्पति ने लगाई फांसी! सुसाइड नोट में लिखकर बताई वजह

शाहजहांपुर। एक कारोबारी शाहजहांपुर के उन्होंने परिवार सहित

खुदकुशी कर ली है। पति-पत्नी ने पहले चार साल के बच्चे को जहर दिया और इसके बाद खुद भी फांसी के फंदे से लटकर अपनी जान दे दी। घटना शाहजहांपुर के रोजा इलाके में दुर्गा इंक्लेव मोहल्ले की है। कारोबारी ने जान देने से पहले सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें आर्थिक तंगी की वजह से मौत का ये रास्ता चुनने की बात लिखी है। कारोबारी और उनकी पत्नी पैसों की तंगी की वजह से मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे। जानकारी के मुताबिक, कारोबारी हैंडलूम का व्यापार करते थे। शाहजहांपुर के पुलिस अधीक्षक ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि उन्हें रोजा थाना क्षेत्र में सूचना मिली है कि बीती रात एक कारोबारी ने परिवार सहित खुदकुशी की है।

नीतीश के मंत्री-विधायक को गांववालों ने 1किमी खदेड़ा,एक्सीडेंट में 9 लोगों की मौत पर मिलने गए थे

नालंदा। बिहार के नालंदा में बुधवार (27 अगस्त) को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार और हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी उर्फ प्रेम मुखिया पर लोगों ने हमला कर दिया। ग्रामीणों ने दोनों को लाठी-डंडे

लेकर दौड़ाया। जान बचाने के लिए दोनों नेता एक किलोमीटर भागे और 3 गाड़ियां बदलीं। नालंदा सीएम नीतीश कुमार का गृह जिला है। बिहार में 3 दिन में दूसरे मंत्री पर हमला हुआ है। 25 अगस्त को पटना के अटल पथ पर स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडे की गाड़ी पर पथराव हुआ था। 23 अगस्त को पटना के फतुहा में हिलसा के 9 लोगों की सड़क हादसे में मौत हुई थी। विधायक और मंत्री मलामा गांव में पीड़ित परिवार से मिलने पहुंचे थे। मुलाकात के थोड़ी देर बाद दोनों नेता वहां से लौटने लगे। गांव वालों ने उन्हें कुछ देर और रुकने को कहा। मंत्री श्रवण कुमार ने कहा, 'सभी पीड़ित परिवारों से मुलाकात हो गई है, उन्हें आगे के कार्यक्रम में जाना है।' इस पर ग्रामीण नाराज हो गए। भीड़ ने पहले स्थानीय पत्रकार और विधायक कृष्ण मुरारी को घेर लिया। लाठी-डंडे निकालकर ले आए। गांववालों का कहना था कि विधायक के कहने पर ही घटना के दिन किए गए जाम को हटाया था, आज तक सही मुआवजा नहीं मिला। ये कहते हुए ग्रामीण उग्र हो गए। दरअसल 23 अगस्त को सड़क जाम कर रहे लोगों को हिलसा के विधायक ने वादा किया था कि मैं आपका सही मुआवजा दिलवाऊंगा। मैं आपके गांव भी मिलने आऊंगा। अपना यही वादा पूरा करने के लिए विधायक, मंत्री जी के साथ मलामा गांव पहुंचे थे। सुबह करीब 10 बजे दोनों गांव में पहुंचे। गांव में घुसते ही भीड़ ने दोनों को घेर लिया। अपनी-अपनी समस्याएं बताईं। इसके बाद मंत्री और विधायक को उन घरों की ओर ले जाया गया, जहां सड़क हादसे में मौतें हुई थीं। दोनों ने एक-एक कर मृतकों के परिवार से मुलाकात की और जल्द मुआवजा दिलवाने का वादा किया। इस दौरान मंत्री और विधायक के साथ गांव के लोग चलते रहे।थोड़ी देर बात विधायक ने कहा कि अब हम निकलते हैं दूसरी जगह भी कार्यक्रम है। गांव वालों को लगा कि मंत्री और विधायक आए हैं तो मुआवजे को लेकर मौके पर ही कोई ठोस कार्रवाई करवाएंगे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। जाने की बात सुनते ही गांव वालों ने विधायक और एक पत्रकार को घेर लिया। उन्होंने कहा कि हम आपको नहीं जाने देंगे। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में गांव वाले मौके पर जुट गए। कुछ लोग घरों से लाठी-डंडे लेकर आए गए। मंत्री और विधायक को लगा कि हमला हो जाएगा। दोनों मौके से भागने लगे। मंत्री-विधायक को करीब 700 मीटर स्कॉट करते हुए बॉडी गार्ड्स गांव के बाहर कार तक लाए।मंत्री जैसे ही

कार में बैठे 10 से ज्यादा लोग उनकी गाड़ी के सामने आ गए। 20-25 लोग पीछे खड़े हो गए। इसी बीच कुछ लोगों ने लाठी-डंडे से गाड़ी पर हमला कर दिया। पुलिस जवानों ने मंत्री को तुरंत गाड़ी से बाहर निकाला। दौड़ते हुए वो करीब 500 मीटर दूर खड़ी दूसरी गाड़ी तक पहुंचे। इस दौरान गांव वालों की भीड़ भी मंत्री के पीछे-पीछे थी। मंत्री जैसे ही दूसरी गाड़ी के पास पहुंचे, भीड़ ने फिर से उन्हें घेर लिया। लाठी-डंडे से हमले शुरू कर दिए। इस दौरान बॉडी गार्ड्स ने उन्हें बचाने की कोशिश की तो वो भी घायल हो गए।बॉडी गार्ड्स मंत्री और विधायक को तीसरी गाड़ी तक दौड़ाते हुए लाए। इस गाड़ी से दोनों को रवाना किया गया। इस दौरान भी ग्रामीण पीछे से उनकी गाड़ी पर पत्थर और डंडे फेंकते रहे। गांव में अभी भारी पुलिस फोर्स तैनात है। मंत्री और विधायक पर हमला करने

वालों की पहचान की जा रही है। पटना में 23 अगस्त को सड़क हादसे में 9 लोगों की मौत हुई थी। इसमें 4 लोग घायल थे। हादसा शाहजहांपुर के दनियावां हिलसा स्टेट हाईवे-4 पर सिगरियावा स्टेशन के पास हुआ। ट्रक-ऑटो में हुई आमने-सामने की टक्कर में 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 2 ने अस्पताल में दम तोड़ा। मरने वालों में 8 महिलाएं और ऑटो ड्राइवर शामिल हैं। मृतकों में मां-बेटी भी थी। दनियावां थाना अध्यक्ष ने बताया, मृतक नालंदा जिले के हिलसा के मलावा के रहने वाले थे।प्रत्यक्षदर्शी राजीव रंजन ने बताया था, 'सुबह साढ़े बजे के आसपास की घटना है। ट्रक वाले ने ऑटो को जोरदार टक्कर मारी। ऑटो से सभी गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। 8 से 9 लोगों की मौत हुई है। 4-5 घायल हैं।' हादसा सीमेंट फैक्ट्री के पास हुआ। स्थानीय लोगों ने बताया कि ट्रक सीमेंट फैक्ट्री का ही था। हादसे के बाद ट्रक कंपनी के अंदर चला गया। गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया था। मौके पर फैक्ट्री संचालक को बुलाने की मांग की थी।हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई थी। सड़क पर लाशें पड़ी थी, और उससे लिपटकर परिजन रोए जा रहे थे। को ई सिर पीट रहा, कोई छाती। टक्कर के बाद ऑटो के परखच्चे उड़ गए। गाड़ी से खून रिस कर सड़क पर फैल गया। सड़क किनारे कुछ महिलाओं की लाश पड़ी थी। सड़क पर मृतकों के सामान, चप्पलें बिखरी पड़ी थीं।हिलसा विधायक कृष्ण मुरारी ने कहा था, 'पास में ही अल्ट्राटेक फैक्ट्री है। सड़क का सबसे अधिक फायदा उन्हें ही मिलता है। सड़क के दोनों तरफ होटल बनने से यहां अक्सर हादसे होते रहते है।' 'जिस ट्रक से हादसा हुआ है वो फैक्ट्री के अंदर लगा है। फैक्ट्री पर भी जुर्माना लगाया जाए, और उस राशि को पीड़ित परिवार को देना चाहिए।'मृतक और घायल सभी नालंदा के हिलसा थाना क्षेत्र के रहने वाले थे। नालंदा से गांव की महिलाएं तीज पर्व को लेकर गंगा स्नान करने ऑटो से फतुहा के त्रिवेणी जा रही थीं। मृतक के परिजनों को हिलसा एसडीएम अमित कुमार पटेल ने तत्काल 20 हजार रुपए का चेक दिया था।

माताओं बहनों ने पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान का बिडा उठायाः संदीप मिश्रा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मंगलवार को जनपद में पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान धीरे-धीरे अब बृहद रूप लेता जा रहा है। 'पेड़ है तो प्राण है' अभियान के तहत लगातार पर्यावरण संरक्षण के लिए वृक्षारोपण किया जा रहा है। इसी क्रम में आज रॉबर्ट्सगंज विधानसभा401 के कोन, विरधी क्षतेहरी में वृक्षारोपण किया गया साथ ही उपस्थित तीज व्रत धारी माताओं बहनों में सैकड़ो पौधों का भी वितरण किया गया सभी मातृ शक्ति ने कहा कि जैसे अपने पति की सेवा करती है वैसे ही इन पेड़ो की सेवा करेन्गी क्योंकि पेड़ हैं तो प्राण हैं अभियान के संयोजक संदीप मिश्रा लगातार जनपदवासियों के साथ मिलकर इस अभियान को आगे बढ़ा रहे हैं। धीरे-धीरे यह अभियान और बृहद होता जा रहा है। संदीप मिश्रा ने बताया कि पौधे ही हमारे प्राणवायु हैं यदि आज हम वृक्ष लगाते हैं तो हमारे आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ वातावरण मिल सकेगा। केवल वृक्ष लगाना ही कार्य नहीं है वृक्षों को सुरक्षित करना उनकी देखभाल करना भी हमारी जिम्मेदारी है। इस अभियान के तहत रॉबर्ट्सगंज विधानसभा में अभी तक अनेकों जगह पौधारोपण किया जा चुका है। देवरी में प्रधान आनन्द पटेल के माता के देहावसान पर शोक संवेदना व्यक्त कर स्वर्गीय माता भागमनी देवी पटेल के स्मृति में पेड़ लगाया गया व साथ ही इन पौधों को बचाने का लोगों को संकल्प भी दिला रहे हैं। काफी संख्या में लोग भी अब इस अभियान में बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ जुड़ रहे हैं। आज के वृक्षारोपण में सहित सैकड़ों लोगों ने पौधारोपण किया और वृक्षों को बचाने का संकल्प लिया व तेतरा देवी सगीता चौहान चौहान बरमतिया फुलवती व पिन्की व सैकड़ों ग्रामीण रहे ग्रामीणों में सैकड़ों पेड़ वितरित भी किया गया।

बारावफात एवं गणेश चतुर्थी को पीस कमेटी बैठक आयोजित,सीओ घोरावल ने बैठक में दोनों धर्मों के लोगों से शांति व्यवस्था बनाए रखने की अपील

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शाहगंज थाना परिषद में बुधवार को घोरावल का राहुल पांडेय के नेतृत्व में आगामी त्योहार बारावफात एवं गणेश चतुर्थी को लेकर पीस कमेटी की बैठक की आयोजित। वहीं सीओ राहुल पांडेय ने बताया कि शांति एवं सौहार्द बनाए रखने की अपील की गई. सभी धार्मिक आयोजनों को निर्धारित मार्ग व समय के अनुसार सम्पन्न करने हेतु दिशा-निर्देश दिए गए। डीजे, जुलूस, लाउडस्पीकर आदि के प्रयोग में निर्धारित समयावधि एवं मानकों का पालन करने के निर्देश दिए गए। कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु थाना स्तर पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने की जानकारी दी गई। किसी भी प्रकार की अफवाह या भ्रामक सूचना से बचने तथा कोई समस्या होने पर सीधे पुलिस को सूचित करने की अपील की गई। पीस कमेटी में उपस्थित समस्त नागरिकों ने पुलिस प्रशासन को सहयोग का पूर्ण आश्वासन दिया एवं आपसी भाईचारे से त्योहार मनाने की सहमति व्यक्त की। वहीं क्षेत्राधिकारी द्वारा यह भी कहा गया कि किसी भी प्रकार की कानून-व्यवस्था की स्थिति उत्पन्न करने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की जाएगी। इस मौके पर थाना प्रभारी शाहगंज जितेंद्र कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

मोबाइल गुमशुदगी पर सोनभद्र पुलिस की बड़ी कार्यवाही,सीईआईआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों के आधार पर 03 मोबाइल बरामद, मोबाइल स्वामियों को किए गए सुपुर्द

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र, अशोक कुमार मीणा के निर्देशन में जनपद सोनभद्र में गुमशुदा मोबाइल फोन की बरामदगी हेतु CEIR पोर्टल पर प्राप्त शिकायती प्रार्थना पत्रों पर प्रभावी कार्यवाही करते हुए एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक (आप0) श्री त्रिभुवननाथ त्रिपाठी के पर्यवेक्षण एवं क्षेत्राधिकारी दुद्धी श्री राजेश कुमार राय के कुशल नेतृत्व में, थानाध्यक्ष म्योरपुर श्री कमल नयन दूबे तथा उनकी टीम द्वारा सराहनीय कार्य करते हुए आज दिनांक 27.08.2025 को कुल 03 मोबाइल फोन सकुशल बरामद कर, उन्हें उनके मालिकों को सुपुर्द किया गया। मोबाइल फोन की बरामदगी से सम्बन्धित समस्त कार्यवाही कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए की गई। पीड़ित व्यक्तियों ने मोबाइल फोन वापस मिलने पर पुलिस विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। बरामद मोबाइल स्वामियों का विवरण इस प्रकार हैः- 1- प्रभात कुमार गुप्ता पुत्र श्री विनोद कुमार गुप्ता निवासी म्योरपुर, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र। 2- जवाहर लाल पुत्र श्री रामलाल निवासी करहिया, थाना म्योरपुर, जनपद सोनभद्र। 3- विश्वनाथ पुत्र श्री कोदू निवासी घिवही, थाना विण्ढमगंज, जनपद सोनभद्र। पुलिस टीम का विवरण- 1.थानाध्यक्ष कमल नयन दूबे थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र। 2.का0 अनिल कुमार थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र। 3.का0 प्रेमप्रकाश थाना म्योरपुर जनपद सोनभद्र। सोनभद्र पुलिस आम जनता से यह अपील करती है कि मोबाइल गुम होने की स्थिति में तत्काल निकटतम थाना अथवा CEIR (Central Equipment Identity Register) पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराएं, जिससे समय रहते कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

सोनभद्र के ऐतिहासिक,आध्यात्मिक, पौराणिक, एवं सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण हेतु गुप्त काशी विकास परिषद की विशेष पहल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। काशी, चंदौली, मिर्जापुर, भदोही, प्रयागराज व सोनभद्र के विद्वत् सदस्यगण, चिकित्सक गण,व्यवसायी गण,शोधकर्ता गण,चिंतक गण,समाजिक कार्यकर्ता गण द्वारा विगत वर्षों की भांति गुप्त काशी विकास परिषद, काशी कथा न्यास एवं उत्तर प्रदेश लोक एवं जनजाति संस्कृति संस्थान संस्कृति विभाग लखनऊ उत्तर प्रदेश सरकार के संयुक्त तत्वाधान में ' गुप्तकाशी तीर्थायन यात्रा 2025' संपन्न हुई। तीर्थायन यात्रा के संरक्षक पंडित पारसनाथ मिश्रा ने कहा की यह क्षेत्र पौराणिक व वैदिक काल से मानव सभ्यता के विकास में अपना योगदान दर्ज कराने वाले भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता पर आधारित है यहाँ ऐतिहासिक, पौराणिक, सांस्कृतिक विंध्य पर्वत की श्रृंखला में स्थित विंध्य क्षेत्र का पृष्ठ भाग जिसका सोनगंगा सीमांकन करती, देव ऋषियों की तपोभूमि सिद्ध पीठ अवस्थित है और सोन घाटी,सोन माटी अपने सुंदरता, मनोरमता ,ऊर्जा ,खनिज संपदा से परिपूर्ण,पर्यटन के सौंदर्यता के दृश्य के लिए भी विख्यात है। तीर्थायन यात्रा के संयोजक डॉ अवधेश दीक्षित ने कहा कि सोनभद्र (गुप्त काशी) के नाम से विख्यात तथा वनवासी बाहुल्य है में इस वर्ष भी'तीर्थायन यात्रा' काशी हिंदू विश्वविद्यालय के सिंह द्वार से सोनभद्र,वनवासी विकासोन्मुख अर्थात यहाँ के रहन-सहन, खान-पान, पर्व त्यौहार, संस्कृति सभ्यता के प्रचार प्रसार हेतू आयोजित किया जा रहा है हम दोनों संस्थाओं के साथ 'उत्तर प्रदेश लोक एवं संस्कृति संस्थान,संस्कृति विभाग लखनऊ उत्तर प्रदेश सरकार ' को शामिल करते हुए ' गुप्तकाशी तीर्थायन' यात्रा सम्पन्न हो रही है। तीर्थायन यात्रा के आयोजक गुप्तकाशी विकास परिषद के अध्यक्ष पंडित आलोक चतुर्वेदी ने कहां की मैं धन्य हुआ इस गुप्तकाशी के धन्य धरा पर, मेरा भी जन्म हुआ सोनभद्र भारत का एकमात्र जिला है जो मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ झारखंड और बिहार के चार राज्यों से सटा है।सोनभद्र जिला एक औद्योगिक क्षेत्र है और इसमें बॉक्साइट, चूना पत्थर, कोयला, सोना आदि जैसे बहुत सारे खनिज हैं। सोनभद्र को भारत की ऊर्जा राजधानी कहा जाता है. यात्रा में प्रो. प्रदीप कुमार मिश्रा पूर्व कुलपति अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी लखनऊ ने कहा कि काशी से गुप्त काशी की यात्रा प्रारंभ करने के पीछे का यह स्पष्ट मकसद है कि धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण रामायण और महाभारत के साक्ष्य के आधार पर, यहां मिले हुये सांस्कृतिक प्रतीक हैं।यह जिला 11 वीं से 13 वीं शताब्दी के दौरान दूसरी काशी के रूप में प्रसिद्ध यहां की संपूर्ण सभ्यता रहन-सहन पूजा पाठ काशी आधारित है.इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के निदेशक डॉक्टर अभिजीत दीक्षित ने कहा गुप्तकाशी' नाम, जिसका अर्थ है 'छिपा हुआ बनारस', महाभारत के महाकाव्य से इसके संबंध को दर्शाता है, जहाँ युद्ध के बाद पांडवों द्वारा भगवान शिव के प्रथम दर्शन यहीं हुए थे। प्रो. सिद्धनाथ उपाध्याय पूर्व निदेशक आईआईटी बीएचयू ने कहा गुप्तकाशी के प्राकृतिक वैभव के बीच छिपे हुए आश्चर्यों का खजाना है, जो आपकी खोज का इंतजार कर रहा है। पवित्र तीर्थस्थल से इसकी निकटता के अलावा, यहाँ कई अन्य दर्शनीय स्थल भी हैं।यहाँ के शिव मंदिर प्राचीन किंवदंतियों, शांत परिदृश्यों और आध्यात्मिक ज्ञान की एक दुनिया है, जिसे खोजा जाना बाकी है। गुप्तकाशी के हर कोने में एक कहानी छिपी है, जो भारत की सांस्कृतिक विरासत की समृद्ध झलक पेश करती है। जगदीश प्रदर्शन वनवासी समाज ने व लोकगीत का गायन संस्कृति विभाग से आयी गायिका रजनी तिवारी ने प्रस्तुत किया तत्पश्चात सहभोज कार्यक्रम संपन्न हुआ वहां से यात्रा प्रारंभ होकर चेरुई के रास्ते मारकुंडी होते हुए गणपती महाराज इको पॉइंट, व वीर लोरीक होते हुए सर्किट हाउस पहुंची तत्पश्चात गुप्तकाशी से काशी के लिए रवाना हो गई.यात्रा में पंडित आलोक चतुर्वेदी अध्यक्ष गुप्त काशी विकास परिषद, डॉक्टर अवधेश दीक्षित अध्यक्ष काशी कथा न्यास,प्रो.सिद्धनाथ उपाध्याय पूर्व निदेशक आईआईटी बीएचयू, प्रो.प्रदीप कुमार मिश्रा पूर्व कुलपति अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी लखनऊ,धनंजय पाठक विभाग बौद्धिक प्रमुख राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ,मृत्युंजय मालवीय संयोजक तीर्थायन,डॉ अनिल गुप्ता चिकित्साधिकारी वाराणसी, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के निदेशक डॉक्टर अभिजीत दीक्षित, प्रो चन्दना रथ, डॉ भानुमति मिश्रा, डॉ वन्दना चौबे, डॉ रिया द्विवेदी,डॉ धर्मेंद्र मिश्रा, डॉ अजय सुमन शुक्ला, डॉ प्रदीप कुमार जायसवाल, डॉ अनिल गुप्ता, डॉ रेनू गुप्ता,डॉ चित्राली अग्रवाल, विजय त्रिपाठी,भास्कर मिश्रा (नेपाल),डॉ बृजेश पांडेय (बक्सर),धर्मेन्द्र जी,अजय सुमन जी मथुरा,विजय त्रिपाठी रोटरी क्लब, चित्राली जी भारत विकास परिषद की अध्यक्ष सहित विविध क्षेत्रों के 200 गणमान्य लोग शामिल रहे. विशेषड'गुप्तकाशी में पहली बार दिखा कई सांस्कृतिक संस्थानो का जमावड़ा' गुप्तकाशी तीर्थायन यात्रा में गुप्तकाशी विकास परिषद, काशी कथा न्यास,काशी कथा आश्रम, संस्कृति विभाग लखनऊ उत्तर प्रदेश सरकार, भारत अध्ययन केंद्र काशी हिंदू विश्वविद्यालय, भोजपुरी अध्ययन केंद्र काशी हिंदू विश्वविद्यालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र क्षेत्रीय इकाई वाराणसी, तीर्थायन वाराणसी, अंतर्राष्ट्रीय घाट वाक विश्वविद्यालय, रोटरी क्लब, भारत विकास परिषद,वाराणसी सांस्कृतिक संगठन हुए शामिल इस बार इस यात्रा में विश्व के तीन राष्ट्र,भारत के चार राज्य,उत्तर प्रदेश के 12 जिले के लोग शामिल हुए. पंथी संरक्षक गुप्त काशी विकास परिषद ने कहा की प्राचीन परंपराओं और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षक के रूप में, गुप्तकाशी पिछली पीढ़ियों की स्थायी आस्था और भक्ति का प्रमाण है। गुप्तकाशी की खूबसूरत दुनिया में कदम रखें, जहाँ कालातीत स्मारक एक समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के रूप में खड़े हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग बौद्धिक प्रमुख धनंजय पाठक ने कहा कि गुप्तकाशी में प्राकृतिक सुंदरता के समस्त रूप विराजमान हैं यहां रेगिस्तान की तरह दिखने वाला सोन नदी की बालू का क्षेत्र है तो उत्तराखंड की तरह दिखने वाली पहाड़ियां भी विराजमान है किसनो की कृषि को समृद्ध करने वाले कृषि भूमि भी है. इस बार तीर्थायन यात्रा अत्यधिक आकर्षण का केंद्र इसलिए भी बनी रही की संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश सरकार के सहयोग से प्रख्यात राष्ट्रीय भजन गायिका श्रीमती रजनी तिवारी अपने दल बल के साथ संपूर्ण यात्रा में भजन गायन कीर्तन करते हुए चल रही थी। संपूर्ण यात्रा काशी हिंदू विश्वविद्यालय से प्रारंभ होकर के इंजीनियरिंग कॉलेज चुर्क सोनभद्र होते हुए पंचमुखी महादेव मंदिर,धंधरौल बाँध,सहस्त्र शिवलिंग, विजयगढ़ दुर्ग, हनुमान मंदिर, ब्रह्म सरोवर, राम सरोवर, शिव सरोवर, बाबा मत्स्येंद्र नाथ तपस्थली पहुंची जहां पर सोनभद्र के कला संस्कृति का

रोजगार मेला का आयोजन 29 अगस्त को

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जिला सेवायोजन अधिकारी, सोनभद्र ने अवगत कराया है किइ जिला सेवायोजन कार्यालय, सोनभद्र द्वारा जनपद के बेरोजगार अभ्यर्थियों को रोजगार देने के लिए दिनांक 29.08.2025 को प्रातः 10रू00 बजे से जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने), लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में रोजगार मेला का आयोजन किया गया है, जिसमें निजी क्षेत्र की लगभग 16 कम्पनियां प्रतिभाग करेंगी जिसमें स्वीग्गी, बंगलौर, डीसेट्स, फरीदाबाद, एमॉस स्कील ग्रुप, गुड़गाँव (हरियाणा), क्वैस कार्प, नोएडा, कैस्पर माईक्रो क्रेडिट, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, एक्सीस बैंग, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, एस्सार मैन पॉवर, गुड़गाँव, हरियाणा, सोनभद्र डिपो, रावर्ट्सगंज, सोनभद्र में चालक की भर्ती, वङ्का एल0ई0डी0 सोल्यूशन्स प्रा0लि0, राबर्ट्सगंज, सोलेरा इण्डस्ट्रीज प्रा0लि0, मधुपुर, सोनभद्र, एस0 बी0 आई0 कार्ड, वाराणसी, विश्वनाथ इण्टरप्राईजेज (रॉयल इनफिल्ड), राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, क्रेडिट एक्सेस ग्रामीण लि0, रावर्ट्सगंज, सोनभद्र, मीडलैण्ड माइक्रोफीन, रावर्ट्सगंज, सोनभद्र, सिपेट, वाराणसी एवं श्रीराम फाईनेन्स, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र इत्यादि कम्पनियों द्वारा विभिन्न पदों पर भर्तियां की जाएगी। समस्त इच्छुक एवं योग्य बेरोजगार अभ्यर्थियों का साक्षात्कार नियोजकों द्वारा जिला सेवायोजन कार्यालय, खुशबू बाग नर्सरी रोड (जिला अस्पताल के सामने), लोढ़ी, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र के परिसर में लिया जायेगा। यह रोजगार मेला पूर्णतः निःशुल्क है। इस हेतु कोई यात्रा व्यय देय नहीं होगा।

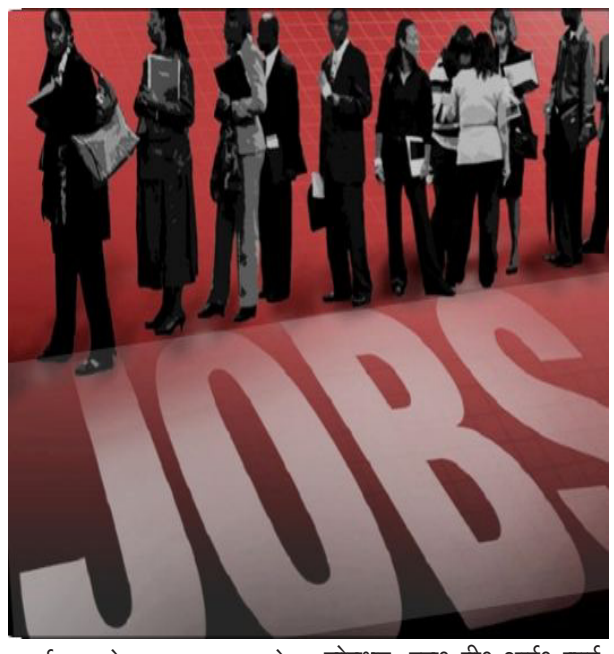

चुर्क नगर में गणेश पूजा समिति द्वारा गणेश पूजा का आयोजन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। आज गणेश चतुर्थी के दिन हर साल कि भांति इस वर्ष भी गणेश पूजा समिति द्वारा चुर्क नगर पंचायत के वार्ड नंबर चार चुर्क बाजार में गणेश जी की स्थापना करते हुए स्थानीय ब्राह्मणों के द्वारा सिद्धिविनायक भगवान गणेश की पूजा धूमधाम से विधिवत पूजा अर्चना करायी गयी जहां सैकड़ो भक्तों ने विघहर्ता मंगल कर्ता गणपति बप्पा से अपने स्वजनों समाज और देश की मंगल की कामना करते हुए आशीर्वाद प्राप्त किया.लोगों में गणेश महोत्सव को लेकर खासा उत्साह देखा गया नगर पंचायत चुर्क के युवक पिछले कई दिनों से पूजा की तैयारी में लगे हुए थे गणेश पूजा समिति के युवकों द्वारा पुजा पंडाल को भव्य एवं आकर्षक साज सज्जा किया गया है जो कि चुर्क नगर पंचायत वासियों की उत्साह को और बढ़ा रहा है पंडाल में स्थापित गणपति बप्पा को भोग लगाया गया.इस दौरान पूरा पंडाल भक्ति गीतों से गुंज्यमान रहा.पूजा समिति के लोगों ने बताया कि गुरुवार को भंडारे का भी आयोजन किया गया है शुक्रवार को हवन पूजन के बाद विसर्जन का कार्यक्रम किया जाएगा.इन दो दिनों में पूरे धूमधाम से पूजा अर्चना करते हुए भजन कीर्तन का भी आयोजन किया जाएगा.जिसमें नगर पंचायत के सभी श्रद्धालु भाग लेगे।

किसानों के लिए खाद आवंटन एवं वितरण की हो उच्चस्तरीय जांच-पू0न0नि0किसान मंच, मंच के किसान खाद के लिए करेंगे जिलाधिकारी का घेराव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। जनपद में खाद की किल्लत का दंश झेल रहे कि किसानों की समस्याओं का लगातार संज्ञान लेते हुए खाद उपलब्ध कराने का प्रयास कर रहे राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी एवं पूर्वांचल नव निर्माण मंच के जिलाध्यक्ष सुमित मिश्रा ने संयुक्त रूप से पीसीएफ गोदाम का बुधवार को दौरा कर खाद की उपलब्धता का हाल जाना। राष्ट्रीय लोक दल के जिला अध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी ने बताया कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री द्वारा लगातार खाद उपलब्ध कराने का प्रयास किसानों के हित में किया जा रहा है लेकिन

जनपद के जिम्मेदार अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। श्रीकांत त्रिपाठी ने कहा कि मुख्य रूप से समितियों के मुख्य अधिकारी एआर सोनभद्र के द्वारा खाद आवंटन के सापेक्ष किसानों में वितरण में मनमानी की गई, किसानों की उपेक्षा करते हुए खुले बाजार से कमीशनखोरी करते हुए एआर द्वारा खाद ऊंचे दाम पर बिकवायी जाती रही। जो जांच का विषय है, श्रीकांत त्रिपाठी ने एआर पर आरोप लगाया कि खाद माफियाओं से साठ-गांठ कर खाद का बंदरबांट करने वाले एआर की भूमिका एवं जनपद में आवंटित खाद के सापेक्ष खाद वितरण की उच्चस्तरीय जांच कराने की जरूरत है। पूर्वांचल नव निर्माण मंच के जिलाध्यक्ष सुमित मिश्रा ने कहा कि यह घोर चिंता का विषय है कि किसानों को खाद के लिए महीनों से संघर्ष करना पड़ रहा है। सुमित मिश्रा ने कहा कि यदि किसानों के लिए खाद की समुचित व्यवस्था नहीं की गई तो हजारों एकड़ फसल बर्बाद होगी और किसान आर्थिक रूप से तबाह हो जायेंगे जनपद के। सुमित मिश्रा ने कहा पूर्वांचल नव निर्माण मंच एवं पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच किसानों के साथ है। यदि शीघ्र खाद की किल्लत का मुकम्मल प्रबंध नहीं किया गया तो जनपद के किसान जिलाधिकारी सोनभद्र का घेराव करने के साथ साथ जनप्रतिनिधियों का भी घेराव करेंगे खाद के लिए।

2,425 मुख्य सेविकाओं एवं 13 फार्मासिस्ट को मिले नियुक्ति पत्र, जिले के 18 नव चयनित मुख्य सेविकाओं को अतिथियों ने दिए नियुक्ति पत्र,पारदर्शी चयन प्रक्रिया से युवाओं को मिल रहा रोजगार- मंत्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत 2,425 मुख्य सेविकाओं एवं 13 फार्मासिस्ट को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम का शुभारंभ बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में राज्य मंत्री समाज कल्याण विभाग संजीव कुमार गौंड़ ने दीप प्रज्जवलित कर किया, इस दौरान मुख्यमंत्री के सम्बोधन का सजीव प्रसारण का किया गया, इस मौके पर प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्यमंत्री सजीव कुमार गौंड़, जिला पंचायत अध्यक्ष राधिका पटेल, मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, सुरेन्द्र मौर्या, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह, सदर ब्लाक प्रमुख अजीत रावत, जिला पंचायत सदस्य मोहन कुशवाहा, अपना दल कार्यकारिणी सदस्य दिनेश बियार, जिला कार्यक्रम अधिकारी विनीत सिंह, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी विद्या देवी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी मुकुल आनन्द पाण्डेय, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, समस्त सी0डी0पी0ओ0 एवं नव चयनित मुख्य सेविकाओं व उनके परिजनों ने मुख्यमंत्री के सम्बोधन को सुना और देखा। इस दौरान प्रदेश सरकार के समाज कल्याण राज्य मंत्री संजीव कुमार गौंड़ ने उपस्थित जनमानस को सम्बोधित करते हुए कहा कि देश के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी व प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी के नेतृत्व में निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया के अन्तर्गत नवयुवक/युवतियों को रोजगार उपलब्ध करा रही है, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 2425 मुख्य सेविकाओं एवं 13 फार्मासिस्टों को नियुक्ति पत्र का वितरण आज प्रदेश के विभिन्न जनपदों में किया जा रहा है, जिसमें जनपद सोनभद्र के 18 नव चयनित मुख्य सेविकाओं को आज नियुक्ति पत्र वितरित किया जा रहा है। निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया का ही परिणाम है कि अति पिछड़े जनपदों के लोगों को भी भर्ती प्रक्रिया के माध्यम से रोजगार मिल रहा है और उनका चयन हो रहा है, यह प्रदेश सरकार की निष्पक्ष एवं पारदर्शी भर्ती प्रक्रिया का ही परिणाम है। आज नव चयनित जिन मुख्य सेविकाओं को नियुक्ति पत्र का वितरण किया गया, इसमें अनामिका सिंह कुशवाहा, नीलम, कुमारी किरन, कुमारी प्रतिभा, कुमारी विद्या, कुमारी सरिता यादव, शालीनी पाण्डेय, कुमारी बबिता मौर्या, हेमलता चन्द्र, कुमारी सुमन मौर्या, साधना, कुमारी जुली, रूबीना परवीन, कुमारी श्रद्धा गुप्ता, नेहा, कुमारी शिवानी, कुमारी चंचला, कुमारी चन्द्रकला पाण्डेय हैं। आयोजित कार्यक्रम के अन्त में मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन ऋचा ओझा डायट प्रवक्ता द्वारा किया गया।

क्या आपको बहुत ज्यादा जम्हाई आती हैः हो सकता है इन 7 हेल्थ प्रॉब्लम्स का संकेत

नयी दिल्ली। जम्हाई लेना हमारे शरीर की एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। यह अक्सर थकान, नींद या बोरियत की वजह से होती है। लेकिन अगर लगातार और बिना

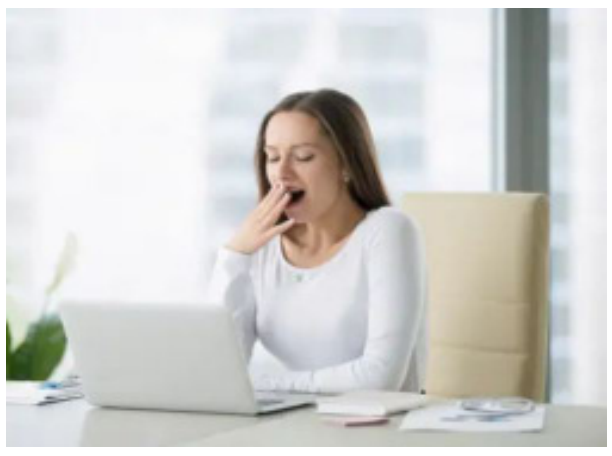

किसी वजह के बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो यह हार्ट डिजीज से लेकर न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर तक किसी अंदरूनी स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकती है। कभी-कभार ऐसा होना तो सामान्य है। लेकिन अगर नियमित रूप से बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो इसे नजर अंदाज नहीं करना चाहिए। हालांकि कुछ आसान उपायों से इससे राहत मिल सकती है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, जम्हाई आराम की भावना से जुड़ी होती है। इसे लंबे समय से बोरियत का संकेत माना जाता रहा है। यह संक्रामक भी है क्योंकि जम्हाई के बारे में देखने, सुनने, पढ़ने या यहां तक कि सोचने से भी जम्हाई आ सकती है। मामले को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. संचयन रॉय, सीनियर कंसल्टेंट, इंटरनल मेडिसिन, अपोलो स्पेक्ट्रा हॉस्पिटल, दिल्ली जी से। सवाल जवाब के

माध्यम से- सवालः जम्हाई क्या है? जवाब- जम्हाई वह प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति अपना मुंह चौड़ा खोलकर गहरी सांस अंदर लेता हैं और फिर छोड़ता है। यह ज्यादातर अनजाने में होती है यानी इसे रोकना मुश्किल होता है। अंग्रेजी में इसे ऑसीटेशन कहा जाता है। एक जम्हाई लगभग 4-7 सेकेंड तक चलती है और इसमें गले, मुंह और चेहरे की मांसपेशियां खिंचती हैं। यह अक्सर थकान, नींद या ऊब के कारण होती है। सवाल- उबासी या जम्हाई आने के क्या कारण हैं? जवाब- इसके कई कारण हो सकते हैं, जो अक्सर शरीर और ब्रेन की जरूरतों से जुड़े होते हैं। नींद की कमी- जब पर्याप्त नींद नहीं मिलती तो शरीर थकान महसूस करता है। इस थकान को दूर करने और शरीर को जगाए रखने के लिए उबासी आती है। मानसिक थकान या बोरियत- जब आप किसी नीरस काम में लगे होते हैं या दिमाग थक जाता है तो उबासी आ सकती है। यह दिमाग को फिर से एक्टिव करने का एक तरीका हो सकता है।ऑक्सीजन की कमी- शरीर में ऑक्सीजन की कमी होने पर भी उबासी आती है ताकि फेफड़ों में ज्यादा हवा भरी जा सके और ब्रेन तक ज्यादा ऑक्सीजन पहुंच सके। संक्रामक उबासी- किसी दूसरे व्यक्ति को उबासी लेते हुए देखने या सुनने पर हमें भी उबासी आ सकती है। यह सामाजिक व्यवहार का एक हिस्सा माना जाता है। कुछ दवाओं के कारण- कुछ खास दवाएं जैसे कि डिप्रेशन या दर्द की दवाएं

है। यह वेगस नर्व के उत्तेजित होने के कारण हो सकता है। न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर- मिर्गी, मल्टीपल स्क्लेरोसिस या ब्रेन ट्यूमर जैसे न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर भी ब्रेन के संकेतों को प्रभावित कर सकती हैं। इससे जम्हाई की प्रक्रिया असामान्य हो जाती है। स्लीप डिसऑर्डर-स्लीप एप्निया के कारण भी बार-बार जम्हाई आ सकती है क्योंकि शरीर को अनिद्रा या दिन के दौरान अचानक आने वाली नींद से जूझना पड़ता है। मेंटल हेल्थ इशू- एंग्जाइटी या स्ट्रेस भी बार-बार जम्हाई का कारण बन सकते हैं क्योंकि शरीर भावनात्मक तनाव पर प्रतिक्रिया करता है। सवाल- किस स्थिति में डॉक्टर की सलाह लेना जरूरी है? जवाब- अगर जम्हाई के साथ कुछ अन्य लक्षण भी हों तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लेनी चाहिए। जैसेकि- सीने में दर्द, चक्कर आना या सांस लेने में दिक्कत होना। कमजोरी, सुन्नता या अचानक संतुलन खोना। धुंधला दिखना, कन्फ्यूजन या बोलने में लड़खड़ाहट होना। गंभीर सिरदर्द या बेहोश होना। सवाल- कौन सी चीजें जम्हाई को ट्रिगर कर सकती हैं? जवाब- थकान, भूख, तनाव और किसी को जम्हाई लेते देखना, ये सभी जम्हाई को ट्रिगर करते हैं। सवाल- जम्हाई लेते वक्त कभी-कभी आंखों से पानी क्यों निकलता है? जवाब- जम्हाई के दौरान चेहरे की मांसपेशियां जोर से खिंचती हैं। जब ये मांसपेशियां खिंचती हैं तो आंखों के पास मौजूद आंसू की ग्रंथियों पर दबाव पड़ता है। इस दबाव के कारण ग्रंथियों से आंसू निकलने लगते हैं। सवाल- अगर जम्हाई ज्यादा आती है तो इससे राहत पाने के लिए क्या करना चाहिए? जवाब- अगर बिना किसी खास कारण के बहुत ज्यादा जम्हाई आती है तो कुछ आसान उपायों से इसे कम कर सकते हैं।सवाल- एक दिन में कितनी बार जम्हाई लेना सामान्य है? जवाब- आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति दिन में 5 से 10 बार जम्हाई लेता है, जिसे सामान्य माना जाता है। हालांकि यह संख्या हर व्यक्ति के लिए अलग हो सकती है। यह समय, थकान, नींद की पर निर्भर है। अगर दिन में 15 मिनट के अंदर 3 से ज्यादा बार जम्हाई आती है या यह इतनी ज्यादा है कि रोजमर्रा के काम में रुकावट आने लगे तो इसे असामान्य माना जा सकता है। सवाल- बहुत ज्यादा उबासी का इलाज कैसे किया जाता है? जवाब- डॉक्टर इसके पीछे के असल कारण का पता लगाकर सही इलाज की सलाह देते हैं। अगर जम्हाई किसी अंदरूनी बीमारी के कारण आ रही है तो डॉक्टर उस बीमारी का इलाज करेंगे। अगर जम्हाई किसी दवा के साइड इफेक्ट के कारण है तो डॉक्टर उस दवा की खुराक कम कर सकते हैं या कोई दूसरी दवा लिख सकते हैं।

हमारा ब्लड प्रेशर लो क्यों होता है? इन 10 संकेतों को कभी न करें नजरअंदाज

नयी दिल्ली। आजकल खराब लाइफस्टाइल के कारण लोगों में हाई और लो ब्लड प्रेशर की समस्या आम होती जा रही है। लो ब्लड प्रेशर को मेडिसिन की भाषा में हाइपोटेंशन और हाई ब्लड प्रेशर को हाइपरटेंशन कहा जाता है। हालांकि कभी-कभार बीपी का थोड़ा ऊपर-नीचे होना सामान्य है। लेकिन अगर यह अक्सर होने लगे तो गंभीर स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, लो ब्लड प्रेशर अक्सर बिना किसी खास लक्षण के होता है। इसलिए यह जानना बेहद जरूरी है कि यह समस्या कब सामान्य है और कब डॉक्टर के पास जाने की जरूरत होती है। तो चलिए, आज फिजिकल हेल्थ कॉलम में हम लो ब्लड प्रेशर के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि- लो ब्लड प्रेशर क्या है और ये किन कारणों से होता है? इस समस्या से कैसे बचा जा सकता है?जब हार्ट खून को पूरे शरीर में पंप करता है तो वह नसों की दीवारों पर दबाव डालता है, जिसे ब्लड प्रेशर कहते हैं। अगर यह दबाव सामान्य से कम यानी 90/60 स्सु (मिलीमीटर ऑफ मर्करी) से नीचे चला जाता है तो उसे लो ब्लड प्रेशर कहते हैं। इस स्थिति में शरीर के अंगों को पर्याप्त मात्रा में ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाता, जिससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधला दिखना और कभी-कभी बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ब्लड प्रेशर की माप में दो संख्याएं होती हैं। सिस्टोलिक (ऊपरी संख्या): जब दिल खून पंप करता है। डायस्टोलिक (निचली संख्या): जब दिल पंप के बाद विश्राम करता है। आमतौर पर एक स्वस्थ व्यक्ति का बीपी लगभग 120/80 स्सु होना चाहिए। जब यह स्तर काफी नीचे चला जाए तो यह शरीर के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। ब्लड प्रेशर बहुत कम होने पर शरीर के अंगों को पर्याप्त

ब्लड और ऑक्सीजन नहीं मिल पाती है। इससे व्यक्ति को चक्कर आना, थकान, धुंधलापन या बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कई बार बैठने या खड़े होने के तुरंत बाद ये लक्षण अचानक महसूस होते हैं। ब्लड प्रेशर लो

होने के पीछे डिहाइड्रेशन और हार्ट संबंधी समस्याएं, हॉर्मोनल असंतुलन और खून की कमी समेत कई कारण शामिल हैं। महिलाओं में प्रेग्नेंसी के दौरान हार्मोनल बदलावों की वजह से भी ब्लड प्रेशर गिर सकता है, जो आमतौर पर डिलीवरी के बाद अपने आप सामान्य हो जाता है। इसके अलावा गर्म मौसम, तनाव, डर या अचानक दर्द जैसी स्थितियां भी अस्थायी रूप से बीपी कम कर सकती हैं।लो ब्लड प्रेशर का इलाज इसके कारण पर निर्भर करता है। आमतौर पर लाइफस्टाइल में बदलाव जैसे ज्यादा पानी पीना, धीरे-धीरे उठना और थोड़ा नमक ज्यादा खाना इसमें मददगार हो सकता है। कुछ मामलों में डॉक्टर दवाएं भी लिख सकते हैं। वहीं अगर कोई दवा बीपी को गिरा रही है तो डॉक्टर उसकी खुराक घटा सकते हैं या दवा बंद कर सकते हैं। लो ब्लड प्रेशर की समस्या से बचने के उपाय लो बीपी से बचने के लिए लाइफस्टाइल और खानपान में कुछ बदलाव जरूरी है। लो ब्लड प्रेशर हमेशा खतरनाक नहीं होता है। कुछ लोगों में यह बिना किसी लक्षण के भी हो सकता है। वहीं अगर इससे अक्सर चक्कर, थकान या बेहोशी जैसे लक्षण दिखें तो यह किसी छिपी हुई स्वास्थ्य समस्या का संकेत हो सकता है।अगर आपको चक्कर आना, कमजोरी, धुंधलापन या बेहोशी जैसा महसूस हो तो तुरंत बैठ जाएं या लेट जाएं। अपने पैरों को ऊपर की ओर उठाएं ताकि दिमाग तक ब्लड फ्लो बढ़ सके। गहरी और धीमी सांस लें, घबराएं नहीं। पानी या इंए पिएं क्योंकि डिहाइड्रेशन भी एक कारण हो सकता है।अगर खाली पेट हैं तो हल्का और जल्दी पचने वाला कुछ खाएं, जैसे बिस्किट या फल। अगर लक्षण बने रहें या बेहोशी जैसा महसूस हो रहा हो तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें। ध्यान रखें कि अगर यह स्थिति बार-बार हो रही है तो इसे मामूली न समझें। यह किसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है, जिसका जांच और इलाज जरूरी है। डॉ. संजीव अग्रवाल बताते हैं कि हां, खाने-पीने की गलत आदतें लो ब्लड प्रेशर को प्रभावित कर सकती हैं। पर्याप्त पानी न पीना, शराब का ज्यादा सेवन और बहुत हल्का या अनियमित भोजन करने से बीपी गिर सकता है। खासकर डिहाइड्रेशन की स्थिति में यह और बिगड़ सकता है। हां, नियमित हल्की एक्सरसाइज जैसे वॉकिंग, योग या स्ट्रेचिंग से ब्लड सर्कुलेशन सुधरता है और लो बीपी कंट्रोल में रह सकता है। लेकिन बहुत तेज या हैवी एक्सरसाइज से बीपी गिर सकता है, इसलिए एक्सरसाइज हमेशा शरीर की क्षमता और डॉक्टर की सलाह के अनुसार ही करें। अगर इसे लंबे समय तक अनदेखा किया जाए तो यह दिमाग, दिल और किडनी जैसे अहम अंगों तक ब्लड और ऑक्सीजन की सप्लाई को प्रभावित कर सकता है। इससे बेहोशी, ऑर्गन फेल्योर या शॉक जैसी गंभीर स्थिति बन सकती है। इसलिए समय रहते सही कारण की पहचान और इलाज कराना बेहद जरूरी है।

अश्विन ने आईपीएल से संन्यास लियाः5 टीम में खेले, 221 मैच में 187 विकेट लिए; रिटायरमेंट पोस्ट में लिखा- अब विदेशी लीग खेलूंगा

नयी दिल्ली। दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने इंडियन

प्रीमियर लीग (आईपीएल) से रिटायरमेंट ले लिया है। उन्होंने मंगलवार को सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी। अश्विन ने लिखा- 'कहते हैं हर अंत एक नई शुरुआत होती है। एक आईपीएल क्रिकेटर के रूप में मेरा समय आज समाप्त हो रहा है, लेकिन कई विदेशी लीग में खेलने का मेरा समय आज से शुरू हो रहा है।' अश्विन आईपीएल 2025 में सीएसके टीम के हिस्सा थे, लेकिन वे ज्यादा मैच नहीं खेले थे। उन्होंने आईपीएल में इस साल आखिरी मैच 20 मई को खेला था। उन्हें टीम से रिलीज किए जाने की भी चर्चाएं चल रही थीं। अश्विन आईपीएल में पांच अलग-अलग टीमों की ओर से खेल चुके हैं।अश्विन ने आगे लिखा- 'इतने सालों की शानदार यादों और रिश्तों के लिए सभी फ्रेंचाइजी का शुक्रिया अदा करना चाहूंगा और सबसे जरूरी आईपीएल और बीसीसीआई का, जो उन्होंने मुझे अब तक मौका दिया है। आगे जो भी है उसका आनंद लेने और उसका पूरा लाभ उठाने के लिए उत्सुक हूं।' अश्विन के नाम 187 आईपीएल विकेट आईपीएल में 221 मैच खेल चुके अश्विन के नाम 187 विकेट (इकोनॉमी रेट 7.29) और 833 रन (स्ट्राइक रेट 118) दर्ज हैं। पिछले सीजन में उन्होंने सीएसके के लिए 9 मैच खेले थे। अश्विन को सीएसके ने मेगा ऑक्शन में 9.75 करोड़ रुपए में खरीदा था, जिससे वह 9 साल बाद अपने होम फ्रेंचाइजी में लौटे थे। 2016 से 2024 के बीच वह दिल्ली कैपिटल्स, पंजाब किंग्स और राजस्थान रॉयल्स के लिए खेले। आईपीएल करियर की शुरुआत उन्होंने सीएसके से ही की थी और 2008 से 2015 तक टीम के साथ रहे। अश्विन ने पिछले साल दिसंबर में बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। उन्होंने 14 से 18 दिसंबर के बीच खेले गए गाबा टेस्ट के बाद रिटायरमेंट का ऐलान किया था। वे कप्तान रोहित शर्मा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहुंचे था। ?उन्होंने कहा था, आज भारतीय टीम के क्रिकेटर के तौर पर मेरा अंतिम दिन था। मैं क्लब क्रिकेट खेलता रहूंगा। अश्विन ने तीनों फॉर्मेट मिलाकर 287 मैच खेले और 765 विकेट लिए। अश्विन भारत के दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ अनिल कुंबले हैं, जिन्होंने 953 विकेट लिए हैं।

सिफ्ट कौर समरा ने 50 मीटर राइफल में गोल्ड जीता, टीम इवेंट में भी भारत को मिला सोना

नयी दिल्ली। ओलिंपियन सिफ्ट कौर समरा ने कजाकिस्तान के शिमकेंट में खेले जा रहे 16वीं एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में मंगलवार को विमेंस 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन (3पि) में गोल्ड मेडल जीता। सिफ्ट कौर का एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में यह पहला गोल्ड है। इसके अलावा टीम इवेंट में भी भारत को गोल्ड मिले। वहीं, भारत के जूनियर खिलाड़ियों ने भी प्रतियोगिता के नौवें दिन गोल्ड, दो सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल जीते, जिनमें चार टीम गोल्ड शामिल हैं। सिफ्ट कौर ने 459.2 स्कोर किया सिफ्ट ने अपने अनुभव और स्टैंडिंग पोजीशन में शानदार प्रदर्शन के दम पर फाइनल में 459.2 का स्कोर बनाया और चीन की युवा खिलाड़ी यांग युजी को 0.4 अंक से पछाड़ दिया। सिफ्ट पहले नीइंग (घुटने टेककर) पोजीशन में सातवें स्थान पर थीं, लेकिन बाद में उन्होंने शानदार वापसी की। सिफ्ट ने प्रोन (लेटकर) पोजीशन के अंत में चौथा स्थान हासिल किया और फिर स्टैंडिंग पोजीशन में शानदार प्रदर्शन करते हुए चौथे शॉट में 10.7 और पांचवें शॉट में 10.8 स्कोर के साथ बढ़त बना ली। 37वें शॉट में यांग ने 10.9 स्कोर के साथ सिफ्ट को एक शॉट के लिए पीछे छोड़ा, लेकिन सिफ्ट ने आखिरी शॉट में 10.0 स्कोर के साथ गोल्ड पक्का किया।

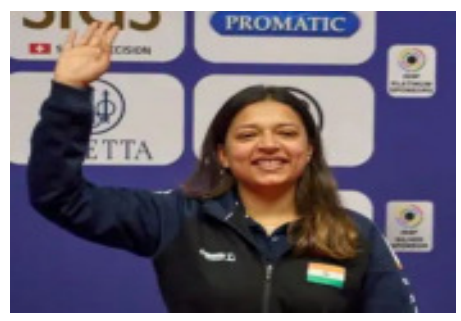

स्टैंडिंग पोजीशन में सिफ्ट ने 15 में से 11 शॉट्स में 10 से ज्यादा का स्कोर बनाया, जबकि यांग ने आठ बार ऐसा किया। सिफ्ट ने न केवल इंडिविजुअल गोल्ड जीता, बल्कि आशी चौकसे (586) और अंजुम मौदगिल (578) के साथ मिलकर महिला 3इ टीम इवेंट में भी गोल्ड मेडल जीता। भारतीय टीम ने कुल 1753 का स्कोर बनाया, जो चीन की टीम से तीन अंक ज्यादा था। सिफ्ट ने क्वालिफिकेशन में 589 के स्कोर के साथ पहला स्थान हासिल किया, जबकि आशी चौकसे चौथे स्थान पर रहीं और फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं। जूनियर महिला 3इ में अनुष्का ठोकुर ने 460.7 के स्कोर के साथ गोल्ड मेडल जीता, जो कोरिया की सेही ओह से पांच अंक ज्यादा था। भारत की महित संधु और प्राची गायकवाड़ फाइनल में क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहीं। क्वालिफिकेशन में प्राची ने 588 स्कोर के साथ पहला, महित ने 587 के साथ दूसरा और अनुष्का ने 583 के साथ चौथा स्थान हासिल किया। इन तीनों ने मिलकर 1758 के स्कोर के साथ टीम गोल्ड भी जीता। जूनियर पुरुष 25 मीटर रैपिड फायर पिस्टल में समीर गुलिया ने फाइनल में 21 स्कोर के साथ ब्रॉन्ज मेडल जीता। क्वालिफिकेशन में उनका स्कोर 576 था। कोरिया के जियोंवू सन ने गोल्ड और कजाकिस्तान के किरिल सुकानोव ने सिल्वर जीता। भारत के सूरज शर्मा और अभिनव चौधरी क्रमशः पांचवें और छठे स्थान पर रहे। इन तीनों ने 1724 के स्कोर के साथ टीम गोल्ड जीता। जूनियर ट्रैप महिला वर्ग में सबीरा हारिस ने 39 स्कोर के साथ गोल्ड और अद्या कात्याल ने 38 स्कोर के साथ सिल्वर जीता। भव्या त्रिपाठी छठे स्थान पर रहीं। इन तीनों ने 324 के स्कोर के साथ टीम गोल्ड भी हासिल किया। जूनियर पुरुष ट्रैप में आर्यवंश त्यागी ने फाइनल में 40 स्कोर बनाया, लेकिन शूट-ऑफ में कजाकिस्तान के निकिता मोइसेयेव से हारकर सिल्वर मेडल जीता। लेबनान के घस्सान बाकलिनी ने ब्रॉन्ज जीता। आर्यवंश ने अर्जुन और उद्धव सिंह राठौर के साथ मिलकर 106 के स्कोर के साथ टीम गोल्ड भी जीता।

मानसून में कार-बाइक चलाते हुए सावधानः बारिश में बढ़ता एक्सीडेंट का रिस्क, ये 6 गलतियां न करें, 11 जरूरी सावधानियां

नयी दिल्ली। बारिश का मौसम तपती गर्मी से राहत देता है। लेकिन यह सड़क पर सफर को काफी चुनौतीपूर्ण बना देता है। बारिश के दौरान सड़कों पर पानी और कीचड़ जमा हो जाता है, जो कई बार वाहन चालकों के लिए खतरा बन जाते हैं। ऐसे में मानसून के दिनों में वाहन चलाते समय अतिरिक्त सतर्कता और सावधानी बरतना बेहद जरूरी है। हम बात करेंगे कि बारिश के दौरान वाहन चलाना क्यों रिस्की हो जाता है। सड़कों पर जमी धूल-मिट्टी बारिश के बाद एक फिसलन भरी परत में बदल जाती है। ऐसे में वाहन के फिसलने का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। साथ ही भीगी सड़कों पर ब्रेक लगाने के लिए सामान्य से अधिक दूरी की जरूरत होती है। इस दौरान अचानक ब्रेक लगाना खतरनाक साबित हो सकता है। तेज बारिश के दौरान विजिबिलिटी बेहद कम हो जाती है। वहीं सड़कों पर जलभराव के कारण गड्ढे नजर नहीं आते। इससे वाहन का बैलेंस बिगड़ सकता है या फिर पानी में फंस सकता है।अपनी और सड़क पर चलने वाले अन्य लोगों की सुरक्षा के लिए मानसून के दौरान वाहन चलाने से पहले उसके कुछ पार्ट्स की जांच जरूर कराएं। जैसेकि- बारिश में फिसलन भरी सड़कों पर सुरक्षित ड्राइविंग के लिए टायर की पकड़ यानी ग्रिप अच्छी होनी चाहिए। इसके लिए टायर का ट्रेड कम-से-कम 3एमएम होना चाहिए। घिसे हुए टायर फिसलन का खतरा बढ़ा देते हैं। साथ ही हर बार वाहन चलाने से पहले टायर प्रेशर भी जरूर चेक कराएं।फिसलन भरी सड़कों पर वाहन की ब्रेकिंग क्षमता कमजोर हो जाती है। ऐसे में अगर वाहन का ब्रेक सिस्टम पहले से ही खराब है तो हादसे का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए मानसून से पहले ब्रेक पैड, डिस्क और ब्रेक ऑयल की स्थिति की अच्छी तरह जांच करवाएं।भारी बारिश में विजिबिलिटी कम हो जाती है। इसे बनाए रखने के लिए अच्छे और

तेज वाइपर होने चाहिए। घिसे या पुराने वाइपर तुरंत बदल दें।एक्सीडेंट के खतरे से बचने के लिए कम विजिबिलिटी में भी दूसरों को दिखना और दूसरों को देखना दोनों जरूरी है। इसके लिए बारिश से पहले हेडलाइट, टेललाइट और इंडिकेटर जरूर चेक कराएं।कार की विंडशील्ड पर धुंध जमने से विजिबिलिटी कम हो जाती है। इसलिए मानसून से पहले डिफॉगर और एयर कंडीशनिंग सिस्टम को पूरी तरह से फिट रखें।बारिश में वाहन चलाने के दौरान छोटी सी भी लापरवाही बड़े हादसे का कारण बन सकती है। ऐसे में चाहे आप कार चला रहे हों या बाइक, इस मौसम में सतर्क रहना जरूरी है।भीगी सड़कों पर तेज रफ्तार से वाहन चलाना बेहद खतरनाक हो सकता है। बारिश में टायरों की पकड़ कम हो जाती है, जिससे अचानक ब्रेक लगाने पर वाहन फिसल सकता है या कंट्रोल खो सकता है। इसलिए बारिश में हमेशा अपनी स्पीड कम रखें और सामने वाले वाहन से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।अचानक ब्रेक लगाने या तेजी से स्टीयरिंग घुमाने से वाहन स्किड कर सकता है, खासकर जब सड़क पर पानी जमा हो। इसलिए हल्के और धीरे-धीरे ब्रेक लगाएं और मोड़ों पर सावधानी से स्पीड कम करें।बारिश में वाहन चलाते समय जब पता न हो कि पानी कितना गहरा है तो जलभराव वाले रास्तों से गुजरने की कोशिश न करें। गहरे पानी में वाहन बंद हो सकता है, इंजन में पानी जा सकता है या आप कंट्रोल खो सकते हैं। इसके लिए अगर संभव हो तो वैकल्पिक रास्ता चुनें।कम विजिबिलिटी में खासकर भारी बारिश या कोहरे में, हेडलाइट्स का इस्तेमाल करना बेहद जरूरी है। सिर्फ यह आपको रास्ता देखने में मदद नहीं करता, बल्कि यह सुनिश्चित करता है कि अन्य ड्राइवर आपको देख सकें। फॉग लाइट्स हों तो उनका भी इस्तेमाल जरूर करें।बारिश में ओवरटेक करना बहुत जोखिम भरा हो सकता है। भीगी सड़क और कम विजिबिलिटी में सही निर्णय लेना मुश्किल हो सकता है। इसलिए ओवरटेक करने की जल्दबाजी न करें और अन्य वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें।वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल हमेशा खतरनाक होता है। लेकिन मानसून में यह और भी ज्यादा जोखिम भरा हो जाता है। इसलिए ड्राइविंग के दौरान फोन का इस्तेमाल करने से बचें और अपना पूरा ध्यान सड़क पर रखें। हमेशा याद रखें, सावधानी हटी, दुर्घटना घटी।बारिश में पैदल सड़क पर निकलते समय कुछ अतिरिक्त सावधानियां बरतनी चाहिए। जैसेकि- बारिश से बचने के लिए छाता या रेनकोट का इस्तेमाल करें। बाहर निकलते समय चमकदार या गहरे रंग के रंग के कपड़े पहनें। ऐसे जूते पहनें, जो फिसलन और पानी से बचा सकें। काले रंग के छाते की बजाय चमकदार रंग का छाता चुनें, जो दूर से ही नजर आए। अगर फुटपाथ पर पानी जमा है तो धीरे चलें और हर कदम सावधानीपूर्वक रखें। अगर सड़क पर पानी जमा है और आपको गहराई का अंदाजा नहीं है तो उस रास्ते से बचें। पानी भरे रास्तों पर चलते समय वाहनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। हमेशा बिजली के खंभों और तारों से दूरी बनाए रखें। जब सड़क पार कर रहे हों तो अतिरिक्त सावधानी बरतें। चलते समय मोबाइल फोन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें।

उपचार में दवाओं के बजाय हमदर्दी तेजी से काम करती है

मुझे याद तक नहीं कि कितनी बार मैं झुकी-सी कमर और थकान वो धैर्य था, जो वह मरीज की बात देना शुरु किया और फिर इसमें

के साथ नागपुर के हमारे पारिवारिक चिकित्सक स्वर्गीय डॉ. हरिदास की डिस्पेंसरी में गया था। लेकिन मुझे यह याद है कि इसमें से 90 फीसदी दफा मैं उसी डिस्पेंसरी से महज 20 मिनट में सीधी कमर के साथ मुस्कराता और कूदता हुआ बाहर निकला। सबसे पहले डॉक्टर मेरे सिर पर हाथ फेरते। फिर मुझसे जीभ बाहर निकालने के लिए कहते और टॉर्च से इसके भीतर ऐसे देखते, जैसे मैं वहां कुछ छिपा रहा हूं। फिर वह अपने स्टेथोस्कोप से मेरे दिल और फेफड़ों की जांच करते। वह अपने साफ सुथरे मैनिक्योर किए हाथों से मेरी कलाई पकड़ते और उस समय में मुझसे कुछ ऐसी बातें करते रहते, जिनका मेरी बीमारी से कोई लेना-देना नहीं होता था। वह पूछते कि मैंने आज क्या खाया, कौन-सा विषय मेरे लिए बहुत कठिन है या सरल है। कौन-सा शिक्षक मुझे सबसे ज्यादा पसंद है इत्यादि। अंततः वो मुझे एक गोली देकर इसे अपने सामने ही खाने के लिए कहते, इस भरोसे के साथ कि 'ये गोली तुम्हारे भीतर एक जादू करेगी। तुम यहां से 10 मिनट में ही नाचते-कूदते चले जाओगे।' मैं कभी महसूस ही नहीं कर पाया कि मेरी बीमारी ठीक होने के जादू का कारण उनकी दी हुई गोली नहीं थी, बल्कि उनके जादुई शब्द और बात है, जो राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने इस सोमवार एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 'एक दयालु डॉक्टर सिर्फ दवाओं से नहीं, बल्कि अपने व्यवहार से भी उपचार करता है। सहानुभूति भरी देखभाल मरीज की रिकवरी को तेज करती है। एक डॉक्टर का धैर्य और समर्पण समाज के लिए एक आदर्श स्थापित करता है।' उन्होंने चिकित्सा को महज एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सच्ची सेवा करार दिया। राष्ट्रपति ने समारोह में ग्रेजुएशन कर रहे विद्यार्थियों को डिग्री और मेडल प्रदान किए और इस ऐतिहासिक आयोजन का हिस्सा बनने पर प्रसन्नता व्यक्त की। जैसे राष्ट्रपति ने जिक्र किया, वैसे सैंकड़ों चिकित्सक देश में हैं और उनमें से एक स्वर्गीय डॉ. वी बालासुब्रमणियम मुझे अच्छी तरह से याद हैं, जो '20 रुपए वाला डॉक्टर' के नाम से मशहूर थे। एक ऐसा व्यक्ति जो गरीबों के लिए भगवान था। नवंबर 2016 में तमिलनाडु के कोयंबटूर में उनके घर और डिस्पेंसरी की गलियों में लोगों का हुजूम उमड़ पड़ा था, जो अपने प्यारे '20 रुपए वाले डॉक्टर' को श्रद्धांजलि देने आए थे। उन्होंने कभी भी अपने मरीजों से उपचार के लिए 20 रुपए से अधिक फीस नहीं ली। पहले उन्होंने अपने मरीजों को महज 2 रुपए में परामर्श करते रहे। 2014 तक भी वह मरीज से महज 10 रुपए ही लेते थे। देश में आज भी उनके जैसे कई सारे चिकित्सक हैं। डॉ. एस. एम. जियाउर्रहमान जब दिल्ली के एक बेहद प्रतिष्ठित निजी अस्पताल में कार्यरत थे, तो उनके पास बिहार के खगड़िया से एक बेहद गरीब मरीज आया। जियाउर्रहमान स्वयं भी वहीं के रहने वाले थे। मरीज अपने उपचार के लिए करीब 1200 किलोमीटर की यात्रा कर उनके पास पहुंचा। इसी के कारण वह दिल्ली की अपनी मोटी तनख्वाह वाली नौकरी छोड़ कर अपने गृह नगर में सिर्फ 50 रुपए में मरीजों का इलाज करने के लिए प्रेरित हुए। पिछले 35 वर्षों से बिहार के बरबीघा गांव के डॉ. रामानंद सिंह, पटना के डॉ.एजाज अली, आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले की डॉ. नूरी परवीन, कर्नाटक के डॉ. शंकरे गौड़ा इतनी कम फीस लेते हैं, जिसमें सड़क किनारे की गुमठी से एक कप चाय भी नहीं खरीदी जा सकती। लेकिन जब हम देश के सरकारी अस्पतालों के गलियारों में मदद के लिए गूंजती मरीजों की करुण पुकार सुनते हैं तो ये डॉक्टर चिकित्सकीय उपचार मुहैया कराते ?हैं। फंडा यह है कि शायद ये चिकित्सक जानते हैं कि एक प्रगतिशील राष्ट्र के लिए स्वस्थ आबादी कितनी जरूरी है। और इसीलिए वे हमदर्दी से इतने भरे हुए हैं।

जीवन रुकता नहीं, लेकिन सुरक्षा के लिए थोड़ा ठहरना होगा

हमारे आसपास का जीवन बहुत असुरक्षित हो गया है। महामारी से उबरी दुनिया ने यह नहीं सोचा होगा में सेफ्टी के मूल्य को संस्थाएं टॉप मोस्ट मूल्य बनाएं। क्योंकि बैलेंस पुल गिर गए, रेल हादसे भी हुए। ऐसे में एक व्यक्ति के लिए जीवन

कि हवाई जहाज की यात्रा लगातार डरावनी होती जाएगी या उसकी जगह हेलीकॉप्टर से की गई यात्रा आखिरी यात्रा साबित होगी और इन सबसे अगर कोई बच गया तो वह पुल ही धंस जाएगा जो जीवन को पार लगाएगा।अगर फिर भी सांस रही तो कोई सड़क दुर्घटना हो जाएगी या गर्मी में एयर कंडीशनर ही फट जाएगा। और तो और, वैक्सीनेशन के कवच में सुरक्षित लोग जब दौड़ेंगे, खेलेंगे या वर्जिश करेंगे तो उनके आसपास वह डेटा बड़बड़ाता आ जाएगा, जो यह बताएगा कि आज किसी भी उम्र में, किसी की भी धड़कन थम सकती है। ऐसे में इस अनिश्चितता का सामना कैसे किया जाए? जीवन तो रुकता नहीं है। तो अगर किसी की पहली हवाई यात्रा मौत और जिंदगी की उड़ान के बीच लैंड करे तो सोचिए उस यात्री का क्या हाल हुआ होगा। और उनका क्या जो हर बार किसी पुल से गुजरते वक्त घबरा जाएंगे! अभी तो एयर क्रैश के बाद भी इमरजेंसी लैंडिंग का सिलसिला जारी है। क्या एयर क्रैश, एक्सीडेंट्स, पुलों का गिरना एक न्यू नॉर्मल बनता जा रहा है? क्या सेफ्टी के मूल्य को दरकिनार कर जीवन चलने का नाम है की आड़ में यूं ही मौत का सिलसिला जारी रहेगा? आखिर ऐसी परिस्थिति में तमाम संस्थाएं करें तो क्या करें? मुझे लगता है समय आ गया है कि तमाम मूल्यों जमाने में मुनाफा कमाने का अत्यधिक दवाब चारों तरफ है। एक हवाई जहाज की कितनी उड़ान बनती है और उससे कितना पैसा आता है; उससे ज्यादा जरूरी है यह देखना कि सुरक्षा मानकों को ठीक से फॉलो किया जा रहा है या नहीं? क्या यह संभव है कि कोई कंपनी सारे सुरक्षा मानकों से कोई समझौता न करे और अपनी एक के बाद एक उड़ानें रद्द कर दे? या किसी कारखाने में बिना सेफ्टी शूज, बेल्ट, ग्लासेस, हेलमेट के मैनेजमेंट से लेकर अंतिम आदमी तक प्रवेश न कर पाए? आखिर सुधार की सुगबुगाहट विध्वंस के बाद ही क्यों होती है? सुरक्षा हमारा सामाजिक व्यवहार क्यों नहीं बन पा रही है? कार्यस्थल पर स्वास्थ्य, सुरक्षा और कल्याण का समर्थन करने वाले एक लेख में लेखक मानते हैं कि सुरक्षा संस्कृति कंपनी अभ्यास में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। जैसा कि हेल और होवडेन ने कहा भी है कि हम आजकल 'सुरक्षा के तीसरे युग' में रहते हैं, जिसमें अब केवल तकनीकी (पहला युग) या संगठनात्मक उपायों (दूसरा युग) पर ध्यान केंद्रित नहीं किया जाता है। सुरक्षा पर ध्यान करना ही मुख्य रूप से संस्कृति और मानव व्यवहार का हिस्सा बनना चाहिए। अभी पिछले ही साल दिल्ली की बारिश में कितने छात्रों ने लाइब्रेरी के बेसमेंट में जलसमाधि ले ली, कितने अस्पतालों के एसी फट गए, कितने से भरता जा रहा है। ऐसे युग मे जहां हर व्यक्ति-वस्तु का आर्थिक मूल्य ही वास्तविक मूल्य बना हुआ है; सुरक्षा के मूल्य को सामाजिक व्यवहार बनाना आसान नहीं है। पर हमें यह करना तो पड़ेगा ही। इसलिए आवश्यक है कि हर स्तर पर व्यक्ति की सुरक्षा को सर्वोपरि बनाया जाए और इससे कोई समझौता न किया जाए। भारत में कार बनाने वाली कंपनियों में से कुछ की गाड़ियां सुरक्षा मानक में सर्वोपरि होती हैं। अब तो ऑटो कंपनियां ऐसी गाड़ियां भी बना रही हैं कि अगर ड्राइवर ने सीट बेल्ट नहीं लगाया तो वह स्टार्ट ही नहीं होगी। कुछ व्यापार-समूहों ने भी स्पीड के साथ सेफ्टी को प्रथम मूल्य बनाया है और उनके प्लांट्स या कॉलोनीज में व्यक्ति की सुरक्षा उस सेफ्टी मूल्य से निर्धारित होती है। जापानी कंपनियां भी सुरक्षा को सर्वोच्च मानती हैं। तो क्या एविएशन या रेल में ऐसा नहीं हो सकता? दो उड़ानों के बीच में हवाई जहाज को उचित समय दिया जाए, ताकि सुरक्षा को लेकर कोई अनदेखी न हो। अगर सरकार के मानक सख्त हो जाएंगे तो मानवीय या तकनीकी गलती से होती दुर्घटनाओं से बचा जा सकता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

क्या हमने जेपी आंदोलन के सवालों पर गौर किया है?

(अभय कुमार दुबे) इंदिरा गांधी द्वारा 1975 में अपनी कुर्सी बचाने के लिए थोपे गए आपातकाल की जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। मैं, मेरे पिता और मेरा परिवार भी आपातकाल में राजनीतिक उत्पीड़न का शिकार रहा है। लेकिन क्या आपातकाल से हमने, हमारे नेताओं ने और हमारी लोकतांत्रिक प्रणाली ने कोई सबक सीखा है? इस सवाल का जवाब आपातकाल में जेल गए लोगों के अनुभव से पैदा हुई तल्खी से परे जाता है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि आपातकाल लगाने की नौबत जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व में चले 1974 के आंदोलन की बदौलत आई थी। इस आंदोलन के मर्म में लोकतांत्रिक राजनीतिक सुधारों का प्रश्न था। आज हम चाहें तो इस प्रश्न को इस रूप में समझ सकते

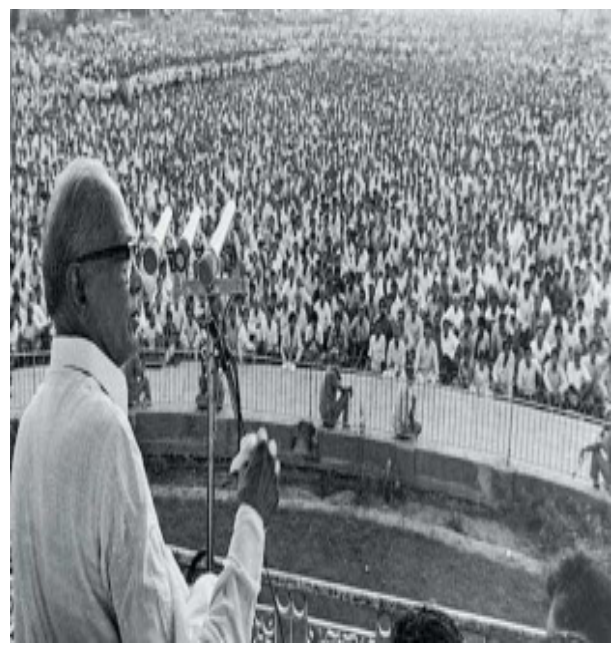

हैं कि उस जमाने के आंदोलनकारी छात्र और युवा पूछ रहे थे कि हमारा प्रतिनिधि कैसा होना चाहिए? अगर वह अच्छे प्रतिनिधि की कसौटियों पर खरा नहीं उतरता तो क्या जनता को अपने प्रतिनिधि की वापसी का अधिकार नहीं देना चाहिए? क्या चुनाव में होने वाले राजनीतिक भ्रष्टचार को नियंत्रित करने वाली संहिताएं नहीं बननी चाहिए? क्या पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र नहीं होना चाहिए? क्या सत्ता पाने के लिए धनबल और बाहुबल का उन्मूलन करने के संस्थागत बंदोबस्त नहीं होने चाहिए? क्या धर्म और जाति के आधार पर वोटों की गोलबंदी पर रोक नहीं लगनी चाहिए? आपातकाल के बाद भी कांग्रेस 19 साल सत्ता में रही है। भाजपा भी 17 साल सत्ता भोग चुकी है। हर तरह की क्षेत्रीय पार्टी किसी न किसी रूप में प्रदेश या केंद्र में कभी न कभी सत्ता प्राप्त कर चुकी है। क्या इनमें से कोई पार्टी आज कह सकती है कि उसने जेपी आंदोलन द्वारा उठाए गए सवालों पर कभी गौर किया है, या उनके आधार पर अपने घोषणापत्र बनाए हैं? वास्तविकता में जो हुआ, वह उस आंदोलन के शब्दों और भावनाओं का ठीक उल्टा है। पिछले पचास साल में भारतीय लोकतंत्र की गुणवत्ता में लगातार गिरावट आई है। 1975 में पक्ष हो या विपक्ष, चुनाव आयोग एवं अन्य वैधानिक संस्थाओं की निष्पक्षता पर कोई संदेह नहीं करता था। पत्रकार का मुख्य काम सत्ता से सवाल पूछना था, न कि वह उसे क्लीन चिट देते हुए विपक्ष को कोने में धकेलता हुआ दिखता था। अर्थव्यवस्था के जो भी आंकड़े होते थे, उन पर कोई संदेह नहीं करता था। आपातकाल के महीनों को छोड़ दिया जाए तो संसद में कानून बनाने की प्रक्रिया अधिक लोकतांत्रिक और स्वस्थ विचार-विमर्श पर आधारित थी। विपक्ष-मुक्त भारत बनाने के दावे खुलेआम नहीं किए जाते थे। कॉर्पोरेट पूंजी सत्ता की संरचनाओं को नियंत्रित करते हुए नहीं देखी जाती थी। पार्टियां अपना सांगठनिक विस्तार दलबदल के जरिए नहीं करती थीं। एक राज्यसभा चुनाव में सौ करोड़ से भी ज्यादा खर्च किए जाएंगे, इसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती थी। राजनीति से जुड़े प्रभावशाली लोग आपराधिक प्रकरणों में लिप्त दिखाई देंगे, सोचना भी कठिन था। क्या यह अजीब नहीं लगता कि लोकतंत्र के चौतरफा विकृतीकरण के इस भीषण दौर में आपातकाल के दौरान जेल गए लोग स्वयं को नागरिक और राजनीतिक अधिकारों के अग्रदूत के तौर पर पेश करते हैं? जो लोग तब जेल में थे (चाहे वे पत्रकार हों या नेता), उन्होंने लोकतंत्र को समृद्ध करने की दिशा में कदम उठाया है? आपातकाल का जो राजनीतिक इतिहास पेश किया जा रहा है, वह भी तथ्यात्मक दृष्टि से सही नहीं है। 1977 में इंदिरा गांधी अलोकप्रिय जरूर थीं, लेकिन केवल उत्तर भारत में। दक्षिण ने उस चुनाव में भी कांग्रेस को 150 से ज्यादा सीटें दी थीं। सत्ताच्युत हो जाने के बावजूद कांग्रस को 34.52फीसदी वोट प्राप्त हुए थे। यानी, 2014 में भाजपा की जीत से भी अधिक। आपातकाल के ढाई साल बाद कांग्रेस 353 सीटें जीतकर सत्ता में लौट आई। उसे 42.69फीसदी वोट मिले, जो भाजपा को आज तक नहीं मिले हैं। तो क्या वास्तव में देश की जनता ने 1977 में नागरिक आजादियों के छिन जाने से नाराज होकर वोट दिया था? क्या वह वोट इमरजेंसी-विरोधी था, या उसका चरित्र महज नसबंदी विरोधी था? कांग्रेस केवल उन्हीं इलाकों में हारी थी, जहां जबरिया नसबंदी कार्यक्रम चलाया गया था। इसी से जुड़ा व्यापक प्रश्न है कि क्या आमजन को अपनी राजनीतिक आजादियां उतनी ही और उसी तरह से प्यारी हैं, जिस तरह हम सिद्धांततः मानना पसंद करते हैं? सच यह है कि इमरजेंसी से किसी ने कोई सबक नहीं सीखा। न उन्होंने जिन्होंने लगाई थी, न उन्होंने जिन्होंने तथाकथित दूसरी आजादी के लिए संघर्ष किया था। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव की रोशनी में हम अपनी लोकतांत्रिक संहिताओं को दोबारा लिखने पर गम्भीरतापूर्वक विचार शुरू कर दें। अब भी मौका है कि इमरजेंसी के कड़वे अनुभव

अमेरिका में अब समाजवाद क्यों लोकप्रिय हो रहा है?

(शेखर गुप्ता) जोहरान ममदानी चर्चा के विषय बनने वाले हैं। दुनिया के सबसे (आंगनवाड़ी?) उपलब्ध करवाएंगे; और सरकारी किराना स्टोर खोलेंगे, जिनमें चाहते हैं जिसे लाखों भारतीयों ने मुख्यतः आर्थिक शरणार्थी के रूप में अपना नया घर साथ नस्ली, धार्मिक विविधताएं भी लाता है। सच कहें तो दूर देशों के जनजातीय आंतरिक

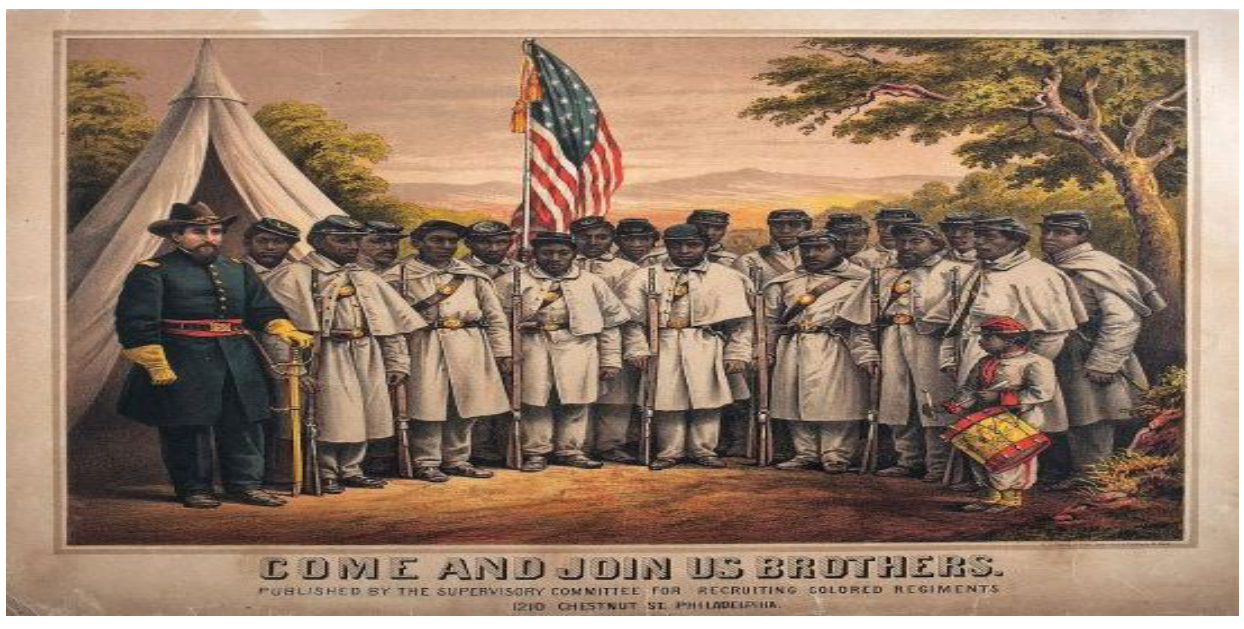

उदार, शक्तिशाली और समृद्ध यहूदी-बहुल शहर की बागडोर उनके हाथों में आने वाली है। वे गाजा के समर्थक हैं, अमेरिकी राष्ट्रपति के अपने इलाके में जबरदस्त ट्रम्प-विरोध को बुलंद करते हैं और डेमोक्रेटिक लेफ्ट की पैरोकारी करते हैं।ट्रम्प ने उन्हें 'सौ फीसदी कम्युनिस्ट पागल' कहा है। ट्रम्प उनके उत्कर्ष के लिए डेमोक्रेटिक लेफ्ट की चार महिला नेताओं की 'चौकड़ी' को जिम्मेदार मानते हैं। वैसे ट्रम्प से अपमानित होने का न्यूयॉर्क में कोई बुरा नहीं मानता। लेकिन मैं ममदानी के कुछ प्रमुख चुनावी वादों की चर्चा करूंगा। वे बसों का किराया खत्म कर देंगे (दिल्ली, कर्नाटक, तेलंगाना और इसके बाद और सारे शहर गौर करें); सब्सिडी से बनाए गए 20 लाख आवासों का किराया 'फ्रीज' कर देंगे (हम अपने रेंट कंट्रोल एक्ट को याद करें); सार्वजनिक आवास विकास एजेंसी (भारत के हर शहर में डीडीए, म्हाडा, बीडीए आदि हैं) के जरिए तीन साल के अंदर दो लाख और आवास बनवाएंगे; छह सप्ताह के नवजात शिशुओं से लेकर पांच साल तक के बच्चों को व्यापक बाल सुरक्षा सेवा कम कीमत पर सामान मिलेंगे। आपको अपनी राशन की दुकानों, केंद्रीय भंडारों और सहकारी सुपर मार्केट की याद है न? इन सारे कार्यक्रमों को भारतीयों की दो पीढ़ियां समाजवादी राज्य-व्यवस्था की भारी नाकामियों के रूप में याद करती हैं। जिस तरह मैं 10 साल की उम्र में अपनी मां के साथ हर चीज खरीदने के लिए राशन की दुकान के आगे लाइन में खड़ा हुआ करता था, उस तरह अगर आप भी खड़े हुए होंगे तब आप समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाह रहा हूं। इन सरकारी दुकानों में कामगार तबकों के लिए चीनी (1967 में प्रति व्यक्ति प्रति सप्ताह 200 ग्राम के हिसाब से), गेहूं से लेकर मीटर के नाप से कपड़े तक हर चीज उपलब्ध होती थी। आपने अपने शहरों में कामगार तबकों के लिए बनाए गए सरकारी आवासों को भी जरूर देखा होगा, जिन्हें कंक्रीट का स्लम कहा जाता है। हर शहर में आपको वे मिल जाएंगे। हमारी मुफ्त बस सेवाएं राज्य सरकारों की आर्थिक तंगी के कारण नाकाम हो रही हैं। ऐसी सारी योजनाएं जो अपने देश में विफल हो गईं, उन्हें ममदानी उस शहर में दोहराना बनाया है। ममदानी इतनी कम उम्र के हैं कि उन्होंने ये सारे विचार भारत से शायद ही लिए होंगे, और यह भी मुमकिन नहीं है कि उनके अभिभावकों ने इस सबका खुद बहुत अनुभव लिया होगा। लेकिन, जिस देश ने आधुनिक विश्व को पूंजीवादी सपना दिया और जो शहर तेज कामयाबी का प्रतीक माना जाता है, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है, वे सब डेमोक्रेटों के नियंत्रण में हैं। और ममदानी उस 'दस्ते' के भी बाएं खड़े हैं। जिस शहर को पूंजीवादी सफलता का ब्रांड-दूत होना चाहिए था, यह उसका विरोधाभास है। या ऐसा तो नहीं है कि इस तरह की सफलता अंततः समाजवाद के लिए जमीन तैयार करती है? कि आप इतने अमीर हो गए हैं कि समाजवाद की छूट दे सकते हैं? यूरोप ने जब खूब अमीरी हासिल कर ली तब धुर वामपंथ की ओर मुड़ गया था, और अब रास्ता बदल रहा है। समृद्ध समाजों में समाजवाद प्रवासियों को आकर्षित करता है और इसके संघर्षों को भी ले आता है। इसके खिलाफ प्रतिक्रिया होती है और दक्षिणपंथ लौट आता है। ऐसा स्केंडिनेविया में भी हुआ, जिसे सर्वश्रेष्ठ समाजवाद का घर माना जाता है। भारत की समस्या यह है कि बुरे विचारों ने इसका पीछा कभी नहीं छोड़ा। केवल अच्छे लोग और सर्वश्रेष्ठ दिमाग इसे छोड़कर चले गए। सबसे शानदार, सबसे महत्वाकांक्षी, उद्यमी भारतीयों ने अमेरिका को अपना घर बना लिया। वे हमारे फर्जी समाजवाद से नहीं, तो आखिर किससे भाग रहे थे? आज जो भी भारतीय 'डंकी रूट' की खातिर अपना जीवन जोखिम में डालता है, वह समाजवाद से भाग रहा होता है। जांच कीजिए कि सरकार वितरणवादी जनकल्याण पर कितना खर्च कर रही है और दक्षिणपंथी मानी गई भारतीय जनता पार्टी ने भारतीय समाजवादियों की रेवड़ी संस्कृति को आज किस हद तक अपना लिया है। जिस देश ने विश्व को पूंजीवादी सपना दिया, वहां समाजवाद के प्रति लगाव दिलचस्पी का विषय है। इससे भी दिलचस्प है न्यूयॉर्क के युवाओं में इसके प्रति आकर्षण। अमेरिका के प्रायः सभी बड़े शहरों में यही स्थिति है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

पुकार! किसी के पास कान हो तो सुने!

हर तरफ बादल हैं। बारिश है। बाढ़ भी। पहाड़ों पर तबाही ज्यादा है। वे सरक रहे हैं। दरक रहे हैं। मैदानों में हमेशा की तरह कहीं भारी बारिश। कहीं बूंदा-बांदी। लेकिन बिहार जहां इन? दिनों अमूमन बाढ़ होती है, फिलहाल सूखा है। गर्मी है। चुनावी गर्मी। यहां चुनाव होने हैं अक्टूबर-नवम्बर में, लेकिन चुनावी गर्मी अभी से सिर चढ़कर बोल रही है। कभी विरोधी दलों के लोग, लालू यादव को चारा खाते दिखा रहे हैं। कहीं तेजस्वी और लालू, नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कस रहे हैं। सवाल पर सवाल। जवाब पर जवाब। बाकायदा एक-दूसरे के खिलाफ चौराहों पर पोस्टर चिपकाए जा रहे हैं। दरअसल, बिहार में चुनाव, मुद्दों और मसलों पर कम, जातीय गणित के हिसाब से ज्यादा जीते जाते हैं। बारिश के दिनों में वर्षों से आधे से ज्यादा बिहार पानी में डूबा रहता है। लोग सड़कों पर अपना डेरा बांधते हैं और चौमासा वहीं गुजारते हैं। कोई स्थायी इलाज नहीं। कोई पुख्ता उपाय नहीं। कोई रहने-खाने का इंतजाम नहीं। जातीयता हर बाढ़ और हर आफत पर भारी है। इस जातीय गणित ने पूरे राज्य का बंटाधार कर रखा है। जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को वहां हराना है तो नीतीश कुमार और लालू यादव के राजद को साथ आना होता है। जहां तक राजद की बात है, बिहार में यादवों की संख्या या प्रतिशत काफी है, इसलिए लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश कुमार को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं। हालांकि राज्य की राजनीति में उनकी पार्टी का कोई ज्यादा योगदान नहीं रहा क्योंकि वे केंद्र की राजनीति में ज्यादा भरोसा करते हैं। जितने सांसद लड़ाते हैं, अक्सर सब के सब जीत ही जाते हैं। यहां अक्टूबर-नवंबर में होने वाले चुनाव के नतीजों का अंदाजा लगाया जाए तो लोगों का कहना है कि अगर कोई अनहोनी या आसमानी सुल्तानी नहीं हुई, तो ये नतीजे भी हरियाणा या बहुत हद तक महाराष्ट्र के चुनाव नतीजों से ज्यादा अलग नहीं होंगे। हरियाणा में भाजपा की एकतरफा जीत हुई थी जबकि महाराष्ट्र में मिली-जुली। महाराष्ट्र के नतीजे इस तरह आए थे कि भाजपा से उसके दोनों साथी यानी शिंदे सेना और अजित पवार किसी तरह की सौदेबाजी की सूरत में नहीं रहे थे। यही वजह है कि वहां फडणवीस सरकार मजे से चल रही है। दोनों सहयोगी दलों में से एक बगावत भी कर ले तो सरकार की सेहत पर कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। इधर उत्तर भारत में रह-रहकर बादल बरस रहे हैं। गलियां, सड़कें सुड़क-सुड़क कर रही हैं। वाहन चीखें मार रहे हैं। दिन उगता है तो लगता है जैसे सूरज शर्मीला चम्पा का फूल हो! उठने से पहले ही जैसे डूबने को होता है। सांझ से ही सन्नाटा छा जाता है। बारिश की मंद-मंद फुहारें, जैसे पाला पड़ रहा हो! बूढ़ा आकाश शाम से ही ऊंघने लगता है। उसकी आंखों में नींद साफ देखी जा सकती है। कीचड़ और पानी के मिलन के बीच सड़कों पर पैदल चलते आदमी की तो पूछिए मत! वो सबको झेल रहा है। दोपहिया-चार पहिया वाहनों को भी और ऊपर से बरसते पानी को भी। सरकारें, प्रशासन और प्रशासनिक अफसर दुबके पड़े हैं। उन्हें किसी की पड़ी नहीं है। आम आदमी बेहाल है। अपनी पीड़ा किससे कहे? कहां जाए? सरकार में, प्रशासन में, मंत्री, संतरी, अफसर, बाबू, किसी के पास कान हों तो सुने! युगों-युगों से आम आदमी के तो दो ही मजबूत आसरे रहे हैं। पैरों में रास्ता और सिर पर आसमां। बड़ी बर्दाश्त है इसके भीतर। कभी बड़ा बेखौफ होकर बोलता था। अब उसके मुंह में मूंग ओर दिए गए हैं। उससे बोलते नहीं बनता। सबकुछ भीतर दबाए फिरता है। इधर से उधर। उधर से इधर। इस इधर-उधर में अक्सर भूल ही जाता है कि उसका सिरा आखिर कौन-सा है! ये आम आदमी जो वर्षों से सपने देख रहा था, उन्हें खुद ही धुलते हुए, बहते हुए देखने को विवश है। विवश है कि बड़े-बड़े वादे करके वोट ले जाने वाले लोग अचानक गायब हो जाते हैं और वे वादे वहीं गलियों में, टूटी-फूटी सड़कों पर पड़े कुचलते रहते हैं। सड़ते रहते हैं। फिर भी वह अपने ही सपनों को, अपने ही पैरों तले कुचलते हुए, दबते हुए देखता रहता है। उसे आजादी है तो सिर्फ इतनी कि इन मची हुई सड़कों, गलियों में सकुचाते हुए चलता भर रहे। बस! इससे ज्यादा कुछ नहीं। कुछ भी नहीं।बिहार में जातीय गणित भी कुछ इस तरह है कि भाजपा को हराना है तो नीतीश और लालू को साथ आना होता है। और लालू को हराना है तो भाजपा और नीतीश को साथ आना पड़ता है। चिराग पासवान इन सबके बीच में कहीं आते हैं।

चिंतन कर रहे हों तो उस समय गहरी सांस लेते रहें

हम लोग अपनी बुद्धि का भी सही उपयोग नहीं कर पाते हैं। अधिकांश मौकों पर हमारी बुद्धि का संचालन मन करता है। जबकि

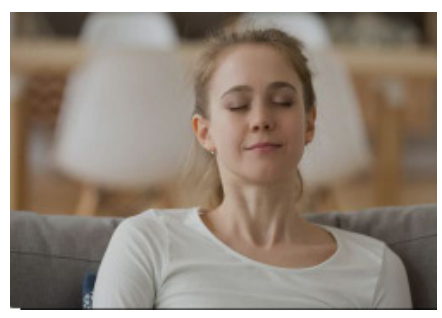

संचालन होना चाहिए मस्तिष्क, हृदय द्वारा। मन के कुटिल विचार बुद्धि को भी गलत रास्ते पर ले जाते हैं। सुबह घर से निकलने से पहले अपने ही नजरिए पर काम करिए। किसी विषय पर आप सोचते हैं कि ऐसा करें तो एक-दो बार यह भी सोचिए कि ऐसा क्यों ना करें। अलग-अलग नजरिए से देखने पर बुद्धि संतुष्ट होती है। उसे लगता है कि मेरा मालिक मुझे मांज रहा है, विकल्प दे रहा है, बुद्धिमान होने की तैयारी कर रहा है। और जब आप बुद्धि के साथ मन को हटाकर हृदय या मस्तिष्क के प्रभाव में काम करते हैं तो यह बिल्कुल ऐसा होता है जैसे गहराई में उतरना। बुद्धि को जब गहराई में ले जाएं किसी विषय की तो बेचैनी होगी, थकान होगी। लेकिन आंख बंद करके सांस को बुद्धि से जोड़िए। बुद्धि को यदि सांस का समर्थन मिला तो शायद मन का दुष्प्रभाव उस पर नहीं पड़ेगा। इसलिए जब चिंतन कर रहे हों तो गहरी सांस लेते रहें, आप उस समय बुद्धि का सदुपयोग कर जाएंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी ने बदल दिया पैंतरा,डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ की नहीं गलेगी दाल

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत पर अतिरिक्त टैरिफ के असर को कम से कम करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र

25फीसदी टैरिफ लगाने के लिए आधिकारिक नोटिस जारी कर दिया है। भारत पर पहले से ही 25फीसदी टैरिफ लगाया गया है और 27 अगस्त से अतिरिक्त टैरिफ लागू हो जाएगा। इस तरह भारत से आने वाले सामान पर कुल 50 फीसदी टैरिफ लगेगा। इससे भारतीय निर्यातकों के लिए दूसरे देशों से प्रतिस्पर्द्धा करना मुश्किल होगा। लेकिन ट्रंप के प्रधानमंत्री की इस घोषणा से कई सरकारी अधिकारी भी हैरान थे। पिछले एक साल से सरकारी अफसर जीएसटी में बदलाव करने की बात कर रहे थे। लेकिन अभी तक कोई फैसला नहीं हुआ था।ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली के एक अधिकारी ने बताया कि इस बारे में बातचीत चल रही थी पर घोषणा करने में कुछ महीने और लगते। लेकिन अमेरिकी टैरिफ के कारण मोदी सरकार जीएसटी में बदलाव जैसी नीतियों को जल्दी से लागू कर रही है। इससे अर्थव्यवस्था में भरोसा बढ़ेगा और ग्रोथ में तेजी आएगी। कई साल से ट्रेडर्स और अर्थशास्त्री कह रहे थे कि कुछ सुधारों की वजह से निवेश रुका हुआ है। मोदी ने नीतियों में बदलाव करने के लिए दो बड़ी कमेटियां बनाई हैं।एक कमेटी की अगुवाई कैबिनेट सचिव टी.वी. सोमनाथन कर रहे हैं। यह कमेटी राज्यों में नियमों को आसान बनाने पर ध्यान देगी। दूसरी कमेटी के प्रमुख राजीव गाबा हैं जो नीति आयोग के सदस्य हैं।

मोदी ने कमर कस ली है। मोदी ने 15 अगस्त को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले से एक बड़ा ऐलान किया। उन्होंने कहा कि सरकार जीएसटी सुधारों की दिशा में आगे बढ़ रही है। जीएसटी में अभी चार स्लैब हैं जिनमें से दो स्लैब खत्म करने का प्लान है। इससे खासकर खाने-पीने की चीजें काफी सस्ती हो जाएंगी और ग्राहकों को फायदा होगा। यह कमेटी अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए सुझाव देगी। हाल ही में मोदी ने अपनी आर्थिक सलाहकार परिषद के साथ बैठक की। इसमें अर्थव्यवस्था को सुधारने के लिए सुझाव लिए गए। बैठक में कई अर्थशास्त्रियों ने कहा कि मार्च 2026 तक 6.5 फीसदी विकास दर हासिल की जा सकती है। कम महंगाई और ब्याज दरों में कटौती से अर्थव्यवस्था को मदद मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि अर्थव्यवस्था में मांग बढ़ाने के लिए नीति में बदलाव जरूरी हैं।भारत की इकॉनमी अभी स्थिर है। इसलिए, सरकार के पास मुश्किल सुधार करने का मौका है। महंगाई 8 साल के सबसे निचले स्तर पर है। स्टैंडर्ड एंड पुअर्स ने 18 साल में पहली बार भारत की क्रेडिट रेटिंग बढ़ाई है। मोदी की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने कहा कि अर्थव्यवस्था के सभी आंकड़े अच्छे हैं। इससे सुधारों को तेजी से आगे बढ़ाने का मौका मिलता है, ताकि हम विकास की अगली सीढ़ी पर चढ़ सकें।

'जैसी चाहिए, वैसी लड़की मिलेगी, कीमत डेढ़ लाख',एजेंट बोला- आज ही शादी करा दूंगा,हिंदू-मुस्लिम कुछ भी देंगे

पटना। 'हम आपको लड़की देंगे, जैसी चाहिए वैसी। आप लड़का भेजिए या लेकर आइए, या फोटो देखकर पसंद कर लीजिए। पैसा डेढ़ लाख लगेगा। लड़की पढ़ी-लिखी नहीं होगी। हिंदू समाज की मिलेगी। मुस्लिमों की लड़कियां बहुत कम मिलती हैं। अभी मेरे पास एक लड़की है। उम्र 23 साल है। देखने में ठीक है। चाहो तो आज ही शादी करा सकता हूं।' लड़की दिलाने की बात कर रहे इस शख्स का नाम उमेश है। बिहार में पश्चिम चंपारण जिले के रामनगर का रहने वाला है। उमेश उस गैंग का हिस्सा है, जो फर्जी दुल्हन तैयार करती है। लड़के वालों से पैसे लेकर उनकी शादी कराती है। फिर दुल्हन कुछ दिनों में ससुराल से गहने-पैसे लेकर फरार हो जाती है। इन पैसों में भी उमेश जैसे एजेंट का हिस्सा होता है। अगर लड़के वाले लड़की को ढूंढते हुए इनके पास आएं, तो दहेज हत्या जैसे आरोप लगाकर ब्लैकमेल कर और पैसे मांगते हैं। ये चौकाने वाली खबर एक न्यूज़ पोर्टल के स्टिंग ऑपरेशन में सामने आयी जो की आम लोगो के लिए जानना महत्वपूर्ण हैं। ऑपरेशन फर्जी दुल्हन चलाकर ऐसी एक गैंग का खुलासा किया है। इस सीरीज के पहले पार्ट में आपने पढ़ा कि कैसे भास्कर रिपोर्टर गैंग में शामिल हुए। शादी के लिए डील की। फिर 6 रिपोर्टर दूल्हा बनकर 25 अगस्त को पश्चिम चंपारण के बलथर गांव पहुंचे। साथ में बाराती बने पुलिसवाले थे। पुलिस ने यहां से गैंग के 6 मेंबर, एक महिला एजेंट और 5 नकली दुल्हनों को अरेस्ट किया। 20 मई, 2025 को पश्चिमी चंपारण के योगापट्टी थाने में फर्जी दुल्हन का केस सामने आया था। यहां के रामबाबू ने आरोप लगाया कि उसकी पत्नी शादी के दो महीने बाद घर से जेवर, पैसे और कीमती सामान लेकर चली गई है। दरअसल रामबाबू फर्जी दुल्हन वाली गैंग का शिकार बन गए थे। स्टिंग ऑपरेशन टीम ने इसी केस को एक सिरा बनाया। ये तो तय था कि पश्चिम चंपारण में फर्जी दुल्हनों का गैंग एक्टिव है। इसे एक्सपोज करने के लिए 25 मई, 2025 को पटना से 260 किमी दूर पश्चिमी चंपारण के बगहा पहुंचे और पड़ताल शुरू कर दी। टीम बगहा में सोर्स के जरिए गैंग तक पहुंचने का रास्ता खोज रही थी। इसका क्लू नगर परिषद ऑफिस के पास एक चाय की दुकान पर मिला। वहां शादी की

बात करते ही चायवाले ने कहा कि मधुबनी में कुछ लोग हैं, जो शादी कराते हैं। उन लोगों की तलाश में बगहा से मधुबनी पहुंच गए। यहां के धनहा थाने से पता चला कि हाल में लड़कियों की तस्करी करने वाली गैंग को गिरफ्तार किया गया है। गैंग के 4 मेंबर जेल में हैं। पुलिस में एक सोर्स ने बाल्मीकि नगर में शादी कराने वाली एक महिला के बारे में बताया। फिर टीम मधुबनी से 80 किमी दूर बाल्मीकि नगर पहुंच गई। यहां महिला के बारे में कहीं से पता नहीं चला। यहां पता चला कि 90 किमी दूर भैरोगंज में ऐसा एक गैंग है। तब वहां से भैरोगंज पहुंचे, तो मालूम हुआ कि हाल में पुलिस की रेड के बाद गैंग के मेंबर अंडरग्राउंड हो गए हैं। जब टीम ने थाने जाकर पुलिस से गैंग की जानकारी मांगी। तो बताया गया कि गैंग के मेंबर ये एरिया छोड़कर चले गए हैं। एक सोर्स से उमेश का नंबर मिला। हमने उमेश को कॉल किया। बताया कि हम ढइ से हैं। हमें शादी के लिए लड़कियां चाहिए। ढइ में सरकार की सख्ती है, इसलिए बिहार में काम करना चाहते हैं। उमेश ने हमें मिलने के लिए 20 किमी दूर उसके गांव रामनगर बुलाया। उसने गांव के बाहर एक बाग में मिलने के लिए कहा। करीब एक घंटा इंतजार कराने के बाद वह मिलने आया। एक लड़के की शादी कराने के बहाने उमेश से बातचीत शुरू की। बातचीत से लगा कि उमेश अहम कड़ी हो सकता है। उसके जरिए गैंग के बाकी मेंबर्स तक पहुंच सकते हैं। स्टिंग ओप्रशन टीम- पैसा हमारे पास बहुत है, लड़की पटना के आसपास बहुत कम है। उमेशः ठीक। स्टिंग ओप्रशन टीम- बिहार में पैसा नहीं है, पैसा तो बाहर ही है। मेरे पास एक पार्टी है। बताइए आपके पास क्या सुविधा है? उमेशः सुविधा क्या, लड़की दे देंगे। शादी कराएंगे। अनपढ़ लड़की मिलेगी। पढ़ी-लिखी नहीं होगी। हिंदू समाज की मिलेगी, मुस्लिम समाज में बहुत कम मिलती हैं। हम आपको लड़की देंगे। जैसी चाहिए वैसी देंगे। पैसा डेढ़ लाख काफी है। स्टिंग ओप्रशन टीम- आपका कितना होगा, इसी में है या अलग? उमेशः नहीं, मेरा भी उसी में होगा। अभी एक लड़की है हमारे पास। शादी करवा देते हैं। आज बुला लीजिए। हमने उनसे बोला है कि आज शाम तक लड़का आ जाएगा। आप आइए और लेकर चले जाइए। स्टिंग ओप्रशन टीम- हम एक लड़का लाएंगे, उसके सामने रेट की बात मत कीजिएगा। उमेशः नहीं, हम क्यों करेंगे। कोर्ट, मंदिर, घर, जहां करना हो बताइए, करवा देंगे। एग्रीमेंट दो महीने के लिए, चार महीने के लिए, दो साल के लिए, जैसा चाहिए हो जाएगा।स्टिंग ओप्रशन टीम- बनारस में एक लड़का है, हमें उसके लिए चाहिए। आप लड़की दिखा दीजिए। एग्रीमेंट की बात करा दीजिए कि कितना पैसा लेंगे।उमेशः हो जाएगा। एग्रीमेंट में काम का लिखेंगे। दो साल के लिए बनवाएंगे। वैसे हम एग्रीमेंट पर नहीं, परमानेंट भेजते हैं। नहीं तो दो महीने, चार महीने, साल भर के लिए भेजते हैं। तब एग्रीमेंट नहीं करते। तभी फोन की घंटी बजती है। उमेश फोन पर बोलता है- हम आ रहे हैं। बैरठिया बस स्टैंड पर हैं। बातचीत फिर शुरू होती है। स्टिंग ओप्रशन टीम- एग्रीमेंट में ज्यादा फायदा है, पार्टी ढाई लाख रुपए देने के लिए तैयार है। हम फंसेंगे, उससे अच्छा है एग्रीमेंट करा लें। दो साल बाद फिर करा लेंगे। फिर ढाई लाख दे देंगे। उमेशः ठीक है, मेरा नंबर ले लीजिए। कोई दिक्कत नहीं आएगी, हम आपस में एग्रीमेंट कर लेंगे। रामनगर चलिए, लड़की दिखवा देंगे। स्टिंग ओप्रशन टीम- यूपी के सीतापुर की पार्टी है। कह रही है कि एग्रीमेंट कराकर जाएंगे, नहीं तो बाद में दिक्कत होगी।उमेशः जहां चाहिए, करा देंगे, कोर्ट से मंदिर तक कागज बनवा देंगे। उमेश को भरोसा हो गया। उसने बिहार से देश के दूसरे राज्यों में चल रही फर्जी दुल्हन गैंग के बारे में बताया। उमेश ने रामनगर में एक मीटिंग फिक्स की और हमें गैंग के मास्टरमाइंड अली उर्फ राजू से मिलवाने की बात कही। लड़की लेकर आया अली, बोला- देख लीजिए, बाकी बात बाद में करेंगे। रामनगर में ही हम अली उर्फ राजू से मिले। हम उमेश के साथ आए थे, इसलिए अली ने हमसे खुलकर बात की। उसने बताया कि पश्चिमी चंपारण में ऐसे कई गैंग काम करते हैं। सभी आपस में मिलकर काम करते हैं। कहीं किसी के पास काम आता है, तो वह दूसरे से कॉन्टैक्ट करता है। अली और उमेश ने एक लड़की से मिलवाने की बात कही। दोनों रामनगर में ही एक बाग में ले गए। वहां पेड़ के नीचे पहले से एक लड़की बैठी थी। अली ने कहा- जाकर लड़की देख लीजिए, बाकी बात हम करेंगे। लड़की को दिखाने के बाद स्टिंग ओप्रशन टीम- लड़की ठीक है, पसंद है। अलीः हम आपके जैसा ही आदमी ढूंढ रहे थे। देखिए, हमारे पास बार-बार नेपाल से फोन आ रहा है। और लड़कियां हम आपको नरकटियागंज में आपको दिखा देंगे।

सैलाब

जम्मू में 296 मिमी बारिश, 115 साल का रिकॉर्ड टूटा,पंजाब के गुरदासपुर में 400 स्टूडेंट्स-टीचर्स फंसे, 5 फीट पानी,करतारपुर साहिब कॉरिडोर-गुरुद्वारा डूबा

नयी दिल्ली। जम्मू में बारिश का 115 साल का रिकॉर्ड टूट गया। मौसम विभाग के मुताबिक मंगलवार सुबह 8:30 बजे से बुधवार सुबह 8:30 बजे तक 296 मिमी बारिश हुई। इससे

पहले 52 साल पहले 1973 में 9 अगस्त को 272.6 मिमी बारिश हुई थी। पंजाब में लगातार बारिश से नदियां उफान पर हैं। बांधों से पानी छोड़ने के कारण बुधवार को पठानकोट, गुरदासपुर, तरनतारन, होशियारपुर, कपूरथला, फिरोजपुर और फाजिल्का में बाढ़ आ गई है।गुरदासपुर के दबुरी स्थित नवोदय विद्यालय में 400 से ज्यादा स्टूडेंट्स और टीचर्स बाढ़ में फंस गए हैं। स्कूल के ग्राउंड फ्लोर पर 5 फीट पानी भर गया है। बच्चों को फर्स्ट फ्लोर पर रखा गया है। स्टूडेंट्स और टीचर्स को निकालने के लिए एनडीआरएफ और सेना की टीमें भेजी गई हैं। राज्य में भारी बारिश के चलते सभी स्कूलों को 30 अगस्त तक बंद करने के आदेश दिए गए हैं। वहीं, रावी नदी में बाढ़ के चलते करतारपुर साहिब कॉरिडोर में भी 7 फीट तक पानी भर गया है।

इसके कारण पाकिस्तान का श्री करतारपुर साहिब गुरुद्वारा भी डूब गया है। करतारपुर कॉरिडोर 4.7 किलोमीटर लंबी एक रोड है जो भारत में डेरा बाबा नानक को पाकिस्तान में करतारपुर साहिब गुरुद्वारे से सीधे जोड़ता है। इसका उद्घाटन 9 नवंबर, 2019 को किया गया था। दूसरी तरफ, पंजाब के पठानकोट के माधोपुर हेडवर्क्स में सेना ने बाढ़ के पानी से घिरी एक जर्जर बिल्डिंग से 22 सीआरपीएफ जवानों और 3 नागरिकों का हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू किया। रेस्क्यू के लिए सेना का हेलिकॉप्टर जर्जर बिल्डिंग की छत पर उतरा था। छत से उड़ान भरने के बाद ही बिल्डिंग का अगला हिस्सा पानी में समा गया। इसके बाद भी सेना ने जर्जर बिल्डिंग की छत पर फंसे सभी लोगों को बचाया। भारतीय सेना ने रेस्क्यू ऑपरेशन का वीडियो एक्स पर शेयर किया है।खराब मौसम की वजह से दिल्ली से रायपुर जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट को भुवनेश्वर डायवर्ट करना पड़ा। फ्लाइट नंबर एआई-2793 को सुबह करीब 8:30 बजे रायपुर के स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर उतरना था। कम विजिबिलिटी की वजह से फ्लाइट लैंड नहीं हो सकी। जम्मू-कश्मीर में 24 घंटे बंद रहने के बाद एयरटेल और जियो कंपनी की मोबाइल इंटरनेट, कॉलिंग और फाइबर सेवाएं बहाल कर दी गईं।भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में अगले कुछ दिनों में भारी बारिश की चेतावनी दी है। आईएमडी ने बुधवार के लिए जारी बुलेटिन में पूर्वी कामेंग, लोअर सुबनसिरी, पश्चिम सियांग, चांगलांग, तिरप और लोंगडिंग जिलों के लिए यह चेतावनी जारी की है।मौसम विभाग के मुताबिक, जम्मू में बारिश का 115 साल का रिकॉर्ड टूट गया। मंगलवार सुबह 8:30 बजे से बुधवार सुबह 8:30 बजे तक 296 मिमी बारिश हुई। इससे पहले 52 साल पहले 1973 में 9 अगस्त को 272.6 मिमी बारिश हुई थी। जम्मू में 1910 में रिसर्च ऑब्जरवेटरी बनाई गई थी। इसके बाद से इतनी बारिश दर्ज नहीं की गई। इस तरह यह भी कहा जा सकता है कि 115 साल में यह पहला मौका है जब इतनी बारिश हुई है। उधमपुर में बारिश का 6 साल का रिकॉर्ड टूट गया। मंगलवार सुबह 8:30 बजे से बुधवार सुबह 8:30 बजे तक 629.4 मिमी बारिश हुई। 6 साल पहले 31 जुलाई 2019 को 342 मिमी बारिश हुई थी।जम्मू-कश्मीर में भारी बारिश के बीच, रावी नदी के किनारे स्थित कठुआ में सीआरपीएफ 121 बटालियन ऑफिस को नुकसान पहुंचा है।

सीआरपीएफ ऑफिस को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किया गया है। कठुआ के डीसी राजेश शर्मा ने बताया कि यहां पिछले 36 घंटों से लगातार बारिश हो रही है। इस वजह से सभी नदियों का जलस्तर बढ़ गया है और वे खतरे के निशान पर बह रही हैं।

खराब मौसम के कारण लेह एयरपोर्ट का रनवे बंद हो गया है। लेह में 27 अगस्त को सभी फ्लाइट्स कैंसिल कर दी गई हैं। एअर इंडिया ने एक्स पर एक पोस्ट शेयर कर इसकी जानकारी दी। इससे पहले दिन में दिल्ली एयरपोर्ट ने लेह जाने वाले यात्रियों के लिए एडवाइजरी जारी की थी और कहा था कि खराब मौसम के कारण लेह जाने वाली फ्लाइट्स देर हो सकती है।जम्मू के कटरा स्थित वैष्णो देवी धाम के ट्रैक पर लैंडस्लाइड में मरने वालों का आंकड़ा बढ़कर बुधवार को 32 हो गया। हादसा मंगलवार को दोपहर 3 बजे पुराने ट्रैक पर अर्धकुमारी मंदिर से कुछ दूर इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास हुआ।कल देर रात तक 7 लोगों के मरने की खबर थी, लेकिन सुबह आंकड़ा बढ़ गया। बड़े-

बड़े पत्थर, पेड़ और मलबा में दबने से ज्यादा नुकसान हुआ है। एक चश्मदीद ने बताया- बड़े-बड़े पत्थर अचानक गिरने लगे और सब तबाह हो गया। हिमाचल प्रदेश में पिछले 4 दिनों से लगातार हो रही बारिश से काफी नुकसान पहुंचा है। कांगड़ा में देहरा की ध्वाला पंचायत में बुधवार सुबह 11 बजे के करीब करनैल सिंह का 3 कमरों का मकान गिर गया। इसमें एक गाय की मौत हो गई।पंजाब के गुरदासपुर के डबुरी स्थित जवाहर नवोदय विद्यालय में बाढ़ का पानी भर गया है।

स्कूल में करीब 400 स्टूडेंट्स और शिक्षक फंसे हुए हैं। सभी को सुरक्षित निकालने का प्रयास लगातार जारी है। विद्यालय के अंदर और बाहर कई फुट तक पानी भर गया है, जिससे स्थिति गंभीर बनी हुई है। इस वजह से पेरेंट्स परेशान हैं। बताया जा रहा है कि नावों के जरिए बच्चों को रेस्क्यू किया जाएगा।

डीसी दलविंदर जीत सिंह ने बताया कि सुबह प्रिंसिपल ने प्रशासन से संपर्क किया था। बसें भेजी गई, लेकिन जलभराव था। इसके बाद एनडीआरएफ और आर्मी की टीम भेजी गई है। प्रिंसिपल नरेश कुमार ने बताया कि बच्चों को फर्स्ट फ्लोर पर रखा गया है। पंजाब के स्कूलों में 27 तारीख से छुट्टी की घोषणा की गई थी। 30 अगस्त तक सभी स्कूल बंद रखने के आदेश दिए गए हैं।दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर बुधवार सुबह पुराने रेलवे पुल पर 204.61 मीटर तक पहुंच गया, जो लगातार दूसरे दिन 204.50 मीटर के चेतावनी के निशान से ऊपर रहा। केंद्रीय जल आयोग ने कहा है कि बुधवार शाम तक यमुना नदी खतरे के निशान को पार कर सकती है। अधिकारियों को अपने-अपने इलाकों में निगरानी रखने और जरूरी कार्रवाई करने की सलाह दी गई है। नदी के किनारे और आस-पास रहने वाले लोगों को अलर्ट करने और उन्हें सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया गया है।राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में एक वैन गूगल मैप के कारण बनास नदी की टूटी पुलिया से बह गई। इसमें एक ही परिवार के 9 लोग थे।

नदी के बहाव के कारण वैन 300 मीटर तक बह गई। हादसे में एक 4 साल के बच्ची और 2 महिलाओं की मौत हो गई। वहीं, एक महिला अब भी लापता है। परिवार के 5 लोगों ने वैन पर चढ़कर जान बचाई। छत्तीसगढ़ में एनएच-30 जगदलपुर-सुकमा मार्ग पर दरभा घाटी के पास उफनते नाले को पार करने के दौरान एक कार बह गई।

हादसे में कार सवार पति-पत्नी और दो बच्चों की मौत हो गई। ड्राइवर ने तैरकर जान बचाई। सभी तमिलनाडु के रहने वाले थे। बस्तर संभाग में भारी बारिश के बाद आई बाढ़ में फंसे 6 लोगों को हेलिकॉप्टर से निकाला गया.बिहार में मानसून पूरी तरह सक्रिय है।

मौसम विभाग ने बुधवार को 13 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में अगले 24 घंटे तक हल्की और मध्यम बारिश की संभावना है। बिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार गंभीर बनी है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक अब तक 10 जिलों में कुल 17 लाख 62 हजार 374 लोग प्रभावित हैं।

राहुल बोले-गुजरात के गुमनाम दलों को रु4300 करोड़ कहां से मिले,पूछा- क्या चुनाव आयोग इस चंदे की जांच करेगा या एफिडेविट मांगेगा?

नयी दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को गुजरात

में गुमनाम राजनीतिक दलों को मिले 4300 करोड़ रुपए के चंदे पर चुनाव आयोग से सवाल किए। उन्होंने कहा कि इन 10 पार्टियों ने इतना बड़ा चंदा तो लिया, लेकिन सिर्फ 39 लाख रुपए खर्च दिखाया। उन्होंने एक्स पर लिखा- गुजरात में कुछ ऐसी अनाम पार्टियां हैं जिनका नाम किसी ने नहीं सुना, लेकिन रु4300 करोड़ का चंदा मिला। इन पार्टियों ने बहुत ही कम मौकों पर चुनाव लड़ा है, या उन पर खर्च किया है।'ये हजारों करोड़ आए कहां से? चला कौन रहा है इन्हें? और पैसा गया कहां? क्या चुनाव आयोग जांच करेगा या फिर यहां भी पहले एफिडेविट मांगेगा? या फिर कानून ही बदल देगा, ताकि ये डेटा भी छिपाया जा सके?' राहुल गांधी इन दिनों बिहार में 16 दिन की 'वोटर अधिकार यात्रा' पर हैं। यह यात्रा 1,300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी तय करेगी और 20 जिलों से होकर 1 सितंबर को पटना में खत्म होगी। यात्रा में कांग्रेस और आरजेडी नेताओं ने चुनावी सूची में गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के आरोप लगाए हैं। गुजरात में रजिस्टर्ड 10 गुमनाम से राजनीतिक दलों को 2019-20 से 2023-24 के पांच साल में रु4300 करोड़ चंदा मिला। दिलचस्प बात यह है कि इस दौरान गुजरात में हुए तीन चुनावों (2019, 2024 के दो लोकसभा और 2022 का विधानसभा) में इन दलों ने महज 43 प्रत्याशी उतारे और इन्हें कुल 54,069 वोट मिले। इन दलों और इनके प्रत्याशियों की निर्वाचन आयोग में जमा रिपोर्ट से यह खुलासा हुआ है। इन्होंने चुनाव रिपोर्ट में खर्च महज रु39.02 लाख बताया, जबकि ऑडिट रिपोर्ट में रु3500 करोड़ रुपए खर्च दर्शाया है। 2022-23 में मिले 407 करोड़ के दान पर न्यू इंडिया यूनाइटेड पार्टी राष्ट्रीय प्रमुख अमित चतुर्वेदी ने कहा- सीए से पूछना पड़ेगा। इलेक्शन एक्सपेंडिचर स्टेटमेंट अपलोड किया है, लेकिन छोटी पार्टी होने के चलते 15 दिन में गायब कर देते हैं। ऑडिट और कंट्रीब्यूशन रिपोर्ट के अंतर पर सत्यवादी रक्षक पार्टी के कार्यकारी प्रमुख बिरेन पटेल ने कहा- अकाउंटिंग के मामले में ज्यादा समझ नहीं रखता। इसलिए सीए एडवोकेट रिपोर्ट रखते हैं। इस बार मनपा चुनाव में 80-90 प्रत्याशी उतारने की तैयारी है।दरअसल, राहुल ने 7 अगस्त को वोटर लिस्ट में गड़बड़ी को लेकर 1 घंटे 11 मिनट तक 22 पेज का प्रेजेंटेशन दिया और चुनाव आयोग पर वोट चोरी के आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था, 'वोट चोरी हो रहे हैं। हमारे पास सबूत है कि चुनाव आयोग चोरी में शामिल है। वे भाजपा के लिए ऐसा कर रहे हैं।' इसके बाद 8 अगस्त को चुनाव आयोग ने राहुल के आरोपों पर उनसे हलफनामा (एफिडेविट) मांगा था। चुनाव आयोग ने कहा था कि वे वोट चोरी के अपने दावे को सही मानते हैं तो हलफनामे पर साइन करके दें। अगर उन्हें अपने दावों पर भरोसा नहीं है तो देश से माफी मांगें।

राहुल बोले- गुजरात मॉडल वोट चोरी का मॉडलःसबूत नहीं थे, इसलिए चुप रहे- स्टालिन ने कहा- वोटर्स को लिस्ट से हटाना आतंकवाद से खतरनाक

दरभंगा। राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा का आज 11वां दिन है। यात्रा मुजफ्फरपुर पहुंची है। यहां जारंग हाई स्कूल मैदान में राहुल ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'इन लोगों ने महाराष्ट्र और गुजरात का चुनाव चोरी किया। 2014 से पहले ये गुजरात में शुरू हुआ। गुजरात मॉडल आर्थिक मॉडल नहीं है।''गुजरात मॉडल वोट चोरी करने का मॉडल है। जिसे ये लोग 2014 में राष्ट्रीय स्तर पर लाए। हम कुछ कहते नहीं थे, क्योंकि हमारे पास कोई सबूत नहीं थे, लेकिन महाराष्ट्र में हमें सबूत मिल गया। इससे पहले तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा- 'वोटर्स को लिस्ट से हटाना आतंकवाद से खतरनाक है। बीजेपी ने चुनाव आयोग को कठपुतली बना लिया है। राहुल गांधी जी के शब्दों और आंखों में कभी डर नहीं होता।' राहुल गांधी ने दरभंगा से सुबह

साढ़े 8 बजे अपनी यात्रा शुरू की थी। इस दौरान वे प्रियंका गांधी के साथ बुलेट से भी चले। प्रियंका गांधी मां जानकी का दर्शन करने सीतामढ़ी के पुनौरा धाम नहीं जाएंगी। वह दिल्ली लौट गई हैं। मुजफ्फरपुर के बाद यात्रा रात में सीतामढ़ी पहुंचेगी। वोटर अधिकार यात्रा शाम को मुजफ्फरपुर के गायघाट पहुंचेगी। यहां की 4 सीटों से होकर गायघाट, बोचहां, मीनापुर, औराई से यात्रा गुजरेगी। इसके अलावा नगर विधानसभा क्षेत्र का बड़ा हिस्सा भी इस यात्रा से प्रभावित होगा। नगर सीट कांग्रेस के कब्जे में है। यहां से विजेंद्र चौधरी विधायक हैं। खबर लिखे जाने तक राहुल गांधी का वोटर अधिकार यात्रा गायघाट के बेरुआ गांव से निकल गया है। बोचहां विधानसभा होते हुए मुजफ्फरपुर शहर के जीरो माइल चौक पहुंचेगा। रास्ते में गठबंधन के कार्यकर्ता जगह-जगह अपने नेता का स्वागत करेंगे। जीरो माइल चौक पर राहुल गांधी शहीद भगत सिंह की प्रतिमा पर माल्यार्पण करेंगे, फिर मीनापुर विधानसभा और औराई विधानसभा होते हुए सीतामढ़ी के लिए निकलेंगे। प्रियंका गांधी मां जानकी का दर्शन करने सीतामढ़ी के पुनौरा धाम नहीं जाएंगी। वह दिल्ली लौट गई हैं। प्रियंका गांधी मुजफ्फरपुर से दरभंगा के लिए रवाना हो गई हैं, जहां से फ्लाइट के जरिए नई दिल्ली के लिए निकल जाएंगी।वोटर अधिकार यात्रा के दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के स्वागत के लिए लालगंज के पूर्व विधायक केदार गुप्ता घोड़े पर सवार होकर पहुंचे है।गिरिराज सिंह ने कांग्रेस सांसद और लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर कहा, 'राहुल गांधी झूठ बोलते हैं। हां हम सत्ता में 50 साल रहेंगे, लेकिन अपने काम के बल पर रहेंगे। आप झूठ बोलते रहिए, जनता आपको इसी तरह से नकार देगी। जिस तरह से वे बिहार में बिहार के लोगों को अपशब्द कहने वाले लोगों को एकत्रित कर रहे हैं, उसके लिए वे माफी मांगें। नहीं तो आने वाले चुनाव में उन्हें इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा।'

भाजपा विधायक ने कलेक्टर पर हाथ उठाया, गाली दीःभिंड में खाद संकट को लेकर बंगले के बाहर प्रदर्शन कर रहे थे; चोर भी कहा

भिंड। भिंड से भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह ने कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव को थप्पड़ मारने के लिए हाथ उठाया। इस दौरान उन्होंने गाली-गलौज की। कलेक्टर ने कहा कि रेत चोरी नहीं चलने दूंगा, इस पर विधायक ने उन्हें ही चोर कहा। समर्थक भी भिंड कलेक्टर चोर है की नारेबाजी करते रहे। दरअसल, विधायक कुशवाह जिले में खाद संकट को लेकर कलेक्टर के बंगले के बाहर धरने पर बैठे थे। वे कलेक्टर से बाहर आकर बात करने की मांग कर रहे थे, लेकिन कलेक्टर ने उनकी बात नहीं सुनी। इस पर कुशवाह भड़क गए। उन्होंने धमकाते हुए कहा कि आज पब्लिक को तुम्हारे घर में घुसेड़ दूंगा। भिंड विधायक नरेंद्र सिंह

कुशवाह अपने समर्थकों के साथ कलेक्टर आवास पर पहुंचे थे। यहां कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव मेन गेट पर आए। यहां विधायक ने तू-तड़ाक शुरू किया। इस पर कलेक्टर नाराज हो गए। कलेक्टर ने उंगली दिखाई और कहा औकात में बातचीत करना। विधायक कुशवाह ने आंखें दिखाते हुए दांतों को पीसते हुए मुक्का बांधकर दिखाया। इस पर समर्थक भी गुस्साए और कहा कि औकात से बोलना। फिर नारेबाजी की। इस समय कलेक्टर गेट के अंदर को हुए।विधायक कुशवाह ने फिर थप्पड़ मारने के लिए हाथ दिखाया। तभी गार्ड आगे आए। उन्होंने कलेक्टर को भीतर करते हुए विधायक और कलेक्टर के बीच गेट पर हाथ रख लिए। विधायक- तू मुझे जानता नहीं है। कई बार समझा दिया फिर भी नहीं मानता। कलेक्टर- रेत की चोरी नहीं चलने दूंगा। विधायक- तू सबसे बड़ा चोर है। कलेक्टर ने ओझा गांव की रेत खदान के बारे में बोलना चाहा तभी विधायक ने फिर आंखें दिखाई और गुस्साए। इस दौरान कलेक्टर ने फिर कुछ कहा। इस पर फिर विधायक बंगले में घुसने लगे।इसी दौरान विधायक के गार्ड ने कहा भाई साहब बैठकर बातचीत कर लीजिए। विधायक- प्राइवेट आदमियों से वसूली करवा रहे हो। वहां पटवारी भेज दिए। इसके बाद विधायक के कुछ समर्थक नारे लगा रहे थे। वो रुके तो विधायक बोले- लगाओ नारे। इसी समय कलेक्टर से फिर विधायक बोले- पटवारी कैसे बैठाए। फिर कलेक्टर अंदर चले गए।

बॉयफ्रेंड पजेसिव था तो ब्रेकअप कर लिया,अब वो अमीर हो गया है तो उसे मिस कर रही हूं, क्या मेरी फीलिंग सही है?

नयी दिल्ली। मामले को समझेंगे एक्सपर्टः डॉ. जया सुकुल, क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा से सवाल जवाब के माध्यम से सवाल- मैं 28 साल की हूं और करीब दो साल तक एक रिलेशनशिप

में थी। मैंने उस रिश्ते को निभाने की बहुत कोशिश की, लेकिन बात नहीं बनी। मेरा बॉयफ्रेंड मुझसे बहुत प्यार करता था, लेकिन वो जरूरत से ज्यादा ही प्रोटेक्टिव और शक्की मिजाज था। वो हर वक्त यह जानना चाहता था कि मैं कहां हूं, किससे बात कर रही हूं, क्या पहन रही हूं, यहां तक कि सोशल मीडिया पर किससे कनेक्ट हूं। धीरे-धीरे मुझे लगने लगा कि ये प्यार नहीं, एक तरह का कंट्रोल है। कई बार हमने इस बात को लेकर बहस की, पर कुछ सुधरा नहीं। आखिरकार मैंने ब्रेकअप कर लिया। ब्रेकअप के बाद भी मैं पूरी तरह उबर नहीं पाई। मैं कभी-कभी उसकी इंस्टाग्राम प्रोफाइल देखती थी। कुछ दिन पहले मुझे पता चला कि उसने लैंड रोवर गाड़ी खरीदी है। पता चला कि उसकी फैमिली के जो खेत थे, वहां से हाईवे निकला है। पहले वो एक साधारण मिडिल क्लास लड़का था, लेकिन अब रातोंरात करोड़पति हो गया है। उसके इंस्टाग्राम से पता चलता है कि वो काफी एलीट लाइफ स्टाइल इंजॉय कर रहा है। आए दिन क्लबिंग और पार्टी चल रही है। ये जानकर मन में अजीब-सा अफसोस हुआ। अब जब वो इतना अमीर हो गया है तो मैं उसकी जिंदगी में नहीं हूं। मुझे समझ नहीं आ रहा है- क्या मैं उसे सच में मिस कर रही हूं या फिर उसके अमीर होने की खबर से मुझे दुख हो रहा है। क्या ये फीलिंग्स नॉर्मल हैं? क्या मुझे उससे माफी मांगकर दोबारा कोशिश करनी चाहिए? जवाबः सबसे पहले तो ये जान लीजिए कि आप अकेली नहीं हैं। आपने जो महसूस किया और जो सवाल पूछे, वो बहुत से लोग अपने दिल में सोचते हैं। 28 साल की उम्र में आपने दो साल तक एक रिश्ते को दिल से निभाया। ये आसान नहीं होता, खासकर तब जब वो रिश्ता आपको खुशी की जगह घुटन देने लगे। आपने हिम्मत दिखाई और खुद को उस टॉक्सिक रिलेशनशिप से बाहर निकाला, ये बहुत बड़ी बात है। अपने लिए ऐसा फैसला लेना हर किसी के बस की बात नहीं होती। अब जो आप महसूस कर रही हैं- वो बेचैनी, वो अफसोस ये सब इंसान होने की निशानी है। जब हम किसी के साथ इतना वक्त बिताते हैं और फिर वो हमारी जिंदगी से चला जाता है, तो उसकी लाइफ के अपडेट्स सुनकर मन में उथल-पुथल होना आम बात है। खासकर तब, जब वो इंसान अचानक बहुत आगे बढ़ जाता है। क्या आप सच में उसे मिस कर रही हैं या कुछ और है? हम सब अच्छी जिंदगी के सपने देखते हैं। ऐसी जिंदगी, जिसमें पैसों की टेंशन न हो, शानदार गाड़ियां हों, छुट्टियों की प्लानिंग हो और हर दिन खुशी से बीत रहा हो। जब आप अपने एक्स की नई जिंदगी देखती हैं, उसकी लैंड रोवर, उसकी पार्टियां, तो शायद आपको लगता है कि काश, मैं भी उसकी जिंदगी का हिस्सा होती। ये सोचना बिल्कुल नॉर्मल है। लेकिन सवाल ये है कि क्या आप उसे सचमुच मिस कर रही हैं या उसकी नई चमक-दमक को? अगर वो आज भी वही मिडिल-क्लास लड़का होता, जिसके पास न गाड़ी होती, न पैसे होते तो क्या तब भी आप उसे इतना याद करतीं? शायद नहीं। इसलिए हो सकता है कि आपका दुख उसके जाने का कम और उसकी नई जिंदगी का हिस्सा न होने का ज्यादा हो। आपने जो बताया, उससे यह स्पष्ट है कि वो रिश्ता आपके लिए सही नहीं था। प्यार में इंसान को अपने पार्टनर की फिक्र होती है, पर किसी को हर कदम पर कंट्रोल करना प्यार नहीं होता। वो हर वक्त आप पर नजर रखता था, कहां जा रही हो, क्या पहन रही हो, किससे बात कर रही हो। ये सब सुनने में प्यार जैसा लग सकता है, पर असल में ये घुटन की तरह महसूस होता है। अगर वो आपके लिए सही इंसान होता तो आपको उससे दूर जाने की जरूरत ही नहीं पड़ती। आप खुश रहतीं, अपने फैसले ले पातीं और वो आप पर भरोसा करता। लेकिन ऐसा नहीं था। इसलिए ब्रेकअप आपकी गलती नहीं थी, बल्कि ये आपका सबसे समझदारी भरा कदम था। अब उसकी अमीरी को देखकर ये मत सोचिए कि आपने गलत किया। पैसा जिंदगी को आसान बना सकता है, पर रिश्ते को नहीं। अगर वो पहले कंट्रोलिंग था, तो पैसा आने से उसका स्वभाव नहीं बदलेगा।आपका दो साल का रिलेशनशिप था। इतने वक्त में बहुत सारी यादें बन जाती हैं। ऐसे में उसकी जिंदगी में क्या चल रहा है,

ये जानने का मन करना स्वाभाविक है। इंस्टाग्राम पर उसकी नई-नई तस्वीरें देखना आपके लिए एक आदत बन गई होगी। लेकिन सच ये है कि सोशल मीडिया पर लोग सिर्फ अपनी अच्छी चीजें दिखाते हैं। उसकी गाड़ी, उसकी पार्टियां- ये सब उसकी जिंदगी का एक छोटा हिस्सा है। उसकी असली जिंदगी में क्या चल रहा है, ये कोई नहीं जानता। हो सकता है कि वो अंदर से खुश भी न हो। अगर उसकी प्रोफाइल बार-बार देखकर परेशान हो रही हैं तो ये एक संकेत है कि आपको इससे बाहर निकलने की जरूरत है। इस बेचैनी से कैसे निकलें? अब बात करते हैं कि आप इस उलझन से बाहर कैसे आ सकती हैं। कुछ आसान तरीके हैं- सोशल मीडिया से ब्रेक लें- उसकी प्रोफाइल देखना बंद करें। अगर मुश्किल हो तो उसे म्यूट या ब्लॉक कर दें। ये आपके लिए बेहतर है, न कि उसे सजा देने के लिए। पुरानी बातें याद करें- एक कागज पर लिखें कि आपने ब्रेकअप क्यों किया। जब भी उसका ख्याल मन में आए तो इस कागज के टुकड़े को पढ़ें। ये आपको सच्चाई याद दिलाता रहेगा। खुद को वक्त दें- दोस्तों के साथ समय बिताएं, कोई नया शौक शुरू करें। जो वक्त आप उसकी प्रोफाइल देखने में लगाती हैं, उसे किसी ऐसे काम में लगाएं, जिससे आपको खुशी मिले। किसी से बात करें- अगर मन बहुत भारी हो तो किसी दोस्त या काउंसलर से बात करें। अपने एहसासों को बाहर निकालना जरूरी है।आपने पूछा कि क्या आपको उससे माफी मांगकर रिश्ता फिर से जोड़ना चाहिए। इस सवाल पर मेरा जवाब है, बिल्कुल नहीं। आपने कुछ गलत नहीं किया है। एक टॉक्सिक रिलेशनशिप से निकलना आपका हक था। अगर आप माफी मांगेंगी, तो इससे आपके मन में अपने लिए ही इज्जत कम हो जाएगी। पैसा किसी इंसान के दिल या बर्ताव को नहीं बदलता। वो पहले जैसा था, शायद आज भी वैसा ही होगा। खुद को ये मत समझाइए कि शायद अब सब ठीक हो जाएगा। आपकी जिंदगी उससे बेहतर चीजों की हकदार है।आप जो महसूस कर रही हैं, वो गलत नहीं है। लेकिन ये समझना जरूरी है कि ये एहसास कहां से आ रहे हैं। आपने अपने लिए सही फैसला लिया था और आज भी आपको उस पर टिके रहना चाहिए। वक्त के साथ ये दुख कम हो जाएगा। आप अपनी जिंदगी में आगे बढ़ेंगी, इसमें आपके हिस्से न सिर्फ खुशी होगी, बल्कि सुकून भी होगा। सही रिश्ता वो नहीं जो आपको गाड़ी या पैसा दे, बल्कि जिसमें आपको आजादी और प्यार मिले। खुद पर भरोसा रखें। आप बहुत अच्छा कर रही हैं।

बिग बॉस-19ः गौरव खन्ना को जीशान कादरी ने कहा जाहिल,3 कटोरी दाल खाने पर हुआ जमकर झगड़ा, बसीर अली ने भी सुनाई खरी-खोटी

मुंबई। टेलीविजन के पॉपुलर रियलिटी शो बिग बॉस में अक्सर

खाने पर कंटेस्टेंट्स के बीच घमासान देखने को मिलता है। अब शो के 19वें सीजन पर भी खाने पर जमकर झगड़े शुरू हो चुके हैं। जहां बीते दिन शो में नेहल चुदासमा ने खाना न मिलने पर घर सिर पर उठा लिया, वहीं अब गौरव खन्ना के 3 कटोरी दाल खान पर सभी उन पर भड़क गए। झगड़ा इतना बढ़ गया कि जीशान कादरी ने उन्हें जाहिल तक कह दिया। कलर्स चैनल द्वारा शो का प्रोमो जारी किया गया है कि दाल की कमी पड़ने पर सभी घरवाले गौरव खन्ना पर 3 कटोरी दाल खाने के आरोप लगा रहे हैं। इस पर पलटकर वो सवाल करते हैं कि वो एक कटोरी में 7 लोगों की दाल कैसे खा सकते हैं, लेकिन उनकी एक नहीं सुनी जाती और हर कोई उन्हें झूठा कहने लगता है। इस दौरान राइटर जीशान कादरी अन्य घरवालों के पास जाकर कहते हैं कि सबसे बड़ा जाहिल इनमें है भी गौरव। वहीं दूसरी तरफ बसीर अली भी गौरव की बेपरवाह बॉडी लैंग्वेज पर उन्हें जमकर बातें सुनाते हैं।बताते चलें की बिग बॉस 19 की पहली नॉमिनेशन प्रक्रिया हो चुकी है, जिसमें गौरव खन्ना, नीलम गिरी, अशनूर कौर, तान्या मित्तल, प्रणीत मोरे, जीशान कादरी, अभिषेक बजाज और नतालिया को नॉमिनेट किया गया है।शो के पहले दिन ही बिग बॉस ने सभी घरवालों से एक ऐसे कंटेस्टेंट का चुनाव करने के लिए कहा था, जो घर में रहने लायक नहीं हैं। ज्यादातर घरवालों ने फरजाना भट का नाम लेते हुए उन्हें एविक्ट कर दिया था, जिसके बाद उन्हें एक सीक्रेट रूम में रखा गया है। वो सीक्रेट रूम से घर की पल-पल की खबरें लाइव देख रही हैं। जल्द ही वो रियल बिग बॉस हाउस में री-एंटर होंगी।

अपर्णा सेन के दीवाने थे कमल हासन,एक्ट्रेस को इंप्रेस करने के लिए सीखी बंगाली भाषा, 'हे राम' में रानी मुखर्जी का नाम भी अपर्णा रखा

मुंबई। एक्ट्रेस श्रुति हासन ने हालिया एक इंटरव्यू में पिता कमल हासन से जुड़ी दिलचस्प बातें शेयर की हैं। उन्होंने बताया कि उनके पिता कमल हासन बंगाली एक्ट्रेस और फिल्ममेकर अपर्णा सेन के दीवाने थे। एक्टर ने उन्हें इंप्रेस करने के लिए बंगाली सीखी थी। साथ ही, फिल्म 'हे ??राम' में उन्होंने अपर्णा के नाम पर रानी मुखर्जी के किरदार का नाम रखा था। दरअसल, फिल्म 'कुली' के एक प्रमोशनल इंटरव्यू के लिए श्रुति को स्टार सत्यराज के साथ पहुंचीं थीं। इंटरव्यू के दौरान सत्यराज श्रुति की तारीफ करते हुए कहते हैं कि वो अपने पिता की तरह कई भाषाएं जानती हैं। उन्होंने यह भी बताया

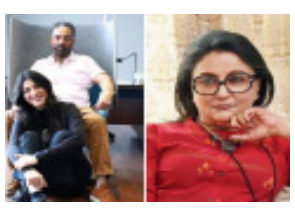

कि कमल हासन ने एक बंगाली फिल्म की थी और इसके लिए उन्होंने बंगाली भाषा भी सीखी थी। सत्यराज की इस बात पर श्रुति हंसने लगती हैं। फिर बताती हैं कि उनके पिता ने फिल्म के लिए नहीं बल्कि अपर्णा सेन के लिए बंगाली सीखी थी। एक्ट्रेस ने कहा- 'क्या आप जानते हैं कि उन्होंने बंगाली क्यों सीखी? क्योंकि उस समय वह अपर्णा सेन से प्यार करते थे और उन्हें इंप्रेस करने के लिए उन्होंने बंगाली सीखी थी। उन्होंने फिल्मों के लिए नहीं सीखा।' श्रुति की करियर की बात करें तो उन्होंने साल 1999 में अपना करियर शुरू किया था। वह साउथ इंडियन सिनेमा की एक मानी जाती एक्ट्रेस हैं। श्रुति ने 'डी-डे', 'रमैया वस्तावैया', 'गब्बर इज बैक', 'वेलकम बैक' और 'रॉकी हैंडसम' जैसी फिल्मों में काम किया है।

घर का वीडियो वायरल होने पर भड़कीं आलिया भट्ट,कहा- बिना इजाजत वीडियो बनाना निजता का उल्लंघन

मुंबई। हाल ही में आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के अंडर कंस्ट्रक्शन बंगले की फोटो सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। अब इस पर आलिया भट्ट ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर एक आधिकारिक पोस्ट शेयर की। इस पोस्ट मे उन्होंने अपनी प्राइवेसी को लेकर चिंता जाहिर की है। साथ ही सवाल खड़े किए हैं। आलिया भट्ट पोस्ट में लिखती हैं- 'मैं समझती हूं कि मुंबई जैसे शहर में जगह सीमित है। कभी-कभी आपकी खिड़की से किसी दूसरे व्यक्ति का घर दिखता है। लेकिन इससे किसी को भी प्राइवेट घर की फिल्म बनाने और उन वीडियो को ऑनलाइन डालने का अधिकार नहीं मिल जाता। हमारे घर का एक वीडियो, जो अभी भी कंस्ट्रक्शन में है। हमारी जानकारी या सहमति के बिना, कई पब्लिकेशन ने रिकॉर्ड और सर्कुलेट किया है।

शिवानी तोमर ने बताया कि केट विंसलेट हैं उनकी आदर्श अभिनेत्री

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मुंबई। मशहूर टीवी और फिल्म अभिनेत्री शिवानी तोमर, जो अपनी हॉट और सेंसुअल अदाओं के लिए

जानी जाती हैं, ने हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान खुलासा किया कि हॉलीवुड स्टार केट विंसलेट उनकी आदर्श हैं। शिवानी ने कहा कि केट विंसलेट की एक्टिंग में जो गहराई, सहजता और सेंसुअलिटी है, वह उन्हें बेहद प्रेरित करती है। शिवानी ने यह भी बताया कि वह केट की फिल्म Titanic से बहुत प्रभावित हुई थीं, और तभी से उन्होंने ठान लिया था कि वह भी एक ऐसी ही दमदार और इमोशन से भरपूर अभिनेत्री बनेंगी। 'केट विंसलेट की तरह ही मैं भी ऐसे किरदार निभाना चाहती हूं जो दर्शकों के दिल को छू जाएं,' उन्होंने कहा। शिवानी तोमर का यह बयान उनके फैंस के लिए यह जानने का मौका है कि उनकी पसंदीदा अभिनेत्री किन इंटरनेशनल कलाकारों से प्रेरणा लेती हैं। अब देखना दिलचस्प होगा कि क्या शिवानी भी भविष्य में केट विंसलेट की तरह इंटरनेशनल मंच पर अपना जलवा बिखेरती हैं।

गणेश चतुर्थी-सेलेब्स ने किया बप्पा का स्वागत,जैकी भगनानी-रकुल प्रीत सिंह के घर में हुई आरती, अनुपमा के सेट पर भी हुई बप्पा की स्थापना

मुंबई। बॉलीवुड इंडस्ट्री में गणेश चतुर्थी सबसे पसंदीदा त्योहारों में

से एक माना जाता है। इस खास मौके पर सेलेब्स सालाना अपने घरों में बप्पा का धूमधाम से स्वागत करते हैं। गणेशोत्सव में कई सेलेब्स ने अपने घरों में बप्पा की स्थापना की और आरती से आगाज किया। वहीं टीवी शो अनुपमा और ये रिश्ता क्या कहलाता है के सेट में भी प्रोड्यूसर राजन शाही ने आरती करवाई। गणेश चतुर्थी से ठीक एक दिन पहले मंगलवार को कई बॉलीवुड और टीवी सेलेब्स मुंबई के मूर्ति केंद्र में भगवान गणेश की प्रतिमा लेने पहुंचे थे। रकुल प्रीत सिंह और जैकी भगनानी ने घर में गणेश आरती रखी, जिस दौरान उनका पूरा परिवार साथ दिखा। टीवी के पॉपुलर शो ये रिश्ता क्या कहलाता है और अनुपमा के सेट पर भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना की गई है। सेट पर आरती हुई, जिसमें शो के प्रोड्यूसर राजन शाही समेत शो की स्टारकास्ट मौजूद रही।इस खास मौके पर बिपाशा बासु ने भी बेटी देवी का एक खूबसूरत वीडियो शेयर किया है, जिसमें वो अपने हाथों से क्ले की मदद से भगवान गणेश की प्रतिमा बनाती नजर आ रही हैं। इस दौरान बिपाशा उन्हें मूर्ति बनाना सिखा रही थीं।

साउथ एक्टर विजय और उनके बाउंसरों पर केस दर्ज,कार्यकर्ता का आरोप- मुझे धक्का दिया गया, जिससे मैं गिरा और मेरे सीने में चोट लगा

मुंबई। तमिलगा वेत्री कझगम के नेता और एक्टर

थलापति विजय और उनके बाउंसरों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। मामले में आरोप है कि 21 अगस्त को मदुरै में हुई विजय की पार्टी की कॉन्फ्रेंस में एक कार्यकर्ता घायल हो गया था। पुलिस ने विजय और उनके सिक्योरिटी स्टाफ के खिलाफ बीएनएस की कई धाराओं में केस दर्ज किया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, शिकायत शरत कुमार ने दर्ज कराई है। उनका कहना है कि वह उस रैम्प पर चढ़ने की कोशिश कर रहे थे, जिस पर विजय चल रहे थे। तभी बाउंसरों ने उन्हें धक्का दे दिया। शरत ने बताया कि उन्होंने पाइप पकड़कर खुद को संभालने की कोशिश की, लेकिन आखिरकार नीचे गिर गए और उनके सीने में चोट लग गई। घटना का एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें शरत को रैम्प से फिसलते हुए देखा जा सकता है। वह पहले रेलिंग पकड़ते हैं लेकिन कुछ देर बाद हाथ छूट जाता है और नीचे गिर जाते हैं। शिकायतकर्ता शरत कुमार ने कहा, 'मैं उन्हें देखना चाहता था, इसलिए रैम्प पर चढ़ा। बाउंसरों ने धक्का दिया और मुझे चोट लगी। इसी कारण मैंने शिकायत दर्ज कराई है और जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।' मदुरै के पारापथी में हुई इस कॉन्फ्रेंस में लाखों समर्थक जुटे थे। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, झंडा फहराने और पार्टी नेताओं के संकल्प के साथ हुई। विजय करीब 300 मीटर लंबे रैम्प से भव्य अंदाज में मंच तक पहुंचे। इसी दौरान शरत ने उन्हें करीब से देखने की कोशिश की थी। बता दें कि अगले साल तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। विजय राजनीति में सक्रिय हैं। वह 'तमिलगा वेत्री कझगम' के संस्थापक अध्यक्ष हैं। इस पार्टी की स्थापना विजय ने 2 फरवरी 2024 को की थी।

ऋतिक रोशन की किराएदार बनीं गर्लफ्रेंड सबा आजाद,सी-फेसिंग अपार्टमेंट के लिए हर महीने देंगी 75 हजार रुपए, 2 साल पहले एक्टर ने करवाया था रेनोवेट

मुंबई। ऋतिक रोशन ने अपनी सी-फेसिंग अपार्टमेंट गर्लफ्रेंड सबा आजाद को किराए पर दिया है।

इसके लिए सबा आजाद को हर महीने किराए के रूप में 75 हजार रुपए चुकाने होंगे, हालांकि ब्रोकर की मानें तो जिस लोकेशन में अपार्टमेंट है वहां का किराया 1-2 लाख के बीच है।

हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट में ब्रोकर के हवाले से बताया गया है कि मुंबई के जुहू वर्सोवा लिंक रोड में स्थित 3 बीएचके अपार्टमेंट का किराया करीब 1-2 लाख है।

सबा आजाद ने 4 अगस्त 2025 को इसका लाइसेंस एग्रीमेंट बनवाया है, जिसके लिए

उन्होंने 1.25 लाख रुपए डिपॉजिट किए हैं।ऋतिक रोशन ने अक्टूबर 2020 में मन्नत बिल्डिंग में 2 सी फेसिंग अपार्टमेंट खरीदे थे। जिनकी कीमत तब 97.5 करोड़ रुपए थी। पहला अपार्टमेंट 27,534.85 वर्गफीट में फैला हुआ है, जिसके लिए ऋतिक ने 67.50 करोड़ रुपए चुकाए थे। जबकि दूसरे अपार्टमेंट का एरिया 11,165 वर्गफीट है, जिसे एक्टर ने 30 करोड़ में खरीदा था।

मुंबई मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, ऋतिक ने ये फ्लैट्स समीर भोजवानी नाम के बिल्डर से खरीदे थे।

2 अपार्टमेंट्स के साथ उन्हें 6500 वर्गफीट के ओपन टु द स्काई टैरेस, 10 पार्किंग स्लॉट और एक्सक्लूसिव लिफ्ट भी मिली है। 2023 में ऋतिक रोशन ने इस घर में रिनोवेशन करवाया था। तब खबरें थीं कि ऋतिक जल्द ही गर्लफ्रेंड सबा आजाद के साथ यहां शिफ्ट होने वाले हैं।

हालांकि, अब यहां सिर्फ सबा आजाद रहेंगी। बताते चलें कि पत्नी सुजैन खान से तलाक के बाद ऋतिक रोशन साल 2022 से सिंगर और एक्ट्रेस सबा आजाद को डेट कर रहे हैं।

उम्र में सबा आजाद ऋतिक से 12 साल छोटी हैं। ऋतिक 51 के हैं, जबकि सबा महज 39 साल की हैं।

'द बंगाल फाइल्स' में मिथुन चक्रवर्ती के बेटे-बहू नजर आएंगे,एक्टर बोले- नमाशी में दिखती है मेरी झलक, सलाह दी सिर्फ डायरेक्टर की सुनना

मुंबई। वेटरन एक्टर मिथुन चक्रवर्ती इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' को लेकर चर्चा में हैं। एक्टर इस फिल्म में एक बार फिर दमदार भूमिका में नजर आएंगे, वहीं फिल्म में उनकी बहू और बेटे नमाशी भी बहुत ही खास किरदार में हैं। मिथुन चक्रवर्ती ने बहू मदालसा और बेटे नमाशी के किरदार के बारे में भी बात की। एक्टर ने बताया कि बहू मदालसा फिल्म में बहुत ही खास किरदार निभा रही हैं। बेटे नमाशी को सीख दी कि सिर्फ डायरेक्टर की सुनना। इसके अलावा मिथुन दा ने कुछ और दिलचस्प बातें शेयर कीं।जब मिथुन चक्रवर्ती से पूछा गया कि 'द बंगाल फाइल्स' में बहू और बेटे ने भी काम किया है। सेट पर किस तरह का माहौल था? इस सवाल के जवाब में मिथुन चक्रवर्ती ने कहा- 'बहुत ही अच्छा माहौल था। मेरी बड़ी बहू मदालसा फिल्म में बहुत ही खास किरदार निभा रही हैं। उन्होंने बड़ी खूबसूरती से अपने किरदार को अदा किया है। नमाशी का

इस फिल्म में नेगेटिव किरदार है। हालांकि, वे दूसरा किरदार निभाना चाहते थे, लेकिन मैंने उसे नेगेटिव किरदार निभाने का सुझाव दिया। फिल्म में उसने गुलाम का किरदार बहुत ही बेहतरीन तरीके से निभाया है। जब आप फिल्म देखेंगे तो समझ में आएगा कि क्या कहना चाह रहा हूं' नमाशी चक्रवर्ती ने राज कुमार संतोषी के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'बैड बॉय' से डेब्यू किया था। यह फिल्म 28 अप्रैल 2023 को रिलीज हुई थी। इस फिल्म को देखने के बाद लोगों ने नमाशी की तुलना यंग मिथुन से की थी। लोगों का कहना है कि नमाशी में यंग मिथुन का लुक नजर आता है।इस बारे में जब मिथुन दा से सवाल किया गया तो उन्होंने हंसते हुए कहा- 'थोड़ी झलक तो दिखती हैनमाशी चक्रवर्ती की डेब्यू फिल्म 'बैड बॉय' में मिथुन चक्रवर्ती 'जनाबे अली' गाने में नजर आए थे। 'द बंगाल फाइल्स' में पिता-पुत्र की काफी दमदार भूमिका है। जब मिथुन दा से पूछा गया कि क्या उन्होंने नमाशी को एक्टिंग के लिए कोई टिप्स दी है? मिथुन दा ने कहा-'मैं टिप्स नहीं देता, सिर्फ यही कहता हूं कि डायरेक्टर की सुनो। डायरेक्टर जो बोलते हैं, उसकी कॉपी करो। फिर अपने किरदार में घुसने के बाद यह भूल जाओ कि तुम नमाशी चक्रवर्ती हो। अभी तुम गुलाम हो और गुलाम का किरदार निभाओ। इसी तरह मैं खुद अपने किरदार की तैयारी करता हूं। यही बात मैंने नमाशी को बताई' बता दें कि मिथुन चक्रवर्ती की विवेक अग्निहोत्री के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'द बंगाल फाइल्स' 5 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म के अलावा मिथुन दा देशभक्ति से लबरेज फैमिली ड्रामा फिल्म 'फौजी' में प्रभास और 'जेलर 2' में रजनीकांत के साथ नजर आएंगे।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com
नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।